हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | भोपाल, रविवार 23 नवंबर 2025

सबसे बड़ा योगदान कोयले का रहा

माल ढुलाई में रेलवे ने पार किया 1020 मिलियन टन का आंकड़ा

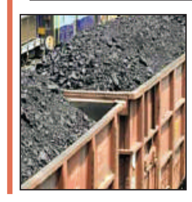

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने मौजूदा वित्त वर्ष में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 19 नवंबर तक रेलवे की फ्रेट लोडिंग 1,020 मिलियन टन के पार पहुंच गई है। यह आंकड़ा बताते है कि देश में औद्योगिक गतिविधियां, उत्पादन और ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। सरकारी शेष पेज 4 पर

मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में 'इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश' सत्र को किया संबोधित

27,800 रोजगार होंगे सृजित

36,600 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए

सीएम ने कहा कि मप्र सरकार पलक-पांवड़े बिछाकर सभी निवेशकों का स्वागत कर रही है। हम हैदराबाद के निवेशकों के साथ एक नई डोर जोड़ने के लिए आए हैं।

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैठक में गिनाई मप्र में संभावनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हैदराबाद में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व उद्योगपतियों साथ वन-टू-वन चर्चा के बाद कुल 36 हजार 600 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इससे लगभग 27 हजार 800 रोजगार सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की 18 नवीन निवेश नीतियां निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। जरूरी हुआ तो इन नीतियों की परिधि के बाहर जाकर भी उद्योगपतियों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

मप्र सरकार पलक-पांवड़े बिछाकर सभी निवेशकों का स्वागत कर रही है। हम हैदराबाद के निवेशकों के साथ एक नई डोर जोड़ने के लिए आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को हैदराबाद में आयोजित 'इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश' सत्र में उद्योगपतियों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद में अनेक उद्योगपतियों ने मप्र में निवेश की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में उन्होंने बिना राजनैतिक एजेंडा के सिर्फ एक उद्देश्य, औद्योगिक निवेश को लेकर यात्राएं की हैं। ऐसे इंटरैक्टिव सेशन मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास ▶▶ शेष पेज 4 पर

सीएम डॉ. यादव बोले- तेलंगाना और मप्र की जोड़ी है हीरा-मोती की तरह

मप्र की प्रोत्साहनकारी निवेश नीतियां निवेशकों को कर रही हैं आकर्षित

निवेशकों की सहूलियत के लिए बनाई 18 निवेश नीतियां

मप्र सरकार निवेशकों से किए हर संकल्प को पूरा कर रही

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत अब रेल कोच भी निर्यात करने की स्थिति में है। मप्र में बीईएमएल को 18 हजार करोड़ लागत की रेल कोच निर्माण की यूनिट लगाने के लिए भूमि अलॉट की गई है। प्रदेश में डिफेंस टेक्नोलॉजी में बड़ा निवेश हो रहा है। राज्य में सभी क्षेत्रों के निवेशकों को आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाईड्रा पावर पंप स्टोरेज का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट नीमच में चंबल नदी पर बनाया जा रहा है, जिसका निर्माण आगामी 2 वर्ष में पूर्ण हो जाएगा। यह एक बड़ा प्रकल्प है। मप्र सरकार निवेशकों से किए हर संकल्प को पूरा कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्यों के बीच आपसी भावना विकसित हो रही है। मप्र सरकार ने राजस्थान के साथ चल रहे सालों पुराने जल विवाद को खत्म कर पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना को आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब देश बदल रहा है।

10 कंपनियों ने 36 हजार 600 करोड़ के निवेश प्रस्ताव दिए

10 कंपनियों में प्रमुख निवेश प्रस्ताव में एजीआई ग्रीनपैक कंपनी ने पैकेजिंग इंजीनियरिंग सेक्टर में 1500 करोड़ रुपए, एक्सिस एनर्जी वेंचर्स इंडिया कंपनी ने नवीकरणीय ऊर्जा सेक्टर में 29 हजार 500 करोड़ रुपए, अनंत टेक्नालॉजीज कंपनी ने एयरो स्पेस सेक्टर में एक हजार करोड़, ऑटोमेटस्की सॉल्यूशंस कंपनी ने आईटी सेक्टर में एक हजार करोड़, कोलाबेरी इंक कंपनी ने फार्मा एण्ड ट्रेडिंग सेक्टर में एक हजार करोड़ रुपए निवेश प्रस्ताव दिया। इसी तरह डर्माक्योर फार्मास्युटिकल्स कंपनी ने नवीकरणीय ऊर्जा एवं आईटी सेक्टर में 150 करोड़ रुपए, विंडपोनिक्स इण्डिया कंपनी ने नवीकरणीय ऊर्जा एवं कृषि सेक्टर में 280 करोड़ रुपए, विंटेज कॉफी एण्ड बेवरेजेस लिमिटेड कंपनी ने फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में 1100 करोड़ रुपए, विश्वनाथ प्रोजेक्ट्स लिमिटेड कम्पनी ने अधोसंरचना सेक्टर में 350 करोड़ रुपए और वुमेनोवा एग्रो फूड पार्क प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में 720 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्ताव दिया। ▶▶ पढ़ें पेज 02 भी

राउंड टेबल बैठक के साथ वन-टू-वन चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव हैदराबाद में फार्मा एवं बायोटेक सेक्टर की राउंडटेबल बैठक में फार्मा एवं बायोटेक जगत के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि उज्जैन में विकसित मेडिकल डिवाइस पार्क में विश्वस्तरीय अवसंरचना तैयार हो रही है और इसके द्वितीय चरण के लिए शीघ्र ही निवेशकों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब बायोटेक क्षेत्र में नई दिशा तय कर रहा है। कृषि, औषधीय पौधों और वन-संपदा के विशाल आधार के साथ प्रदेश जैव-प्रौद्योगिकी आधारित ▶▶ शेष पेज 4 पर

हेमंत खंडेलवाल की टीम में नई नियुक्तियां

टेलर शाजापुर के और परांजपे जबलपुर की रहने वालीं

श्याम टेलर युवा मोर्चा और अश्विनी परांजपे महिला मोर्चा अध्यक्ष बनीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की टीम में नई नियुक्तियां की गई हैं। इस टीम में प्रदेश कार्यालय व्यवस्था प्रभारी, प्रदेश मोर्चा प्रभारी और प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी की नई जिम्मेदारी पार्टी नेताओं को सौंपी गई है। शनिवार शाम को युवा मोर्चा और महिला मोर्चा अध्यक्षों की नियुक्ति की सूची भी जारी कर दी गई। इसमें युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष ▶▶ शेष पेज 4 पर, ▶▶ पढ़ें पेज 02 भी

श्याम टेलर

अश्विनी परांजपे

मनोरंजन मिश्रा

आशुतोष तिवारी

जितेंद्र लिटोरिया

जितेंद्र लिटोरिया प्रदेश कार्यालय प्रभारी

प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार प्रदेश मोर्चा प्रभारी की जिम्मेदारी मनोरंजन मिश्रा को सौंपी गई है। प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी का जिम्मा आशुतोष तिवारी को सौंपा गया है। संगठन में जितेंद्र लिटोरिया को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें कार्यालय व्यवस्था प्रभारी ▶▶ शेष पेज 4 पर

बिल्कुल अलग होगा अगले सीजेआई का शपथग्रहण

कल भारत के 53वें चीफ जस्टिस बनेंगे जस्टिस सूर्यकांत, 6 देशों के चीफ जस्टिस, जज आएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत भारत के नए और 53वें चीफ जस्टिस (सीजेआई) के तौर पर शपथ लेने वाले हैं।

रविवार को मौजूदा सीजेआई बीआर गवई का कार्यकाल खत्म होने वाला है। लेकिन, पहली बार ऐसा हो रहा कि राष्ट्रपति भवन में नए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के शपथग्रहण के दौरान 6 देशों के चीफ जस्टिस, ▶▶ शेष पेज 4 पर

जस्टिस सूर्यकांत को 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाया गया था

फाइल फोटो

जस्टिस सूर्यकांत को जानें

10 फरवरी, 1962 को हरियाणा के हिसार जिले में एक मध्यवर्गीय परिवार में जन्मे जस्टिस सूर्यकांत को 24 मई, 2019 को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाया गया था। इससे पहले वे हिमाचल ▶▶ शेष पेज 4 पर

ये जज व परिजन आएंगे

6 देशों के जजों, चीफ जस्टिस और उनके परिजनों की लिस्ट में नेपाल से जस्टिस प्रकाश मान सिंह राउत, चीफ जस्टिस, नेपाल, जस्टिस सपना प्रधान मल्ला, जज, नेपाल सुप्रीम कोर्ट, अशोक बहादुर मल्ला, जस्टिस सपना के पति, जस्टिस अनिल कुमार सिन्हा, नेपाल सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज और मौजूदा मंत्री, उर्सिला सिन्हा, अनिल ▶▶ शेष पेज 4 पर

बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के अंबर त्रिपाठी ने किया टॉप, सीजीपीए 9.87 मिली

मैनिट: 22वें दीक्षांत में 1600 को मिली डिग्री, बीटेक कम्प्यूटर साइंस में 230 को उपाधि

मेपकास्ट के प्रधान वैज्ञानिक विकास शेंडे को मैनिट के एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग से मिली पीएचडी

12 विद्यार्थियों को गोल्ड और 12 को सिल्वर मेडल, 5 को दिया प्रायोजित गोल्ड मेडल, बीटेक कम्प्यूटर साइंस की सुहानी बत्रा को 4 प्रायोजित और एक गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में शनिवार को 22वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस बार दीक्षांत में बीटेक और मास्टर डिग्री सहित कुल 1600 विद्यार्थियों को उपाधि से सम्मानित किया गया। साथ ही 72 स्कॉलर्स को पीएचडी की डिग्री से सम्मानित किया गया। इस साल मैनिट के बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के अंबर त्रिपाठी ने टॉप किया।

इनका सीजीपीए 9.87 रहा है। संस्थान ने बीटेक कम्प्यूटर साइंस में सबसे अधिक 230 को उपाधि प्रदान की। 219 को एमटेक, 108 को एमसीए, 23 को एमबीए और 21 को एमएससी केमेस्ट्री की डिग्री मिली है।

दीक्षांत समारोह में मप्र विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) के विकास शेंडे, प्रधान वैज्ञानिक म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, विज्ञान भवन, भोपाल को एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग से नवकरणीय ऊर्जा में पीएचडी उपाधि से सम्मानित किया गया है।

72 को पीएचडी, 219 को एमटेक, 108 को एमसीए, 23 को एमबीए, 21 को एमएससी केमेस्ट्री की डिग्री

मेनिट में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान उत्साहित छात्राएं।

मैनिट में सीओपीएस की घोषणा

दीक्षांत समारोह म कैलाश मकवाना, पुलिस महानिदेशक ने संस्थान में सेंटर ऑफ पब्लिक सेफ्टी (सीओपीएस) के स्थापना के लिए कार्रवाई किए जाने की घोषणा की है। यह केंद्र लोक सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर शोध एवं परियोजनाओं का क्रियान्वयन करेगा। मकवाना, मैनिट भोपाल के ही पूर्व छात्र रहे हैं। साथ ही दीक्षांत समारोह के विशिष्ट अतिथि भी रहे हैं।

सुहानी बत्रा को 5 गोल्ड मेडल

मैनिट में सत्र 2024-25 का प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के छात्र अंबर त्रिपाठी को मिला। उनका सीजीपीए 9.87 रहा। वहीं, सबसे अधिक गोल्ड मेडल लेने वाली सुहानी बत्रा को 5 गोल्ड मेडल मिले। बीटेक कम्प्यूटर साइंस की सुहानी को 4 प्रायोजित और एक गोल्ड मेडल दिया गया है। सुहानी बत्रा का सीजीपीए 9.75 रहा है। विभिन्न ब्रांच में प्रथम स्थान वाले विद्यार्थियों को भी गोल्ड मेडल दिए गए। इनमें सिविल से संस्कार गुप्ता, मैकेनिकल से रोहित सेन, इलेक्ट्रिकल से शिशिर मिश्रा, सीएसई से सुहानी बत्रा, केमिकल से सुशोभित मलिक, मटेरियल व मेटलर्जिकल से तुलसी कुमारी, बी-आर्क से यूसुफ सैफी और बी- प्लानिंग से गजेंद्र लोधी शामिल रहे हैं।

यह रहे प्रमुख रूप से उपस्थित

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीजीपी मकवाना के अलावा प्रो. टीजी सीताराम, एआईसीटीई और संदीप जन्नज़ारिया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक, जीई वनोवज़ टी एंड डी इंडिया लिमिटेड रहे। मुख्य अतिथि सीताराम ने दीक्षांत अभिभाषण दिया। अध्यक्षता प्रो. अरविंद ए. नाटू अध्यक्ष, शासी निकाय, मैनिट ने की। प्रो. केके शुक्ल, निदेशक मैनिट तथा कुलसचिव गौरव द्विवेदी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मेनिट में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान उपाधि लेता छात्र।

दीक्षांत समारोह में मेपकॉस्ट के डॉ. विकास शेंडे उपाधि लेते हुए।

मेनिट में आयोजित दीक्षांत समारोह में सेल्फी लेते छात्र-छात्राएं।

खबर संक्षेप

एनसीआईएसएम की फिजिकल सीएमई क्रेडिट प्वाइंट्स पर रोक

भोपाल। नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन द्वारा जारी आदेश में देशभर में भौतिक सीएमई क्रेडिट प्वाइंट्स के आवंटन और आवेदन प्रक्रिया पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि कोई भी नया सीएमई क्रेडिट पॉइंट प्रस्ताव नहीं लिया जाएगा तथा पूर्व में भेजे गए प्रस्तावों की प्रोसेसिंग भी आगे के निर्देशों तक बंद रहेगी। नीमा छात्र संघ के अध्यक्ष डॉ. हरेंद्र सिंह भदौरिया ने कहा कि सीएमई चिकित्सकों के कौशल-विकास और ज्ञान-विस्तार के लिए अनिवार्य है परंतु 50 क्रेडिट प्वाइंट की अनिवार्यता पहले ही चिकित्सकों पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है।

नहीं दे पाए प्रदेशभर के नगरीय निकाय दैवेभो कर्मचारियों की जानकारी

भोपाल। प्रदेशभर के नगरीय निकायों से नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 28 मार्च 2000 के बाद नियुक्त हुए दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की जानकारी मांगी थी, लेकिन प्रदेश की एक भी नगरीय निकाय जानकारी एकत्र नहीं कर सका। विभाग ने 25 अक्टूबर तक यह जानकारी मांगी थी। इसके लिए बाकायदा जानकारी भरने के लिए प्रारुप भी दिया गया था। नगरीय विकास द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि संपूर्ण जानकारी आगामी एक सप्ताह में विभाग को उपलब्ध कराएं।

प्रारंभिक कक्षाओं का अर्धवार्षिक मूल्यांकन 8 दिसंबर से

भोपाल। प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 3 से 8 के लिए सोमवार 24 नवम्बर से आयोजित होने वाला अर्धवार्षिक मूल्यांकन की तिथि बढ़ाई गई है। अब मूल्यांकन का कार्य 8 से 13 दिसम्बर के मध्य होगा। राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने वर्तमान में प्रदेश में संचालित चुनावी प्रक्रिया एसआईआर में शासकीय कर्मचारियों की व्यस्तता के कारण कक्षा 3 से 8 के अर्धवार्षिक मूल्यांकन की तिथियों को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में नवीन समयसारिणी जारी की है।

उपमुख्यमंत्री को जूडा ने लिखा पत्र: पदों को लेकर रखी अपनी मांगें

भोपाल। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ कुलदीप गुप्ता ने उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को पत्र लिखकर सरकारी अस्पतालों में हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेटर के पदों पर एमबीबीएस और एमडी विशेषज्ञों को प्राथमिकता दिए जाने की मांग की है। उपमुख्यमंत्री को लिखे पत्र में डॉ गुप्ता ने बताया कि वर्तमान चिकित्सा प्रणाली में अस्पताल प्रबंधन का स्वरूप अत्यंत जटिल, तकनीकी एवं बहुआयामी हो चुका है।

चिकित्सा सम्मेलन में पहुंचे मंत्री सारंग, ग्रामीण स्वास्थ्य पर दिया जोर

कुशाभाऊ ठाकरे कंवेंशन सेंटर में राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलन का शुभारंभ

देश में हर 15 मिनट में आता है करीब एक व्यक्ति को हार्ट अटैक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जीवनशैली से जुड़ी गंभीर बीमारियों, खासकर मधुमेह और हृदय रोग से निपटने के उपायों पर चर्चा करने के लिए कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कंवेंशन सेंटर में दो दिवसीय 23वें राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि डॉक्टरों को ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपनी सेवाएं देनी चाहिए। सम्मेलन के आयोजक डॉ पंकज मनोरिया ने देश में तेजी से बढ़ रहे मधुमेह और हार्ट अटैक के मरीजों पर चिंता जताई।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में देश में लगभग 10 करोड़ मधुमेह के मरीज है। वहीं प्रतिवर्ष लगभग 10 लाख लोगों को हार्ट अटैक होता है, यानी देश में हर 15 मिनट में एक हार्ट अटैक होता है। डॉ. मनोरिया ने कहा कि हार्ट अटैक कोई कैंसर नहीं है जिस पर काबू न पाया जा सके।

23वें राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलन का शुभारंभ करते मंत्री विश्वास सारंग।

23वें राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलन में व्याख्यान देते डॉक्टर।

स्वस्थ्य रहने के लिए अपनाए '80 का मूल मंत्र'

चिकित्सा सम्मेलन में आयोजन अध्यक्ष डॉ पीसी मनोरिया ने डायबिटीज और हार्ट अटैक से बचने के लिए '80 का मूल मंत्र' की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कमर का घेरा (कमर) 80 (सेमी), नीचे का ब्लड प्रेशर 80 एमएम एचडी, धूम्रपान करने वालों से दूरी 80 मीटर रहे।

स्वस्थ जीवन शैली से रहो स्वस्थः डॉ दुरईराज

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. दुरईराज प्रभाकरण ने कहा कि स्वस्थ जीवन शैली एवं नियमित दिनचर्या के लिए सभी चिकित्सकों को ऐसे सम्मेलनों में अनिवार्य रूप से भाग लेना चाहिए जिससे वे हृदय रोग एवं मधुमेह के बारे में नई जानकारियां प्राप्त कर सके।

सीएमई मिली जानकारी नहीं मिली इंटरनेट पर

आएसएसडीआइ नागपुर के अध्यक्ष डॉ. सुनील गुप्ता ने कहा कि सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) के कार्यक्रम चिकित्सा शिक्षा का अभिन्न अंग बन गया है और ऐसी सटीक जानकारियां इंटरनेट एवं मेडिकल जनरल के माध्यम से इतने कम समय मे प्राप्त नहीं की जा सकती।

लकवा एक आम बीमारीः डॉ पदमा

सम्मेलन में गुरूग्राम से आई न्यूरोफिजिशन डॉ. पदमा श्रीवास्तव ने कहा कि लकवा एक आम बीमारी है। यदि किसी मरीज के किसी अंग में अचानक कमजोरी आ जाए तो तुरंत अस्पताल में भर्ती होना चाहिए। यदि चार या पांच घंटे में भर्ती हो जाता है तो खून को थक्के को घोलने की दवाई देने से उसके अंग की कमजोरी दूर हो जाती है।

एम्स में आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण

विशेषज्ञ अब और सटीक ढंग से जान पाएंगे मौत का समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

किसी भी आपराधिक मामले में मौत कब हुई, यह जांच का सबसे अहम सवाल होता है। इसी सवाल का वैज्ञानिक जवाब और अधिक सटीक रूप से खोजने के लिए एम्स भोपाल में देशभर के फॉरेंसिक विशेषज्ञ जुटे। संस्थान में फॉरेंसिक अपडेट वीआइआइआइ के नाम से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में उन आधुनिक तकनीकों पर खास फोकस रहा, जिनसे मृत्यु के बाद बीते समय (टाइम-सिंस-डेथ) का निर्धारण पहले से कहीं अधिक सटीक किया जा सकेगा।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. माधवानंद कर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. रजनीश जोशी डीन एकेडमिक्स ने किया। कार्यशाला में वरिष्ठ फॉरेंसिक विशेषज्ञ डॉ. बीपी दुबे और डॉ. डीएस बड़कुर भी मौजूद रहे।

एम्स में कार्यशाला का दृश्य।

शवों में भी समय पता लगाने की तकनीके

कार्यशाला में बताया गया कि मृत्यु के समय का पता लगाना अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है, खासकर तब जब शव सड़ चुका हो, जला हो, पानी में रहा हो, विकृत हो चुका हो या दफन मिले। ऐसे मामलों में आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकें जैसे फॉरेंसिक एंटोमोलॉजी, पोस्ट-मॉर्टम रेडियोलॉजी, बायोकेमिकल और मेटाबोलिक मार्कर्स, जीनोमिक्स, प्रोटीओमिक्स और माइक्रोबायोलॉजी जांच को बेहद सटीक बना देती हैं।

प्रैक्टिकल ट्रेनिंग रहा आकर्षण का केंद्र

कार्यशाला का आकर्षण था प्रतिभागियों को दिया गया प्रैक्टिकल प्रशिक्षण। इसमें डॉक्टरों और शोधकतार्ओं ने खुद आधुनिक उपकरणों का उपयोग करते हुए सीखा कि सटीक बायोकेमिकल बदलाव कैसे रिकॉर्ड किए जाते हैं, कीटों की मौजूदगी से मृत्यु का समय कैसे समझा जाता है, रेडियोलॉजी मृत्योत्तर जांच में कैसे मदद करती है और आणविक स्तर पर शरीर में होने वाले परिवर्तन मृत्यु का समय कैसे बताते हैं।

प्रदेश भर के संविदा कर्मचारी राजधानी में जुटे

संविदा कर्मियों की दो टूक नियमित नहीं किया तो देंगे अनिश्चितकालीन धरना

राजधानी में मंचासीन आंदोलनरत संविदाकर्मी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नियमितीकरण समेत नौ सूत्रीय मांगों को लेकर शनिवार को राजधानी में प्रदेश भर के संविदा कर्मचारियों ने धरना देकर प्रदर्शन किया। आंबेडकर मैदान में आयोजित धरने में संविदा कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर एक महीने में संविदा कर्मचारियों को नियमित नहीं किया तो वह काम बंद आंदोलन कर राजधानी में अनिश्चिकालीन धरने पर बैठेंगे।

वर्ष 2023 की संविदा नीति का नहीं हुआ पालन

प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सिंह तोमर ने कहा कि वर्ष 2023 की संविदा नीति का पालन नहीं हुआ है। इसके विरोध में संविदा कर्मचारी लामबंद है। संविदा कर्मचारियों को सरकार महंगाई भत्ता भी नहीं दे रही है।

मंहगाई के नाम पर उपभोक्ता सूचकांक ही दिया जा रहा है। प्रदेश सह संयोजक भार्गव ने कहा कि यह लड़ाई हमारे हक, सम्मान व सुरक्षा की है। जिसे हम हर स्तर पर शासन के समक्ष रख रहे हैं।

नौ सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन

मप्र संविदा संयुक्त संघर्ष मंच के नेतृत्व में नौ सूत्रीय मांग नियमितीकरण, वेतन विसंगति दूर करने, समान काम-समान वेतन, पेंशन सुविधा और सेवा सुरक्षा को लेकर कर्मचारियों ने धरना दिया। मंच के प्रदेश संयोजक दिनेश सिंह तोमर ने धरने को संबोधित किया।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण की बैठक

दिसंबर तक हो लंबित छात्रवृत्ति का भुगतानः आयुक्त सुमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वल्लभ भवन स्थित मीटिंग हॉल में हुई। बैठक की अध्यक्षता आयुक्त सौरभ कुमार सुमन ने की। आयुक्त, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण सुमन ने दिसंबर तक पूर्व वर्षों की लंबित छात्रवृत्तियों के भुगतान करने के निर्देश दिए। सीहोर जिले के बालक छात्रावास में सड़क निर्माण से संबंधित समस्या के निराकरण के लिए निर्देशित किया गया। सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना को ऑनलाइन करने की पहल भी की गई है। आयुक्त सुमन ने विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति में जाति प्रमाणपत्र से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए दो वर्षों में चयनित लगभग 100 छात्रों के जाति-प्रमाणपत्रों का सत्यापन संबंधित जिलों के कलेक्टर कार्यालय से कराया जाए।

राठौर क्षत्रिय समाज के सदस्य रहे मौजूद

राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की 307वीं पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रवीर दुर्गा दास राठौर की 307वीं पुण्यतिथि पर राठौर क्षत्रिय समाज न्यू भोपाल द्वारा शास्त्री नगर में स्थित कार्यालय पर राठौर समाज के नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राठौर क्षत्रिय समाज न्यू भोपाल के अध्यक्ष अनूप राठोर और महामंत्री रमेश राठौर ने बताया कि राष्ट्रीवीर दुर्गा दास राठौर ने औरंगजेब से युद्ध कर शिवाजी महाराज को वहां से मुक्त कराया था। राष्ट्रवीर दुर्गा राठौर राठौर क्षत्रिय समाज के गौरव हैं और पूरे प्रदेश में उनको याद किया जाता है। इस अवसर पर अजय राठौर, प्रमोद राठौर, सीके राठौर, गोपाल राठौर, प्रदीप राठौर, प्रेम नारायण राठौर, सुशील राठौर, संजय राठौर, वीणा राठौर आदि समाज जनों ने उनको याद कर श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते समाज के लोग।

संगोष्ठी का उद्देश्य पारंपरिक खेल संस्कृति की पुनर्स्थापना

बीयू: खेल सृष्टि में भारतीय दृष्टि राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन, कई विद्वानों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में शनिवार को मध्य प्रदेश समिति-क्रीड़ा भारती और बीयू के संयुक्त तत्वावधान में खेल दृष्टि भारतीय दृष्टि विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की प्रथम श्रृंखला का आयोजन ज्ञान विज्ञान केंद्र में किया गया। इसका उद्देश्य पारंपरिक खेल संस्कृति की पुनर्स्थापना और उसके आधुनिक संदर्भ में पूर्ण अवलोकन करना, व्यायाम पद्धतियों, योग आधारित अभ्यास प्रणाली भारतीय मूल, नैतिक खिलाड़ी एवं प्रशिक्षकों के आचरण में सुधार किस प्रकार किया जाए आदि है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि इंदर सिंह परमार, मंत्री उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व में खेल और योग के माध्यम से स्वास्थ्य के लक्ष्य प्राप्ति में सहायक हो रही है।

खेल द्वारा विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। मध्य प्रदेश के सभी विद्यालय, महाविद्यालय और विवि में भारतीय परंपरागत खेलों के साथ आधुनिक खेलों को मध्य प्रदेश के समस्त शिक्षण संस्थानों में शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन का दृश्य।

संगोष्ठी के उद्देश्यों को कैसे प्राप्त करें

मुख्य वक्ता अशोक अग्रवाल, क्षेत्र कार्यवाहक मध्य क्षेत्र ने संगोष्ठी के उद्देश्यों को कैसे प्राप्त किया जाए बताया। कहा कि भारत में महिला एवं पुरुषों में हर क्षेत्र में समानता है। अभी कुछ दिनों पूर्व महिला क्रिकेट टीम का विश्व विजेता बनी है। लैंगिक समानता का एक बहुत महत्वपूर्ण उदाहरण है। संचालन राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ आलोक मिश्रा ने किया। आभार डॉ अनिल शर्मा, कुलसचिव बीयू ने माना। कार्यक्रम में जबलपुर विवि से प्रो. विशाल बन्ने, इंदौर विवि से प्रो. राकेश साहनी एवं प्रो. सुधीरा चंदेल, वीयनएस महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजेश त्रिपाठी उपप्राचार्य डॉ वीएस भदौरिया, नई दिल्ली से डॉ. सत्य व्रत त्रिपाठी, द्रोणाचार्य एवार्डी डॉ. संजय भारद्वाज प्रसिद्ध खेल मनोवैज्ञानिक प्रो. के एन त्रिपाठी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विवि अमरकंटक से डॉ. रामजी मिश्रा, प्रयागराज से डॉ. अतुल मिश्रा, योग गुरू डॉ. अमित गौतम सहित 350 प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में पंजीयन कराया। 75 से अधिक विद्वानों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठी आयोजन सचिव डॉ आलोक मिश्रा संचालक शारीरिक शिक्षा बीयू विभागाध्यक्ष द्वारा किया गया।

भोपाल
रविवार, 23 नवंबर 2025
अगहन मास कृष्ण पक्ष -03
वर्ष : 12, अंक : 233
पृष्ठ : 16 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 26
न्यून. 13

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

13 कुलदीप का जादू, दक्षिण अफ्रीका के 6 विकेट...

आजकल
06 प्रदूषण पर लगाम की कारगर...

121 खाली पदों पर एक भी एसटी कैंडिडेट का चयन नहीं, कोर्ट बोला ये गंभीर मामला

हाईकोर्ट का बड़ा आदेश...सिविल जज का नतीजा 'दोबारा' जारी करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष शुक्रवार को सिविल जज भर्ती परीक्षा 2022 की नियुक्तियों में हुई अनियमितताओं, शत-प्रतिशत आरक्षण लागू करने सहित अनारक्षित वर्ग में योग्यता के आधार पर आरक्षित वर्ग के अभ्यार्थियों को शामिल नहीं किए जाने को चुनौती संबंधी याचिका पर सुनवाई हुई।

कोर्ट ने पूर्व में पारित उस अंतरिम आदेश को यथावत रखा, जिसके अंतर्गत सिविल जज भर्ती परीक्षा 2022 की नियुक्तियां विचाराधीन याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन कर दी गई थीं। साथ ही नया निर्देश दिया कि सिविल जज भर्ती परीक्षा के एससी एसटी अभ्यर्थियों पर पुनर्विचार करें। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि परीक्षा प्रभाग न्यूनतम अहर्ता अंक में शिथिलता कर नई सूची बनाए। चूंकि एससी-एसटी वर्ग के अभ्यर्थी अधिक संख्या में सफल नहीं हो रहे हैं, ऐसे में, निःशुल्क कोचिंग की भी व्यवस्था की जाए। वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व पुष्पेंद्र कुमार शाह के अनुसार याचिकाकर्ता एडवोकेट यूनियन फार डेमोक्रेसी एंड सोशल जस्टिस नामक संस्था की तरफ से दायर जनहित याचिका में मध्य प्रदेश ▶▶ शेष पेज 4 पर

परीक्षा प्रभाग न्यूनतम अर्हता अंक में शिथिलता कर नई सूची बनाए

फाइल फोटो

अदालत की खबरें

जजों के साथ हो रही घटनाओं से हाईकोर्ट नाराज

जब जजों को ही सुरक्षा मांगनी पड़ रही है तो आम नागरिकों की स्थिति क्या होगी?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

प्रदेश में जजों पर हो रहे हमलों और अपराधों पर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि जब जजों को ही सुरक्षा मांगनी पड़ रही है, तो आम नागरिकों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने सरकार से इन घटनाओं पर जवाब मांगा है। हालिया मामलों को देखते हुए कोर्ट ने सुझाव दिए और अगली सुनवाई की तारीख 4 दिसंबर रखी है। बता दें मंदसौर में 23 जुलाई 2016 को एक जज पर हमला हुआ था, जिस पर तत्कालीन एक्टिंग चीफ जस्टिस राजेंद्र मेनन ने स्वतः संज्ञान लेकर जनहित याचिका दर्ज की थी। इसके बाद बालाघाट के जज पर हमला, और भोपाल गैस प्राधिकरण के पीठासीन अधिकारी पर एसिड अटैक जैसी घटनाएं सामने आईं। जजों पर हो रहे ये लगातार हमले न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। प्रदेश की निचली अदालतों में पदस्थ जजों पर हो रही घटनाओं पर चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने कहा कि ▶▶ शेष पेज 4 पर

जजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी

फाइल फोटो

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

टोयोटा ने 11.5 हजार अर्बन क्रूजर हाइडर वापस मंगाई

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर अपने मध्यम आकार की एसयूवी अर्बन क्रूजर हाइडर की 11,529 इकाइयों को डैशबोर्ड के एक हिस्से की जांच और बदलने के लिए वापस मंगा रही है। इन इकाइयों को वापस मंगाने का मकसद नौ दिसंबर 2024 से 29 अप्रैल 2025 के बीच बनी 11,529 वाहनों में यदि 'कॉम्बिनेशन मीटर' में खराबी है, तो उसकी जांच करना और बदलना है।

जल्द ही यूरोप में भी चलेगा भारत का यूपीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक और एनपीसीआई इंटरनेशनल ने यूरोपीय सेंट्रल बैंक के साथ मिलकर यूपीआई को यूरोप के इंस्टैंट पेमेंट सिस्टम टिप्स से जोड़ने की पहल की है। इससे भारतीय पर्यटक फ्रांस, जर्मनी, इटली जैसे देशों में यूपीआई से भुगतान कर सकेंगे। यह सुविधा 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है और इससे उद्यमियों को लाभ होगा।

आत्महत्या मामले में भाजपा नेता निष्कासित

देवास। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रोहिणी कलम आत्महत्या मामले में आरोपी बनाए गए भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला महामंत्री प्रीतम सिंह सोलंकी को भारतीय जनता पार्टी ने निष्कासित कर दिया है। सोलंकी जुजुत्सु संघ के उपाध्यक्ष भी हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष रायसेन सेंधव ने इस संबंध में एक पत्र जारी किया। जिसमें संलिप्तता का जिक्र है।

पीएम मोदी ने समावेशी विकास पर दिया जोर

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने रखे 4 अहम प्रस्ताव, दुनिया का ध्यान खींचा

ड्रग-आतंकवाद गठजोड़ को तोड़ने व उसका मुकाबला करने संयुक्त अभियान 'छेड़ा' जाए

पीएम ने बेहद प्रभावशाली संबोधन दिया। 'सॉलिडैरिटी, इक्वालिटी, सस्टेनेबिलिटी' थीम के तहत पीएम मोदी ने भारत की दृष्टि 'वसुधैव कुटुंबकम' को वैश्विक मंच पर रखा, जो 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' के रूप में जाना जाता है। उनका भाषण समावेशी विकास, जलवायु न्याय और ग्लोबल साउथ की आवाज पर केंद्रित रहा, जिसकी व्यापक सराहना हुई

गुटेरस और स्टार्मर के साथ पीएम मोदी

एजेंसी ▶▶ जोहान्सबर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग शुक्रवार को पहुंचे थे, जहां पहली बार अफ्रीकी महाद्वीप पर यह आयोजन हो रहा है। शनिवार को उन्होंने समावेशी विकास, जलवायु लचीलापन, एआई, सतत विकास और वैश्विक शासन सुधार पर भारत का नजरिया पेश किया।

यह सम्मेलन ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक विकास की दिशा बदलने वाले 4 बड़े प्रस्ताव रखे। पीएम मोदी ने अपने 15 मिनट के भाषण ▶▶ शेष पेज 4 पर

▶▶ अब समय है विकास के नए मानक तय करने का, पुराने विकास मॉडल ने संसाधन छीने

▶▶ एआई को मानवीय मूल्यों से जोड़ना होगा ताकि यह असमानता न बढ़ाए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए (मध्य में)

जी-20 में कौन-कौन से देश शामिल हैं?

अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, रूस, तुर्किये, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका देश शामिल हैं। इसके अलावा दो क्षेत्रीय संगठन भी इस समूह में शामिल हैं - यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ।

सम्मेलन 23 नवंबर तक चलेगा, जहां डिक्लेरेशन पर अंतिम मुहर लगेगी

अमेरिकी बहिष्कार के बावजूद मोदी की उपस्थिति ने ग्लोबल साउथ को मजबूती दी

भारत की सभ्यता के मूल्य आगे बढ़ने का रास्ता दिखाते हैं

इनक्लूसिव और सस्टेनेबल ग्रोथ पर पहले सेशन में उन्होंने कहा कि इन पहलों से हर तरफ से ग्रोथ हासिल करने में मदद मिलेगी, और कहा कि भारत के सभ्यता के मूल्य आगे बढ़ने का रास्ता दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल ट्रेडिशनल नॉलेज रिपॉजिटरी पारंपरिक ज्ञान को डॉक्यूमेंट करेगी जो सस्टेनेबल लिविंग के समय के साथ आजमाए गए मॉडल को दिखाती है और यह पक्का करेगी कि इसे ▶▶ शेष पेज 4 पर, ▶▶ पढ़ें पेज 08 भी

ग्लोबल साउथ को जलवायु न्याय मिलना चाहिए

पीएम मोदी ने संबोधन की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के ऐतिहासिक महत्व से की। उन्होंने महात्मा गांधी के सत्याग्रह आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि यह भूमि जहां गांधी जी ने अहिंसा और समानता का संदेश दिया, आज वैश्विक एकजुटता का प्रतीक बनी है। जी-20 का अफ्रीका में होना ग्लोबल साउथ के लिए ▶▶ शेष पेज 4 पर

प्रस्ताव ये भी

1. ग्लोबल ट्रेडिशनल नॉलेज रिपोजिटरी
2. जी-20 अफ्रीका कौशल गुणक
3. ग्लोबल हेल्थकेयर रिस्पॉन्स टीम

ग्लोबल ट्रेडिशनल नॉलेज रिपोजिटरी

प्रधानमंत्री ने ऐसी ज्ञान-परंपराओं की बात उठाई जो सदियों से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में प्रकृति-संतुलन, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता को बनाए रखती हैं। उन्होंने कहा कि भारत के भारतीय ज्ञान प्रणालियां मॉडल के आधार पर एक वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार बननी चाहिए, ताकि टिकाऊ जीवन के इन अनुभवों को संरक्षित कर अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया जा सके।

अफ्रीका स्किल्स मल्टीप्लायर इनिशिएटिव

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अफ्रीका का विकास पूरी दुनिया के हित में है। इसी सोच के साथ उन्होंने जी- 20 अफ्रीका कौशल गुणक का ऐलान किया। यह पहल ट्रेन-द-ट्रेनर्स मॉडल पर आधारित होगी, जिसे सभी जी-20 देश मिलकर फंड और सपोर्ट करेंगे। लक्ष्य है अगले 10 साल में एक मिलियन प्रमाणित ट्रेनर तैयार करना, जो फिर लाखों युवाओं को कौशल दे सकेंगे।

ड्रग-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने की पहल

प्रधानमंत्री ने ड्रग-टेरर नेटवर्क पर भी गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि फेंटानाइल जैसे सिंथेटिक ड्रग पूरी दुनिया में स्वास्थ्य, समाज और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा ▶▶ शेष पेज 4 पर

आरोपी की तलाश में कई टीमें

6 वर्षीय बच्ची से दरिंदगी की घटना पर उबाल, हाईवे जाम

औबेदुल्लागंज। गौहरगंज क्षेत्र में 6 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी की घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। पुलिस ने बताया कि बच्ची शुक्रवार शाम घर के बाहर खेल रही थी तभी 23 साल का आरोपी सलमान पिता शहाबुद्दीन ने बच्ची को अकेला देख उसे चॉकलेट दिलाने का कहकर अपने साथ दूर जंगल में ले जाकर वारदात को अंजाम दिया। बच्ची जंगल में गंभीर हालत में रोती हुई मिली, जिसके बाद उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर बच्ची को भोपाल रेफर किया ▶▶ शेष पेज 4 पर

आरोपी सलमान

- 10 हजार का इनाम घोषित

घर के पीछे पालतू मुर्गियों का झुंड मिला

'बर्ड फ्लू' के दुर्लभ स्ट्रेन से अमेरिका में पहली मौत

नई दिल्ली। अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में 'बर्ड फ्लू' से पहली बार एक व्यक्ति की दुर्लभ प्रकार के स्ट्रेन से मौत होने की आशंका ने खलबली मचा दी है। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग में भी हड़कंप मच गया है और लोगों में दहशत फैलनी शुरू हो गई है। हालांकि अमेरिका राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि इससे लोगों को अधिक खतरा नहीं है। जिस व्यक्ति की मौत हुई है, वह बर्ड फ्लू से ही संक्रमित था और उसका इलाज चल रहा था। ऐसे में बर्ड फ्लू को ही इसकी मौत का प्राथमिक कारण होने ▶▶ शेष पेज 4 पर

- इस स्ट्रेन से संक्रमित होने वाला पहला इंसान

हिंदू संगठन ने थाने का घेराव किया

जय श्री राम नारा बोला तो संचालक ने कर दी पिटाई

जबलपुर। पाटन में स्थित मिस्पा मिशन स्कूल में जय श्रीराम करने पर स्कूल संचालक पर छात्र को पीटने का आरोप लगा है। शनिवार को हुए इस घटनाक्रम के बाद बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के लोग पाटन थाने पहुंचे और स्कूल संचालक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। रोज की तरह छात्र प्रबल सिंह स्कूल गया था, इसी दौरान उसने बाहर खड़े गार्ड से जय श्री राम कहा और स्कूल के अंदर आकर संचालक राजेश खंडारे से गुड मॉर्निंग। आरोप है कि इतना सुनते ही स्कूल संचालक ने छात्र के कान पकड़कर पिटाई ▶▶ शेष पेज 4 पर

- स्कूल प्राचार्य का कहना- जबरन तूल दिया गया

मप्र-महाराष्ट्र पुलिस की दबिश, निर्माण सामग्री और अधबने कट्टे-पिस्टल मिले

हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़,10 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सेंधवा के वरला थाना क्षेत्र के उमर्टी गांव में शनिवार सुबह पुलिस ने अवैध हथियार बनाने वाली बड़ी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। यह कार्रवाई मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की संयुक्त टीम ने सुबह 4 बजे दबिश देकर की।

अभियान में दोनों राज्यों के 250 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुणे पुलिस, मध्य प्रदेश एटीएस, बड़वानी, खरगोन और खंडवा पुलिस की टीमें कार्रवाई में मौजूद थीं। पुलिस को मौके से हथियार निर्माण ▶▶ शेष पेज 4 पर

▶▶ अभियान में दोनों राज्यों के 250 से अधिक पुलिसकर्मी सहित पुणे पुलिस, मध्य प्रदेश एटीएस, बड़वानी, खरगोन और खंडवा पुलिस की टीमें कार्रवाई में शामिल

हथियारों का जखीरा

ये गिरफ्तार

इसमें तीन आरोपी वरला पुलिस ने, 7 आरोपी महाराष्ट्र की पुलिस ने गिरफ्तार किए हैं। इसमें वरला पुलिस की कार्रवाई में सतवंत सिंह, अवतार सिंह, नूरबिन सिंह सभी निवासी उमर्टी हैं। वहीं, महाराष्ट्र पुलिस ने राजपालसिंह,नानक, गुरुचरण सिंह, बच्चन सिंह, जशवीर सिंग, प्रवीण टकराना, आलोक सिंह सभी निवासी उमर्टी थाना ▶▶ शेष पेज 4 पर

पुलिस की 11 टीमें व 200 पुलिसवालों की टीम ने किया खुलासा

पुलिस कांस्टेबल समेत तीन गिरफ्तार

बेंगलुरू में फिल्मी स्टाइल में हुई 7 करोड़ रु. की लूट

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरू

बेंगलुरू पुलिस ने शहर में हाल ही में हुई सात करोड़ रुपए की लूट का खुलासा कर दिया है और एक पुलिस कांस्टेबल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने लूटे गए सात करोड़ में से करीब पांच करोड़ रुपए भी बरामद कर लिए हैं। अब पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर लूट में शामिल अन्य संदिग्धों की तलाश में जुटी है। पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने बताया कि लूट की इस घटना की जांच में 200 पुलिसकर्मी जुटे हैं। बीते बुधवार को दोपहर ▶▶ शेष पेज 4 पर

- लूटे गए 7 करोड़ में से 5.76 करोड़ बरामद

पुलिस ने पत्रकारों को दिखाए जब्त किए गए नोटों के बंडल

पहाड़ी क्षेत्रों में अब पचमढ़ी प्रदेश में सबसे ठंडा जिला रहा, यहां न्यूनतम पारा 6.2 डिग्री दर्ज

नवंबर के अंतिम सप्ताह में बादलों के साथ कुछ स्थानों पर बौछारों की उम्मीद, ग्वालियर, नर्मदापुरम, खजुराहो, रीवा, सतना सहित कई जिलों में घना कोहरा छाया

अब दिन में हवाएं बदल रही हैं... इससे नमी बढ़ रही रात के तापमान में बढ़त, पर भोपाल में ठंडक बरकरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अब रात के तापमान में बढ़त हो रही है। लेकिन, पहाड़ी क्षेत्रों में ठंडक बढ़ रही है। भोपाल में अभी शाम होते ही ठंडी हवाओं के असर से सर्दी बरकरार है। शनिवार को पूर्वी मध्य प्रदेश के अधिकांश जिलों में रात का पारा सामान्य से अधिक पहुंच गया है। यहां औसत रात का पारा 12 डिग्री रहा है। हवा में लगातार ▶▶ शेष पेज 4 पर

बड़ी झील का दृश्य। शाम 4 : 50 बजे

दो दिन में 20 फीसदी तक बढ़ी नमी

शुक्रवार और शनिवार को अधिकांश जिलों की हवा में नमी तेजी से बढ़ी। विशेषकर पूर्वी मप्र में 20 फीसदी तक इजाफा हो गया है। भोपाल में सुबह 8:30 बजे 88 और शाम 5:30 बजे 53 प्रतिशत तक नमी है। यह अगले तीन से चार दिन में और बढ़ेगी। इसके अलावा दतिया, ग्वालियर, खरगोन, रायसेन, शिवपुरी के साथ ही पूर्वी मप्र में सभी जिलों में अब शाम को 60 फीसदी से अधिक नमी है।

पहाड़ी इलाकों में ऐसे बढ़ी सर्दी

शनिवार को छह जिलों में रात का पारा 9 डिग्री से कम रहा। खजुराहो में कोल्ड वेव रही, जबकि भोपाल में तेज सर्दी रही। पहाड़ी क्षेत्रों में अब पचमढ़ी प्रदेश में सबसे ठंडा जिला रहा। यहां न्यूनतम पारा 6.2 डिग्री दर्ज हुआ। राजगढ़ 8.2, मंदसौर और शाजापुर 8.3, खरगौन 8.6 और नौगांव में रात का पारा 8.8 डिग्री रहा है। इससे इन जिलों में तेज सर्दी का असर जारी है।

राज्य स्तरीय कार्यशाला और वाटर शेड महोत्सव का शुभारंभ करेंगे मुख्यमंत्री

पंचायतों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने तीन दिन 24 से 26 नवंबर तक होगा मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र की पंचायतों को आत्मनिर्भर व समृद्ध बनाने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की ओर से तीन दिन तक मंथन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कंन्वेंशन सेंटर भोपाल में होने वाली राज्य स्तरीय कार्यशाला और वाटरशेड महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। तीन दिन तक चलने वाली राज्य स्तरीय कार्यशाला में 2000 से अधिक लोग शामिल होंगे। इसमें जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य कार्यापालन अधिकारी, जिला पचांयत, जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत के सरपंच एवं अन्य राज्य स्तरीय पदाधिकारी शामिल होंगे।

संचालक सह आयुक्त पंचायत राज छोटे सिंह ने बताया कि भोपाल में 24, 25 एवं 26 नवंबर को तीन दिवसीय आत्मनिर्भर पंचायत समृद्ध मप्र पर केन्द्रित कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पंचायतों को आत्मनिर्भर के साथ समृद्ध बनाना है। इसमें त्रि-स्तरीय पंचायत से जुड़े जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। पंचायतों के लिए स्वनिधि से समृद्धि अभियान की अवधारणा, शहरीकरण के साथ सामंजस्य, वाटरशेड परियोजना का क्रियान्वयन एवं शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छ ग्राम, विभिन्न शासकीय योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जनमन योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीएम पोषण एवं पेसा ग्राम सभाओं की वर्तमान स्थिति एवं सफल क्रियान्वयन सहित प्रशासनिक रूप से सक्षम पंचायत, प्रश्न-उत्तर इत्यादि विषयों पर विस्तृत रूप से चर्चा की जाएगी।

खास बातें

- जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी होंगे पुरस्कृत
- कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कंन्वेंशन सेंटर में 24 से 26 नवम्बर तक होगा आयोजन

प्रतीकात्मक चित्र।

सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले जिलों को पुरस्कृत किया जाएगा

जल गंगा संवर्धन अभियान में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले जिलों में खंडवा प्रथम, रायसेन द्वितीय एवं बालाघाट तीसरे नंबर रहा। खेत तालाब निर्माण में श्रेष्ठ कार्य वाले प्रथम जिले को दो श्रेणियों 'ए' और 'बी' में पुरस्कृत किया जाएगा। 'ए' श्रेणी में अनूपपुर जिला एवं 'बी' श्रेणी में बालाघाट जिला शामिल है। इसी तरह से जल गंगा संवर्धन अभियान में खेत तालाब निर्माण में विकासखंड स्तर पर श्रेष्ठ कार्य करने वाली जनपद पंचायतों को 'ए' और 'बी' श्रेणी में पुरस्कृत किया जाएगा। 'ए' श्रेणी में बालाघाट जिले की बिरसा जनपद एवं 'बी' श्रेणी में अनूपपुर जिले की पुष्पराजगढ़ जनपद पंचायत शामिल है।

प्रदेश भर के जनप्रतिनिधि व अधिकारी होंगे शामिल

राज्य स्तरीय कार्यशाला में जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य वाले जिलों के साथ ही जिला एवं जनपद स्तर पर अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। इसमें उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, जगदीश देवड़ा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके, जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री राधा सिंह सहित जनप्रतिनिधि, विषय-विशेषज्ञ व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

इन कर्मचारियों को किया जाएगा सम्मानित

जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मनरेगा परिषद के राज्य स्तरीय अधिकारी-कर्मचारियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इसमें राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन के अतिरिक्त संचालक विवेक दवे, टेक्नीकल एक्सपर्ट शिल्पी अधोलिया के साथ मनरेगा परिषद के सिस्टम एनालिस्ट ओबेस अहमद, अधीक्षण यंत्री सोमन सिंह डाबर, परियोजना अधिकारी आकांक्षा सिंह, सहायक प्रबंधक पियूष प्रताप सिंह, नॉलेज पार्टनर टीम लीड सुमेंद्र पुनिया, जीआईएस मैनेजर राजेंद्र स्वामी, प्रोजेक्ट मैनेज नुपुन नवानी शामिल हैं। साथ ही परियोजना संचालक स्वान अंशुमन राज सहित एमपीएसईडीसी के हेड डॉ. राकेश दुबे, जनरल मैनेजर जीआईएस अशोक पैडी, टेक्नीकल लीड पुलकेश दास, एसोसिएट इंजीनियर सागर तंतुवाय को भी सम्मानित किया जाएगा।

कार्यशाला का उद्देश्य- ठोस रणनीति तैयार करना

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पंचायतों को प्रशासनिक, वित्तीय एवं सामुदायिक स्तर पर मजबूत बनाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने की दिशा में ठोस रणनीति तैयार करना है। इसके तहत स्थानीय शासन की पारदर्शिता व जवाबदेही, मनरेगा, आजीविका मिशन, सामाजिक अंकेक्षण, डिजिटल ट्रैकिंग एवं मॉनिटरिंग, वित्तीय प्रबंधन एवं पंचायत शासन, स्वनिधि से समृद्धि अभियान, वाटरशेड परियोजनाओं का क्रियान्वयन, शुद्ध पेयजल, स्वच्छ ग्राम तथा विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं का प्रभावी संचालन, पेसा ग्राम सभाओं की वर्तमान स्थिति एवं सफल क्रियान्वयन जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा और प्रशिक्षण दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

बूथ स्तर मतदाताओं को जागरुक करें पार्टी कार्यकर्ता: हितानंद

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने शनिवार को शहडोल में एसआईआर को लेकर संभागीय बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान मतदाता सूची को स्वच्छ, शुद्ध एवं विश्वसनीय बनाने का माध्यम है, लेकिन कुछ लोग एसआईआर को लेकर अनावश्यक भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। यह अभियान किसी का नाम हटाने के लिए नहीं है। इसका मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची में केवल वही नाम रहें जो वास्तव में पात्र हैं, तथा कोई भी वास्तविक मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। भाजपा कार्यकर्ता इस संबंध में बूथ स्तर पर पहुंचकर जन-जन को जागरूक करें और असत्य प्रचार करने वालों को तथ्यात्मक जानकारी के साथ जवाब दें। प्रदेश संगठन महामंत्री ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया लोकतंत्र की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने किया बैतूल स्टेशन मार्ग का भूमिपूजन

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को बैतूल में कारगिल चौक से टिकारी गड़ाघाट पुराने एनएच तक 7 करोड़ 89 लाख 35 हजार रुपए की लागत से स्वीकृत 2.70 किलोमीटर बैतूल स्टेशन मार्ग का केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके के साथ भूमिपूजन किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार सहित जनप्रतिनिधि एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश' में बोले मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हैदराबाद भविष्य का अनुमान लगाने में सक्षम, यहां निवेशकों से जोड़ने आए 'डोर'

'इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश' में शामिल हुए सीएम डॉ यादव।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र देश का एक मात्र राज्य है, जहां हीरा निकलता है। तेलंगाना राज्य में मोती निकलते हैं। इस प्रकार से हमारी जोड़ी हीरा-मोती की तरह है। हैदराबाद के लोग मोती की पहचान कर लेते हैं, उनके लिए आदमी पहचानना तो बहुत आसान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद एक ऐसा शहर है, जो भविष्य को भांप कर आगे बढ़ता है। इसका अर्थ यह है कि हैदराबाद आने वाले समय का अनुमान लगाने में सक्षम है। यहां निवेशकों के साथ एक नई डोर जोड़ने के लिए आए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को हैदराबाद में आयोजित 'इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश' सत्र में उद्योगपतियों को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा किभारत दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुका है। देश ने कई मिथकों को तोड़कर अंतरिक्ष सहित सभी क्षेत्रों में विकास की सेटेलाइट की तरह तेज गति हासिल की है। मप्र की सभी इन्वेस्टमेंट पॉलिसियां निवेशकों के हित में बनाई गई है। ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस को हर स्तर पर सुदृढ़ किया जा रहा है।

ग्रीनको ग्रुप के ग्रुप प्रेसिडेंट एवं फाउंडर महेश कोली का अनुभव

ग्रीनको ग्रुप प्रेसिडेंट महेश कोली ने बताया कि ग्रीनको ने पिछले दस वर्षों में मप्र में 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश से 3 हजार मेगावॉट क्षमता वाले नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट स्थापित किए हैं। आने वाले पांच वर्षों में 25 हजार करोड़ रुपये के निवेश की योजना भी तैयार है, जो मप्र के प्रति उनके विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि नीमच में 1,900 मेगावॉट का हाइड्रो स्टोरेज प्रोजेक्ट किसी भी अन्य देश में 8 से 10 वर्ष में पूरा होता, जबकि मप्र में यह 3 वर्षों से भी कम समय में पूरा हुआ है।

मप्र में निवेश प्रक्रिया अत्यंत सहत और तीव्र - मीला

सुधाकर पाइप्स के अध्यक्ष जयदेव मीला ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके लिए मप्र में निवेश प्रक्रिया अत्यंत सहज और तीव्र रही। उनका उद्यम उज्जैन में स्थापित है और जब वे निवेश के लिए संबंधित विकास निगम से संपर्क करने गए तो उन्हें त्वरित और निष्ठावान मदद मिली। केवल कुछ दिन में भूमि का निरीक्षण, औपचारिकताएँ और अग्रिम राशि का निपटान संभव हुआ।

मप्र का प्रशासनिक और तकनीकी दृष्टिकोण बेहद प्रभावी : डॉ. पवुलुरी

अनंत टेक्नोलॉजीज़ के प्रबंध निदेशक डॉ. सुब्बाराव पवुलुरी ने कहा कि मप्र में 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' का अनुभव वास्तव में उल्लेखनीय है। उन्होंने बताया कि वे स्पेस और सैटेलाइट टेक्नोलॉजी के क्षेत्र से जुड़े हैं, जहां बड़े पैमाने पर सरकारी सहयोग, स्पष्ट नीतियाँ और तेज़ फैसले अत्यंत आवश्यक होते हैं। इस दृष्टि से मप्र का प्रशासनिक और तकनीकी दृष्टिकोण बेहद प्रभावी है।

मप्र तेज़ी से बन रहा है भारत का प्रमुख टियर-2 टेक हब- एसीएस दुबे

अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संजय दुबे ने कहा कि मप्र तेज़ी से भारत का प्रमुख टियर-2 टेक हब बन रहा है। इंदौर-भोपाल कम लागत, उच्च जीवन-स्तर, स्वच्छ वातावरण और भरपूर कुशल प्रतिभा का अनोखा मेल प्रस्तुत कर रहे हैं। यहाँ ऑफिस किराया, वेतन, बिजली व रियल एस्टेट की लागत देश में सबसे कम है। हर साल 90 हजार से अधिक उच्च-शिक्षित युवा तैयार हो रहे हैं और 5,211 स्टार्टअप राज्य को नवाचार में अग्रणी बना रहे हैं।

मप्र सबसे विश्वसनीय एवं आदर्श निवेश गंतव्य : प्रमुख सचिव सिंह

प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह ने उद्योगपतियों को मप्र में निवेश की अपार संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मप्र ने पिछले एक वर्ष में 5 देशों में निवेश सत्र एवं सभी संभागों में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर निवेशकों का विश्वास कई गुना बढ़ाया है। मप्र देश का पांचवां सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। यहां पीएम मित्र पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, फुटवियर पार्क, लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित हो रहे है।

ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस को हर स्तर पर सुदृढ़ किया

मप्र की सभी इन्वेस्टमेंट पॉलिसियां निवेशकों के हित में बनाई गई है। ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस को हर स्तर पर सुदृढ़ किया जा रहा है। भूमि आवंटन से लेकर के सभी स्वीकृतियां अब इन्वेस्ट एमपी के नवीन पोर्टल पर सुगम, पारदर्शी और समयबद्ध रूप से उपलब्ध हैं। राज्य सरकार हर निवेशक, हर शोधकर्ता और हर स्टार्ट-अप के साथ 'पार्टनर-इन-प्रोग्रेस' के रूप में खड़ी है। मुख्यमंत्री ने सभी उद्योगपतियों, वैज्ञानिकों और स्टार्ट-अप्स को मप्र की विकास यात्रा के सहभागी बनने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में ग्रीन एनर्जी प्रोडक्शन में अग्रणी ग्रीनको कम्पनी के मुख्यालय का किया भ्रमण

ग्रीन एनर्जी राष्ट्र के विकास का सबसे मजबूत स्तंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को हरित ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही ग्रीनको कंपनी के हैदराबाद स्थित मुख्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कंपनी की अत्याधुनिक तकनीकों, ऊर्जा संरक्षण प्रणालियों और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन से जुड़े विभिन्न प्रोजेक्ट्स का बारीकी से अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रीन एनर्जी आज राष्ट्र के विकास का सबसे मजबूत

सीएम ने किया ग्रीनको कंपनी मुख्यालय का दौरा।

स्तंभ बनती जा रही है। ग्रीन एनर्जी प्रोडक्शन और इसके एक्सप्लोरेशन की दिशा में ग्रीनको समूह का योगदान अनुकरणीय और सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कंपनी के अधिकारियों के साथ हुई सौजन्य बैठक में देश में ग्रीन एंड रिन्युएबल एनर्जी सेक्टर में हो रही ऐतिहासिक प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत आज हरित ऊर्जा उत्पादन में वैश्विक स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। मप्र इस मामले में अग्रणी राज्य बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि मप्र में हरित ऊर्जा उत्पादन में निवेश की असीम संभावनाएं उपलब्ध हैं। इस दिशा में हमारी सरकार भी बड़े से बड़े कदम उठा रही है।

मीडिया से चर्चा के दौरान बोलीं उमा

सबसे बड़ा चैलेंज अपने ही देश का भ्रष्टाचार खत्म करना

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हमारे लिए सबसे बड़ा चैलेंज अपने ही देश का भ्रष्टाचार खत्म करना है। जहां आरक्षण है उसके अलावा भी महत्वपूर्ण पदों पर वंचित वर्ग को रख सकते हैं। इसके लिए सभी राजनीतिक दलों को एक होना चाहिए। शराब बंदी बहुत जरूरी है, इसे धीरे-धीरे खत्म किया जा सकता है। इसको लेकर समाज धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है।

यह बात श्यामला हिल्स स्थित निवास पर मीडिया से चर्चा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कही। उन्होने लव जिहाद को लेकर कहा कि अगर लड़का धर्म छुपा कर लड़की से मिलता है और शादी के बाद कहता है कि मैं मुसलमान हूं धर्म बदल लो तो यह लव जिहाद है। इस दौरान उमा भारती ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि कभी जनेऊ दिखाने का अभिनय करते हैं। अगर गाय का मुद्दा बढ़ गया तो गोबर का तिलक लगाकर और जेब में गौमूत्र रखकर चलने लगेंगे।

अब समय है कि हिंदू समाज एक साथ होकर खड़ा हो

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा है कि संत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने जिस तरह हिंदू राष्ट्र की अवधारणा की बात कही है, वह स्वागत योग्य है। बुंदेलखंड ऐसी ही महान विभूतियों की धरती रही है। भारत मूल रूप से हिंदू राष्ट्र है और इस सत्य को सभी को स्वीकार करना होगा। हिंदू इसलिए सेक्युलर है क्योंकि हिंदू संस्कृति की जड़ में सहिष्णुता और विविधता में एकता है। उन्होंने कहा कि भारत हिंदू स्टेट नहीं राष्ट्र है। हिंदू समाज में जातिगत भेद समाप्त होना चाहिए।

बीएलओ पर मतदाता सूची से नाम काटने का आरोप

पीसीसी चीफ ने कहा- घुसपैठिए हैं तो सरकार की असफलता, समय बढ़ाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि एमपी में एसआईआर प्रक्रिया के लिए बेहद कम समय दिया गया है, जिससे बीएलओ पर भारी दबाव बढ़ गया है। उनका आरोप है कि भाजपा नेताओं की ओर से बीएलओ पर मतदाता सूची से नाम काटने का दबाव बनाया जा रहा है। इसी तनाव के कारण कई बीएलओ की मौतें और हार्ट अटैक के मामले सामने आ रहे हैं। पटवारी ने प्रदेश में पेशाब कांड जैसी घटनाओं पर भी कानून-व्यवस्था

जीतू पटवारी (फाइल फोटो)

की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए।

पटवारी ने कहा कि बीएलओ पर जबरन मतदाता सूची से नाम हटाने को कहा जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि बीएलओ खुद भी इस स्थिति से परेशान हैं क्योंकि उन्हें डर है कि अगर पात्र लोगों के नाम काटे गए तो भविष्य में उन्हीं पर कार्रवाई होगी।

एसआईआर प्रक्रिया के समय को बढ़ाने की मांग

उन्होंने कहा कि एसआईआर के लिए चुनाव आयोग ने बहुत कम समय दिया है, जबकि यह बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। कांग्रेस ने आयोग को लिखित में समय बढ़ाने की मांग की है। पटवारी ने सभी कांग्रेस नेताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में एसआईआर प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह खुद भी अलग-अलग इलाकों में जाकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

एसएएस से आईपीएस के लिए डीपीसी की बैठक आयोजित

अफसरों के बीच 15 नामों पर बनी सहमति जल्द होगा अफसरों को कैडर अलॉट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

- 12 सितंबर को पहले भी हो चुकी थी डीपीसी

राज्य पुलिस सेवा के पांच अधिकारियों को आइपीएस बनाने के लिए शुक्रवार को दिल्ली में दोबारा डीपीसी हुई। इसमें 1997-98 बैच के 15 अफसरों के नाम पर विचार किया गया। वरिष्ठता क्रम से बात करें तो राज्य पुलिस के सेवा के दो अधिकारी सीताराम और अमृत मीणा का नाम सबसे ऊपर था। लेकिन दोनों पर विभागीय जांच चलने के कारण पेच फंसा हुआ है।

सूत्रों के अनुसार, इन दोनों में सीताराम को छोड़कर अमृत मीणा को प्रोविजनल आइपीएस बनाया गया है। इसका मतलब है कि उन्हें दो माह बाद होने वाली अगली डीपीसी तक मामले से निवृत्त होना होगा या प्रमोशन खुद निरस्त माना जाएगा। बता दें, इससे पहले 12 सितंबर को एक बार पहले भी डीपीसी हो चुकी थी। इसके नोटिफिकेशन का कई दिनों तक पैनल में शामिल अधिकारी इंतजार करते रहे। लेकिन बाद में निरस्त कर 21 नवंबर को दोबारा डीपीसी की गई।

इन अफसरों के नाम सूची में शामिल

डीपीसी में राज्य सेवा 1997-98 बैच के अमृत मीणा, विक्रांत मुराब, सुरेंद्र कुमार जैन, आशीष खरे, राजेश रघुवंशी के नाम आइपीएस अवॉर्ड की सूची में हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। डीपीसी में एमपी मुख्य सचिव अनुराग जैन, एसीएस होम शिव शेखर शुक्ला और डीजीपी कैलाश मकवाना शामिल हुए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बैतूल में सरदार@150 मार्च में शामिल होकर किया संबोधित

सरदार पटेल प्रधानमंत्री होते तो देश अमेरिका, चीन से आगे होता: खंडेलवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को बैतूल में सरदार/150 मार्च में शामिल होकर जनपद आठनेर के ग्राम मांडवी के गणेश कॉलेज से 8 किलोमीटर एकता पदयात्रा के माध्यम से आठनेर के पुलिस ग्राउंड पहुंचे। खण्डेलवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल का मानना था कि भारत की ताकत उसकी विविधता में है और यह विविधता तभी सार्थक है जब हम सब एक धागे में बंधे रहें। खण्डेलवाल ने कहा कि यदि सरदार पटेल को भारत का

सरदार/150 में सभा को संबोधित करते खंडेलवाल।

प्रथम प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिलता तो भारत विश्व मंच पर अमेरिका और चीन से भी कहीं आगे होता। गुजरात से ही दूध क्रांति की नींव सरदार पटेल ने ही रखी थी। युवा पीढ़ी लौह पुरुष के जीवन-मूल्यों, राष्ट्रनिष्ठ आदर्शों और कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत के उनके स्वप्न को साकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता जन-सहयोग से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत निर्माण के संकल्प की सिद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं। "सरदार पटेल अमर रहें", "भारत माता की जय", "वंदे मातरम" जैसे जोशीले नारों के साथ स्कूली विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक मार्च में भाग लिया।

भारत आज तेज गति से आगे बढ़ रहा

खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज तेज गति से आगे बढ़ रहा है। रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं, बुनियादी ढांचा मजबूत हो रहा है और हर चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास सरकार की प्राथमिकता है। केन्द्र और प्रदेश सरकार प्रदेश में उद्योग स्थापना को बढ़ावा दे रही है, जिससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध हो सके।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 23 नवंबर 2025

09 मंत्री कृष्णा ने फीता काटकर किया बाबा बर्फानी.....

10 'रंग संगीत' में मंगलकारी पंचरत्न गणपति.....

झीलों के किनारे लगी लाइटें और जालियां भी टूटीं

तीन सीढ़ी तालाबों के सौंदर्यीकरण पर 12 साल में 25 करोड़ खर्च, फिर भी नहीं बने आकर्षण का केंद्र, 1 करोड़ के कलर चेंजिंग फाउंटेन भी बंद

आए दिन जलकुंभी से किनारे पट जाते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पुराने शहर के ऐतिहासिक महत्व के तालाबों के सौंदर्यीकरण पर बीते 12 साल में 25 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए गए, लेकिन यह लोगों के आकर्षण का केंद्र नहीं बन पाए। आए दिन जलकुंभी से किनारे पट जाते हैं, हालांकि यहां मशीनों से सफाई नियमित होती है, लेकिन तालाब किनारे लगाई गई सुरक्षा जालियां जगह-जगह से टूट गई हैं, लाइटें आए दिन बंद रहती हैं।

एक करोड़ रुपए की लागत से लगाए गए कलर चेंजिंग फाउंटेन बंद पड़े हैं। नवाब शाहजहां बेगम ने इन तालाबों का निर्माण करवाया था।

मोतिया तालाब में फाउंटन बंद पड़े हैं।

बाग मुंशी हुसैन खां तालाब में बंद फाउंटेन।

नियमित देखरेख नहीं की

पांच साल पहले तालाबों की दशा सुधारने के लिए नगर निगम ने मोतिया तालाब मे मिल रहे सीवेज की रोकथाम की और रंग-रोगन भी करवाया, लेकिन नियमित देखरेख नहीं की। मोतिया तालाब में लगी नक्काशीदार जालियां टूट रही हैं। लैंप भी अक्सर बंद रहते हैं। जब इनके सौंदर्यीकरण का प्लान बनने के बाद बजट मंजूर होता है और काम शुरू होते हैं तब इन तालाबों का सौंदर्यीकरण देखते ही बनता है, उसके बाद इनकी ओर ध्यान नहीं दिया जाता। जबकि तत्कालीन महापौर आलोक शर्मा ने मोतिया तालाब को गोद लेने की घोषणा की थी और तालाब का सौंदर्यीकरण करवाया था।

कमियों को दूर किया जाएगा: आयुक्त संस्कृति

इस संबंध में निगम आयुक्त संस्कृति जैन का कहना है कि झील संरक्षण प्रकोष्ठ से तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए चल रही योजनाओं और उन पर पूर्व में किस योजना के तहत खर्च की गई राशि की जानकारी मांगी है। शहर को सुंदर बनाना हमारी प्राथमिकता है। जो कमियां हैं, उन्हें दूर करवाया जाएगा।

तालाबों के लिए न सुरक्षा दीवार न साफ-सफाई

नवाब सिद्दीक हसन और बाग मुंशी हुसैन खां तालाब भी बदहाल हैं। यहां न तो सुरक्षा दीवार है न सफाई के इंतजाम। किनारे गंदगी से पटे रहते हैं। कई बार तो दुर्गंध तक फैली रहती है। दोनों तालाबों के बीच रोड है। एक तरफ सुरक्षा जालियां हैं, जिनका इन दिनों निर्माण चल रहा है, लेकिन दूसरे तालाब का किनारा खुला हुआ है। भेल क्षेत्र के पिपलानी स्थित सारंगपाणि झील को भी प्रोजेक्ट में शामिल तो किया, लेकिन इसके हालात नहीं सुधरे। इसमें सीवेज सीधे मिल रहा है। आए दिन तालाब जलकुंभी और गंदगी से पट जाता है। इस तालाब के सौंदर्यीकरण और मेंटेनेंस की जिम्मेदारी भेल प्रबंधन की है।

शहर के किस तालाब पर कितनी राशि हुई खर्च

- मोतिया तालाबः 9 करोड़ 20 लाख रुपए
- सिद्दीक हसन तालाबः 8 करोड़ 33 लाख रुपए
- मुंशी हुसैन खां तालाबः 5 करोड़ 53 लाख रुपए

शहर के इन तालाबों के लिए 216 रुपए करोड़ से ज्यादा का बना था प्रोजेक्ट

- बडे तालाब के लिए 19 करोड़ 16 लाख रुपए
- छोटे तालाब के लिए 1 करोड़ 62 लाख रुपए
- शाहपुरा तालाब के 45 करोड़ 97 लाख रुपए
- सारंगपाणि तालाब के लिए 5 करोड़ 93 लाख रुपए

मौसमी बीमारियों की वजह से दवाइयां खाकर करना पड़ रहा काम

एसआईआर ने बिगाड़ी बीएलओ की सेहत हार्ट अटैक, ब्रेन हेमरेज और बीपी हुआ हाई

टारगेट के दबाव में बीमार पड़ रहे बीएलओ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जिले में बैरसिया, नरेला, उत्तर, मध्य, दक्षिण पश्चिम, गोविंदपुरा और हुजूर विधानसभा के 2029 बीएलओ की एसआईआर ने सेहत बिगाड़ दी है। शुक्रवार को टीटी नगर क्षेत्र की बीएलओ कीर्ति कौशल को हार्ठ अटैक आ गया। घटना के समय वह गणना पत्रक के कलेक्शन का काम रही थीं। इधर, मध्य विस के एक बीएलओ को ब्रेन हेमरेज की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, मध्य क्षेत्र में ही एक बीएलओ का बाइक चलाने के दौरान सिर फूट गया, जिससे उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बीएलओ पर दवाब के हालात यह हैं कि नरेला, मध्य और गोविंदपुरा क्षेत्र के अधिकतर बीएलओ हाई बीपी को कंट्रोल करने के लिए दवाइयां साथ लेकर चल रहे हैं। इधर जिला निर्वाचन के अफसरों ने साफ कर दिया है कि चाहे 24 घंटे काम करना पड़े तो भी करो, लेकिन गणना पत्रकों के डिजिटाइज करने का काम निपटाओ।

खास बातें

- मध्य विस के एक बीएलओ को ब्रेन हेमरेज की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया
- एक बीएलओ दुर्घटना में हुआ घायल

सोनागिरी में काम करते बीएलओ।

सात बीएलओ ने किया टारगेट पूरा, मिलेगी ट्रॉफी व प्रशंसा प्रमाण-पत्र

शुक्रवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के दिए गए टारगेट को पूरा करने वाले एसडीएम, तहसीलदार और बीएलओ को प्रशंसा प्रमाण-पत्र और ट्रॉफी देने का ऐलान किया था। जिसके तहत 22 नवंबर को सुबह दस बजे के आधार पर 2029 बीएलओ में से सात बीएलओ को चुना गया है। जिसमें बैरसिया के लाल सिंह जाटव, उत्तर नरेश तिवारी, नरेला अमर सिंह सोलंकी, दक्षिण-पश्चिम कमल राठौर, मध्य एसएस पटेल, गोविंदपुरा शीतल स्नेही और सुरेश वर्मा ने टारगेट पूरा कर लिया है। इन लोगों को प्रशंसा-पत्र के साथ ट्रॉफी दी जाएगी।

टारगेट से पिछड़ने वाले तीन सुपरवाइजर और तीन बीएलओ को नोटिस

काम नहीं करने पर नरेला विस क्षेत्र के तीन सुपरवाइजर और तीन बीएलओ को नोटिस जारी किए गए हैं। उपजिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने बताया कि बीएलओ सुरवाइजर गोविंद ढाक्स्या, राधेश्याम साहनी और संजीव जौहरी को टारगेट पूरा नहीं करने पर नोटिस दिए गए हैं। इसी तरह नरेला के बूथ नंबर 12 की बीएलओ रंजना शर्मा, बूथ नंबर-220 अजय तांवड़े और बूथ नंबर 240 के अर्जुन पटेल को नोटिस देकर दो दिन में जवाब तलब किया गया है।

230 विस की टॉप टेन फिसड्डी में फंसे गोविंदपुरा, मध्य और नरेला

चार नवंबर से शुरु हुए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में 21 लाख 25 हजार 908 मतदाताओं को गणना पत्रक बांटने ओर भरवाकर उन्हें वापस लेने और डिजिटाइज कराने के काम की हायतौबा मची हुई है। इस काम को 19 दिन गुजर गए हैं। ऐसे में अफसर इस बात को लेकर परेशान हैं कि चार दिसंबर तक अब 14 दिन शेष हैं। ऐसे में काम का प्रतिशत 70 तक पहुंचना भी मुश्किल नजर आ रहा है। ऐसे में एसडीएम स्तर पर बीएलओ पर दबाव बढ़ा दिया गया है। प्रत्येक बीएलओ को रोजाना सौ फार्म डिजिटाइज करने को कहा जा रहा है। बावजूद इसके काम की रफ्तार अब तक धीमी बनी हुई है। हालात यह हैं कि प्रदेश की 230 विस में टॉप टेप फिसड्डी में भोपाल जिले की गोविंदपुरा, मध्य और नरेला अब तक फंसे हुए हैं। काम की रफ्तार को देखते हुए कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को रोजाना दो-दो घंटे तहसील दफ्तरों में बैठना पड़ रहा है।

बच्चे को साथ लेकर काम करती बीएलओ।

बुजुर्ग महिला बीएलओ से गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी

गौतम नगर पुलिस ने बुजुर्ग महिला बीएलओ की शिकायत पर एक आरोपी के खिलाफ गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देने सहित शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का प्रकरण दर्ज किया है। बीएलओ का आरोप है कि संजय नगर स्थित शासकीय स्कूल में वह बैठकर वोटर आईडी अपडेट करने का काम कर रही थी। इसी दौरान साबिर नामक व्यक्ति पहुंचा और अपना नाम जोड़ने का कहना लगा। उसे नियम बताते हुए दस्तावेज मांगे गए तो वह भड़क गया और गालीगलौज करने लगा। वह मारपीट करने के लिए उतारू हो गया।

पुलिस के अनुसार शिक्षिका सोसावा खान (60) बीएलओ हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि शनिवार दोपहर वह वोटर लिस्ट से संबंधित कामकाज कर रही थी। इसी बीच एक व्यक्ति पहुंचा और अपना नाम साबिर खाने बताने के बाद वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने की जानकारी मांगने लगा। भीड़भाड़ के बीच बीएलओ सोसावा ने उन्हें कहा कि आपका नाम अपडेट हो जाएगा, लेकिन एक दिन का समय लगेगा। इस पर वह भड़क गया और गालीगलौज करने लगा।

एसआईआर ने अटकाया तहसील दफ्तरों में काम, तारीख पर तारीख

चार नवंबर से एसआईआर शुरु होने के साथ ही नायब तहसीलदार, तहसीलदार और एसडीएम ने तहसील दफ्तरों में काम करना बंद कर दिया है। यही वजह है कि तहसील कोर्ट में चल रही पेशियों में तारीख पर तारीख दी जा रही है। जिले की सातो तहसीलों में 95 हजार 769 केस दर्ज किए गए थे, जिनमें से 69 हजार 660 केस निपटाए गए हैं। हालांकि तहसील कोर्ट में पेशी के मामलों को आगे बढ़ाया जा रहा है। एसआईआर शुरु होने के साथ ही एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी और बीएलओ को गणना पत्रक बांटने के काम में लगा दिया गया था। काम की रफ्तार धीमी होने से सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार को फील्ड में उतरना पड़ा। ऐसे में पेशियों की तारीखें बढ़ाई जा रही हैं।

गुंडे-बदमाशों पर नजर रखें, जनता में बढ़ाएं सुरक्षा-विश्वास

पुलिस कमिश्नर मिश्र ने ली अधिकारियों, थाना प्रभारियों की बैठक, पेट्रोलिंग करने पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते पुलिस कमिश्नर मिश्र।

राजधानी में शांति और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने शनिवार दोपहर सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों की समीक्षा बैठक ली। जिसमें एडिशनल कमिश्नर अवधेश गोस्वामी, एडिशनल कमिश्नर मोनिका शुक्ला एवं समस्त डीसीपी, एडिशनल डीसीपी, एसीपी तथा समस्त थाना प्रभारी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

थाना प्रभारियों को अपने मोबाइल बंद नहीं रखने के लिए भी कहा

बैठक में पुलिस कमिश्नर ने चारों जोन के थानावार अपराधों का ग्राफ, पेंडिंग अपराध, महिला संबंधी अपराध, सीएम हेल्पलाइन शिकायत, स्थाई, गिरफ्तारी वारंटी तामीली, निगरानी, गुंडा फाइल, आबकारी एक्ट, जुआ एक्ट तथा प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की समीक्षा की। साथ ही सीएम हेल्पलाइन शिकायत का उत्कृष्ट निवारण के लिए थाना खजूरी सड़क, मंगलवारा, बैरागढ़, अशोका गार्डन के थाना प्रभारियों की सराहना की।

कमिश्नर ने निर्देश दिय कि शहर में अपराधों पर नियंत्रण तथा आमजन की सुरक्षा के मद्देनजर सभी थाना प्रभारी शाम को गणना के बाद क्षेत्र में नियमित रूप से पैदल पेट्रोलिंग करें। विजिबिलिटी बढ़ाए। असामाजिक तत्वों पर नजर रखें, ताकि गुंडे बदमाशों में डर बना रहे तथा आमजन में विश्वास बना रहे। सभी थाना प्रभारी अपने मोबाइल बंद न रखें और सभी बीट में सार्वजनिक स्थलों के एसीपी का शासकीय नंबर, थाना प्रभारी का नंबर, बीट प्रभारी का नंबर तथा थाना का अनिवार्य रुप से लिखवाएं। क्षेत्र के सभी स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नशे के विरुद्ध निरंतर जागरूकता अभियान चलाएं, साथ ही ऑपरेशन मुस्कान के तहत विभिन्न स्कूल तथा बस्तियों की महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद कर उन्हें जागरूक करें तथा पुलिस के इमर्जेंसी नंबर साझा करें '

चिन्हित जगहों पर दिखने वाले संदिग्धों से पूछताछ करने के निर्देश

पुलिस कमिश्नर मिश्र ने निर्देश दिए कि आगामी एक हफ्ते तक विशेष अभियान चलाकर तेज आवाज करने वाली तथा मॉडिफाइड साइलेंसर बाइक चलाने वालों के खिलाफ मोटर वीकल एक्ट के तहत सख्त कोर्ट की कार्रवाई करें, साथ ही मोडिफाइड करने वालों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें। बाइक चोरी की घटनाओं रोकने के लिए जिन क्षेत्रों में वाहन चोरी, नकबजनी की घटनाएं ज्यादा हो रही है, उन्हें चिन्हित कर पैदल पेट्रोलिंग, चेकिंग बढ़ाए। संदिग्धों से पूछताछ करें। हिस्ट्रीशीटर, गुंडे बदमाशों को प्रति सप्ताह थाना बुलाकर पूछताछ करें। आदतन अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोले। ज्यादा अपराध वाले आरोपियों का जिला बदर पेश करें। माईनर एक्ट, आबकारी एक्ट की कार्यवाही करे, गिरफ्तारी वारंटी तथा फरार, इनामी आरोपियों की धरपकड़ कर पेंडिंग अपराधों का निराकरण करें, साथ ही महिला संबंधी अपराधों में आरोपी की त्वरित गिरफ्तारी कर वैधानिक कार्रवाई करें।

निजी स्कूल के शिक्षकों से 15 करोड़ रिकवरी की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

स्कूल शिक्षा विभाग ने निवाड़ी के प्राइवेट स्कूल के 56 टीचरों से 15 करोड़ रुपए की रिकवरी के लिए पत्र जारी किया है। जानकारी के अनुसार, मामला निवाड़ी में नेगुवां स्थित शास्त्री हायर सेकेंडरी स्कूल है। यहां पढ़ाने वाले टीचरों को पिछले 23 साल से स्कूल शिक्षा विभाग सैलरी दे रहा था। इन्हें सरकारी टीचरों की तरह ही एरियर और वेतनमान का फायदा मिला। मामले में शिकायत के बाद जांच हुई थी। इस मामले की जांच करने वाले संयुक्त संचालक मृत्युंजय कुमार ने कहा कि उन्होंने केवल इसी स्कूल की जांच की है और रिपोर्ट लोकायुक्त को सौंप दी है। आगे की कार्रवाई विभाग और लोकायुक्त को करना है।

मेट्रो प्रशासन की टेंशन दूर करेंगी निगम की पार्किंग

मेट्रो संचालन की तैयारियों के बीच एमपी नगर में ननि पार्किंग व्यवस्थाएं सुधारेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मेट्रो प्रशासन इन दिनों प्रायोरिटी कॉरिडोर पर आठ स्टेशनों पर पार्किंग के लिए प्लान कर रहा है तो वहीं निगम प्रशासन ने अपनी एमपी नगर में प्लेन पार्किंग को व्यवस्थित करने की कार्य योजना तैयार कर ली है, ताकि मेट्रो से यात्रा करने वाले लोगों को पार्किंग की सुविधा मिल सके।

- पार्किंग के लिए कार्य योजना बना ली गई

इससे मेट्रो प्रशासन की टेंशन काफी हद तक दूर हो जाएगी। हालांकि मेट्रो के दो स्टेशनों के लिए पार्किंग की जगह मिल गई है। राजधानी में नगर निगम की 42 प्लेन पार्किंग और 5 मल्टीलेवल पार्किंग संचालित हो रही हैं। एमपी नगर जोन-2 में एक प्लेन पार्किंग बंद है, जबकि बोर्ड ऑफिस चौराहे और एमपी नगर मेट्रो स्टेशन के पास पार्किंग का संचालन हो रहा है, लेकिन यहां अव्यवस्थाएं हैं। चैक पोस्ट और बूम बैरियर टूटे हैं। सुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं। जबकि यहां पूर्व में पार्किंग का जब निर्माण हुआ तो सभी सुविधाएं मुहैया थीं, लेकिन बाद में यह बदहाली से घिर गईं और एक पार्किंग तो बंद हो गई। निगम प्रशासन का तर्क है कि जल्द ही एमपी नगर की प्लेन पार्किंग को पहले की तरह सर्वसुविधायुक्त बनाया जाएगा, ताकि मेट्रो का संचालन हो तो यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो। इसके लिए कार्य योजना बना ली गई है। जल्द ही व्यवस्थाओं को बेहतर करने का काम शुरू होगा। यहां निगरानी के लिए कैमरे भी लगाए जाएंगे।

सात दल सीहोर, कटनी, अशोकनगर, बड़वानी, मऊगंज, उज्जैन, दमोह पहुंचे

35 निर्माण कार्यों का रेंडम आधार पर चयन कर परीक्षण किया, औचक निरीक्षण में गड़बड़ी मिलने पर दो ठेकेदारों को किया ब्लैक लिस्टेड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधार की दिशा में तय कार्य योजना के तहत दो दिन पहले लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंताओं के सात दलों ने सीहोर, कटनी, अशोकनगर, बड़वानी, मऊगंज, उज्जैन एवं दमोह जिलों में औचक निरीक्षण किया।

इन निरीक्षणों में कुल 35 निर्माण कार्यों का रेंडम आधार पर चयन कर परीक्षण किया गया। इसमें 21 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क, पुल), 6 कार्य पीआईयू (भवन), 6 कार्य मप्र सड़क विकास निगम, 1 कार्य मप्र भवन विकास निगम और एक कार्य लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग भोपाल को शामिल किया गया।

कटनी जिले में दो ठेकेदारों मे. सुबीर कुमार एवं अमित सिंह को किया गया ब्लैक लिस्ट, कईयों को कारण बताओ नोटिस

गुना में गुणवत्ताहीन सड़क को खुदवाकर इसे वापस बनाने के निर्देश दिए गए

तीन करोड़ से बन रही गुणवत्ताहीन सड़क को खोदा

गुना जिले के ब्लाक बमोरी में करीब 3 करोड़ रुपए की लागत से बन रही 4.8 किमी सड़क के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने ईएनसी विजय गुप्ता पहुंचे। गुणवत्ताहीन काम देखकर उन्होंने 4 किमी की सड़क को खुदवा दिया। ईएनसी ने कहा कि निर्माण में काफी गड़बड़ी हुई है। ठेकेदार को फिर से सड़क बनाने कहा है। जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी।

निर्देशों का कढ़ाई से पालन करें: यादव

निरीक्षण प्रतिवेदनों की समीक्षा बैठक मप्र सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की गई। बैठक में निर्देशों का कड़ाई से पालने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रमुख अभियंता केपीएस राणा, प्रमुख अभियंता (भवन) एसआर बघेल, तकनीकी सलाहकार आरके मेहरा, बीपी बौरासी सहित विभाग के सभी मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

ब्लैक लिस्ट करने और कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

समीक्षा के दौरान कटनी जिले के दो सड़क निर्माण कार्यों भिलाई मोड़ से कटायेघाट झुरही तक मार्ग एवं कौड़िया बंधी धूरी खिरहनी पिपरिया मार्ग की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर संबंधित ठेकेदारों में सुबीर कुमार एवं अमित सिंह को काली सूची में शामिल करने के निर्देश दिए गए। अशोकनगर जिले के शासकीय महाविद्यालय पिपरई के भवन निर्माण कार्य में अत्यधिक धीमी प्रगति पर कार्यपालन यंत्री एवं ठेकेदार मे. सिद्धार्थ बिल्डर्स को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त 13 कार्यों में आंशिक सुधार के लिए निर्देशित किया गया।

जैकेट का शेष....

माल ढुलाई में...

आंकड़ों के मुताबिक, इस समय रेलवे प्रतिदिन लगभग 4.4 मिलियन टन माल ढो रहा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। विशेषज्ञ मानते हैं कि बढ़ती लोडिंग न केवल रेलवे की परिचालन क्षमता को दर्शाती है, बल्कि अर्थव्यवस्था में जारी मजबूती का भी संकेत देती है। माल ढुलाई में सबसे बड़ा योगदान कोयले का रहा है। इस वर्ष कोयले की लोडिंग 505 मिलियन टन तक पहुंच गई, जो कुल फ्रेट का करीब आधा है।

36,600 करोड़ ...

की बहुआयामी संभावनाओं को बताने और निवेश के लिए आमंत्रित करने का माध्यम बने हैं। मुख्यमंत्री के इस बयान पर उद्योगपतियों और निवेशकों ने उनका समर्थन करते हुए करतल ध्वनि से स्वागत किया।

राउंड टेबल बैठक के ....

कृषि एवं उत्पादन के लिए तैयार मंच है। नीमच में भारत सरकार की नेशनल बायोटेक्नोलॉजी पार्क्स स्कीम के तहत प्रदेश का पहला बायोटेक पार्क भी शीघ्र स्थापित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राउंडटेबल केवल संवाद का मंच नहीं बल्कि इंटर-स्टेट कोलैबोरेशन का भी अवसर है। हमारा प्रयास है कि हम फार्मा, बायो- मैन्युफैक्चरिंग, अनुसंधान, और स्किल अपग्रेडेशन के क्षेत्र में काम करें।

श्याम टेलर युवा ...

और प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष की जिम्मेदारी अश्विनी परांजपे को सौंपी है। इससे पहले वे मोर्चा की प्रदेश महामंत्री,मोर्चा की जबलपुर जिलाध्यक्ष एवं अभाविप की राष्ट्रीय मंत्री रहीं हैं। टेलर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में प्रदेश सह मंत्री रह चुके हैं। जब डॉ. नीतेश शर्मा अभाविप के अध्यक्ष थे, तब टेलर उन्हीं की टीम में थे। वे युवा मोर्चा के शाजापुर जिला अध्यक्ष का दायित्व भी संभाल चुके हैं।

जितेंद्र लिटोरिया प्रदेश....

बनाया गया है। वे प्रदेश कार्यालय के साथ जिलों के कार्यालयों की व्यवस्था का प्रबंधन भी देखेंगे। लिटोरिया छोटी उम्र से ही अभाविप में महाकौशल प्रांत के विभिन्न जिलों में जिला संगठन मंत्री और विभाग संगठन मंत्री के रूप में काम किया। इसके बाद भाजपा में पूर्णकालिक के रूप में रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम, उज्जैन संभाग के संगठन मंत्री रहे। उनकी पिछली जिम्मेदारी खादी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में थी।

कल भारत के ....

जज और उनके परिजन उपस्थित रहेंगे। जस्टिस सूर्यकांत को नए सीजेआई के तौर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाएंगी।

जस्टिस सूर्यकांत...

प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस थे। जस्टिस सूर्यकांत 1981 में हिसार के गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज से ग्रेजुएट हुए। 1984 में उन्होंने रोहतक के महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी से लॉ की डिग्री ली। इसके तुरंत बाद ही उन्होंने हिसार जिला अदालत से ही लॉ की प्रैक्टिस शुरू कर दी।

ये जज व....

कुमार सिन्हा की पत्नी। भूटान से जस्टिस ल्योन्पो नोरबू शेरिंग, भूटान के चीफ जस्टिस ल्हादेन लोटे,जस्टिस शेरिंग की पत्नी। केन्या से जस्टिस मार्था कूमे, चीफ जस्टिस और केन्या सुप्रीम कोर्ट की प्रेसिडेंट, जस्टिस सुसान न्जोकी न्दुंगु, जज, सुप्रीम कोर्ट, केन्या, मलेशिया से जस्टिस तन श्री दातुक नलिनी पथ्मनाथन, जज, फेडरल कोर्ट मलेशिया, पशुपति शिवप्रगासम, जस्टिस नलिनी के पति। मॉरिशस से जस्टिस बीबी रेहाना मुंगली गुलबुल,मॉरिशस की चीफ जस्टिस, रेबेका हन्ना बीबी गुलबुल, मॉरिशस की चीफ जस्टिस की बेटी। श्रीलंका से जस्टिस पी पद्मन सुरसेना, श्रीलंका के चीफ जस्टिस, सेपालिका सुरसेना, श्रीलंका के चीफ जस्टिस की पत्नी, जस्टिस एस थुरैराजा, जज, सुप्रीम कोर्ट, श्रीलंका, शशिकला थुरैराजा, जस्टिस थुरैराजा की पत्नी, जस्टिस अहमद नवाज, जज, सुप्रीम कोर्ट, श्रीलंका, रिजान धलिप नवाज, जस्टिस नवाज की पत्नी।

पेज 1 का शेष....

हाईकोर्ट का बड़ा ...

उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा सिविल जज की भर्ती परीक्षा 2022 मे भर्ती नियम 1994 में किए गए संशोधन को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि 199 पद विज्ञापित किए गए थे, जिनमें से अनारक्षित वर्ग के कुल 48 पद में 17 बैकलाग, अनुसूचित जाति के कुल 18 पद में 11 बैकलाग, अनुसूचित जनजाति के 121 पद में 109 बैकलाग व ओबीसी के कुल 10 पद में एक बैकलाग के निकाले गए थे। इस तरह कुल 199 पद में 138 बैकलाग, जिसमे छह पद दिव्यांगों के शामिल हैं, निकाले गए थे।

जब जजों को ...

जजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। जब वे खुद सुरक्षा की मांग करने को मजबूर हैं, तो प्रदेश में आम जनता की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है। कोर्ट ने हालिया घटनाओं पर सरकार से जवाब तलब किया और अगली सुनवाई 4 दिसंबर को तय की।

ड्रग-आतंकवाद गठजोड़ ....

में कहा कि कई दशकों से जी-20 दुनिया की अर्थव्यवस्था को आकार देता रहा है, लेकिन वर्तमान विकास मॉडल ने बड़े समुदायों को संसाधनों से वंचित किया है। उन्होंने साफ कहा कि इन मॉडलों ने प्रकृति का अंधाधुंध दोहन बढ़ाया है और सबसे अधिक असर अफ्रीका और ग्लोबल साउथ पर पड़ा है। पीएम मोदी ने अफ्रीका और ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को जी-20 की मुख्यधारा में लाने की जरूरत दोहराई और कहा कि भारत एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की सोच को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए अब सही समय है कि हम अपने विकास के पैमानों को फिर से देखें और ऐसा विकास मॉडल अपनाएं जो सबको साथ ले और लंबे समय तक टिक सके। भारत के प्राचीन मूल्यों, खासकर समग्र मानववाद का सिद्धांत, दुनिया को आगे बढ़ने का बेहतर रास्ता दिखाता है।

अगली अध्यक्षता अमेरिका के पास: सम्मेलन के अंत में जी-20 की घुमंतू अध्यक्षता दक्षिण अफ्रीका से अमेरिका को मिल जाएगी। ट्रंप प्रशासन पहले ही जलवायु परिवर्तन और वैश्विक असमानता के मुद्दों को दरकिनार कर चुका है, जिससे अगले वर्ष समूह की दिशा में तेज बदलाव की आशंका है। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका केवल दूतावास के एक अधिकारी को अध्यक्षता हस्तांतरण समारोह में भेजेगा, जिसे दक्षिण अफ्रीका ने अपमानजनक बताया।

भारत की सभ्यता ...

आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाए। इस मामले में भारत का इतिहास बहुत अच्छा रहा है। इससे हमें अपनी मिली-जुली समझ को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी ताकि अच्छी हेल्थ और वेलबीइंग हो सके। अफ्रीका का विकास ग्लोबल तरक्की के लिए बहुत ज़रूरी है और भारत हमेशा इस कॉन्टिनेंट के साथ एकजुटता में खड़ा रहा है।

ग्लोबल साउथ को ...

ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्यता दिलाने का श्रेय दिया और कहा-यह फैसला विकासशील देशों की साझा विरासत को मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे यूपीआई और आयुष्मान भारत मॉडल दुनिया के लिए उदाहरण हैं, लेकिन विकासशील देशों को सस्ती पूंजी और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की जरूरत है। दूसरा मुद्दा जलवायु लचीलापन पर रहा। पीएम ने कहा कि जलवायु परिवर्तन कोई विकसित-विकासशील का मुद्दा नहीं, बल्कि मानवता का संकट है। उन्होंने कहा कि भारत ने 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य रखा है, लेकिन ग्लोबल साउथ को जलवायु न्याय मिलना चाहिए। हम लॉस एंड डैमेज फंड को मजबूत करेंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और बहुपक्षीय सुधार रहा। जिस पर उन्होंने कहा कि एआई को मानवीय मूल्यों से जोड़ना होगा, ताकि यह असमानता न बढ़ाए। संयुक्त राष्ट्र और अन्य संस्थाओं में सुधार जरूरी हैं, ताकि ग्लोबल गवर्नेंस सभी का प्रतिनिधित्व करे। "पीएम मोदी ने वैश्विक चुनौतियों पर भारत का नजरिया साझा किया।

ड्रग-आतंकवाद ....

खतरा बन चुके हैं। इसलिए जी-20 को एक संयुक्त अभियान-ड्रग-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने पर पहल शुरू करनी चाहिए। यह तस्करी, अवैध वित्तीय नेटवर्क और आतंकी फंडिंग को रोकने में मदद करेगा।

6 वर्षीय बच्ची से दरिंदगी...

गया, लेकिन परिजनों के अनुसार अस्पताल में देर रात एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें उसे निजी वाहन से ले जाना पड़ा। अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया और बीएमओ सहित जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की। घटना के विरोध में अगली सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने नेशनल हाईवे पर धरना दिया। लगभग चार घंटे तक हाईवे जाम रहा, जिससे लंबी वाहन कतारें लग गईं। आरोपी पर 10 हजार का इनाम घोषित किया गया है।

'बर्ड फ्लू' के दुर्लभ...

की आशंका है। हालांकि अभी तक स्वास्थ्य विभाग ने इसे बर्ड फ्लू से होने वाली मौत डिक्लेयर नहीं किया है। वॉशिंगटन के स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि मरने वाला व्यक्ति एक बुजुर्ग था, जिसे पहले से स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं थीं और एच5एन5 (बर्ड फ्लू) वायरस से संक्रमित होने के कारण उसका इलाज चल रहा था। स्वास्थ्य अधिकारियों ने अपने बयान में कहा है कि ऐसा लगता है कि मृतक बुजुर्ग बर्ड फ्लू वायरस के इस स्ट्रेन से संक्रमित होने वाला पहला इंसान था। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि सिएटल से लगभग 125 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में ग्रेज हार्बर काउंटी के रहने वाले इस व्यक्ति के घर के पीछे पालतू मुर्गियों का झुंड रहता था, जो जंगली पक्षियों के संपर्क में आ गया था।

जय श्री राम नारा...

कर दी। इस पूरे मामले की जानकारी बजरंग दल के कार्यकर्ता को लगी तो उन्होंने पाटन थाने का घेराव कर दिया और दोषी पर कार्रवाई की मांग की। मिस्पा मिशन स्कूल के प्राचार्य का कहना है कि पूरे मामले को जबरन तूल दिया जा रहा है। बच्चे को केवल समझाइश दी गई थी। शिकायत पर पाटन पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

हथियार बनाने वाली फैक्ट्री...

में उपयोग होने वाली सामग्री, मशीनें, औजार और उपकरण बरामद हुए। कई अधबने कट्टे और पिस्टल भी मिले हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जब्त सामग्री से लगभग 500 से अधिक अवैध हथियार तैयार किए जा सकते थे। यह फैक्ट्री जंगल और पहाड़ी क्षेत्र की आड़ में लंबे समय से संचालित हो रही थी। बड़वानी एसपी जगदीश डावर ने बताया कि पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद टीम ने कई दिनों तक क्षेत्र में गुप्त निगरानी की। पुख्ता इनपुट मिलने के बाद शनिवार सुबह संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया। उन्होंने इसे अवैध हथियार तस्करों पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताया। बरामद हथियारों और उपकरणों की जांच फोरेंसिक टीम करेगी। साथ ही यह भी पता लगाया जाएगा कि हथियार किन जिलों और राज्यों में सप्लाई किए जा रहे थे।

ये आरोपी...

वरला को गिरफ्तार किया है।

हथियार का सूत्र महाराष्ट्र से मिला: - एसडीओपी अजय वाघमारे ने बताया कि महाराष्ट्र की पुणे पुलिस ने हाल ही में कुछ आरोपियों को अवैध हथियारों के साथ पकड़ा था। पूछताछ में पता चला कि ये हथियार उमर्टी गांव से खरीदे गए थे। इसी इनपुट के आधार पर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश पुलिस ने संयुक्त रूप से यह बड़ी कार्रवाई की। सात आरोपियों को गिरफ्तार कर महाराष्ट्र पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है, जबकि वरला पुलिस की कार्रवाई अभी भी जारी है।

बेंगलुरू में फिल्मी...

करीब साढ़े 12 बजे सीएमएस इंफो सिस्टम्स की कैश वैन एचडीएफसी बैंक (जेपी नगर) से तीन कैश बॉक्स लेकर 22 किमी दूर एचबीआर लेआउट जा रही थी। अचानक जयनगर के अशोक पिलर के पास एक मारुति जेन कार ने वैन को रोक दिया। इसके साथ ही पीछे से एक इनोवा (एमयूवी) भी आकर रुकी। जेन कार में से तीन लोग उतरे और वैन के कर्मचारियों से बोले- हम आरबीआई अधिकारी हैं, आपकी कंपनी पर नियम तोड़ने का आरोप है, बयान लेना है। शातिरों ने डेयरी सर्किल इलाके में वैन से कैश बॉक्स निकालकर अपनी कार में डाला और चारों कर्मचारियों को वहीं छोड़कर फरार हो गए। अपराधियों को ट्रैक करने के लिए सभी दक्षिणी राज्यों और गोवा में छह टीमें भेजी गईं।

अब दिन में हवाएं...

नमी बढने से कुछ जिलों में सुबह घना कोहरा रहा। विजिबिलिटी सुबह 8:30 बजे तक 500 मीटर से भी कम रही। इनमें प्रमुख रूप से ग्वालियर, नर्मदापुरम, खजुराहो, रीवा, सतना सहित कई जिले शामिल हैं। मौसम केंद्र के अनुसार रविवार को विशेष बदलाव की उम्मीद नहीं है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अब दिन में हवाएं बदल रही हैं, इससे नमी बढ़ रही है। रात के तापमान में भी बढ़त जारी है। यह क्रम अभी जारी रहेगा। नवंबर के अंत में मौसम में बदलाव की उम्मीद है। इससे कुछ जिलों में बादल-बौछारें भी पड़ सकती हैं।

हिड़मा के करीबी सहित 37 नक्सलियों ने किया सरेंडर, 1.40 करोड़ के ईनामी

छत्तीसगढ़ के बाद तेलंगाना में नक्सल संगठन को बड़ा झटका

कुख्यात नक्सली कमांडर माडवी हिड़मा के मारे जाने के बाद नक्सल संगठन को लगातार बड़े झटके लग रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों की सख्त रणनीति और तेजी से चल रहे एंटी नक्सल ऑपरेशनों के बीच जहां एक ओर कई मुठभेड़ हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर संगठन के भीतर आत्मसमर्पण की लहर तेज हो गई है। इस बीच, शनिवार को तेलंगाना में 37 सक्रिय नक्सलियों ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/कोंटा

शनिवार को 3 राज्य समिति मेंबर समेत 37 हार्डकोर नक्सलियों ने तेलगांना स्टेट के डीजीपी शिवधर के समक्ष हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो गए। समर्पण करने वाले नक्सलियों में 3 राज्य समिति मेंबर, 3 डिवीजनल कमेटी सदस्य, 9 एरिया कमेटी मेंबर और 22 पार्टी मेंबर शामिल हैं। इन सभी पर कुल 1,40,05,000 रुपए का इनाम घोषित था। समर्पण करने वालों में हाल ही मे आध्रंप्रदेश में ढेर माड़वी हिड़मा का करीबी एर्रा भी शामिल है। तेलंगाना में माओवादी संगठन को तगड़ा झटका लगा है जहां पहली बार बड़ी संख्या में शीर्ष नेतृत्व से जुड़े माओवादियों ने एक साथ हथियार डाले हैं। तेलंगाना डीजीपी शिवधर रेड्डी के सामने कुल 37 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया जिनमें 3 स्टेट कमेटी सदस्य शामिल हैं। सरेंडर करने वालों में कोय्यादा सम्बैया उर्फ आजाद, अप्पासी नारायण उर्फ रमेश और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य व माड़वी हिड़मा का करीबी मूचाकी सोमडा उर्फ एर्रा भी शामिल हैं, एर्रा को लंबे समय से हिड़मा के सबसे भरोसेमंद साथियों में गिना जाता था। सरेंडर करने वालों में 3 स्टेट कमेटी सदस्य, 3 डिवीजनल कमेटी सदस्य, 9 एरिया कमेटी मेंबर और 22 पार्टी मेंबर शामिल हैं। इन सभी पर कुल 1,40,05,000 रुपए का इनाम घोषित था। समर्पित नक्सलियों ने अपने साथ अत्याधुनिक हथियार भी पुलिस को सौंपा है। इन हथियारों में एक एके 47 रायफल, दो एसएलआर, चार 303 रायफल व अन्य हथियार शामिल हैं।

- आत्मसमर्पण करने वालों में 60 लाख के ईनामी तेलगांना व छगा के तीन स्टेट कमेटी मेंबर भी शामिल
- तेलंगाना डीजीपी शिवधर के समक्ष 37 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

एक बड़ा कदम-आईजी

तेलगांना में करोड़ों के ईनामी शीर्ष नक्सल कैडर के समर्पण पर प्रतिक्रिया देते हुए बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने कहा कि सरकार ने विभिन्न मंचों पर लगातार यह स्पष्ट किया है कि जो भी कैडर हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में वापस लौटने का निर्णय लेते हैं। उन्हें पूर्ण सुरक्षा और अपने जीवन को नई आशा और विश्वास के साथ पुनर्निर्मित करने के अवसर और सहयोग प्रदान किए जाएंगे। यह विकास शांति और बेहतर भविष्य की एक सच्ची इच्छा को दर्शाता है। यह न केवल क्षेत्र में स्थिरता को मजबूत करेगा बल्कि माओवादी संगठन में फंसे अन्य लोगों को भी विकास, सम्मान और वैधानिक नागरिक जीवन की राह अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार, बस्तर पुलिस और स्थानीय प्रशासन की ओर से हम हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने वाले प्रत्येक कैडर के सुरक्षित और सुगम सामाजिक पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं।

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644, 9977912473

हरिभूमि भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो.9977912473

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग गारंटेड इलाज
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

M : 9009231973, 9424467620
HÄFELE Sleek Godrej Hettich
NSK NEW SUPER KITCHENS
Customised & Affordable
• इटालियन किचन • जर्मन किचन • स्टेनलेस स्टील किचन
• बेड सोफा • पी.ओ.पी. सिलिंग • यू.पी.वी.सी. फर्निचर
• रिनोवेशन वर्क • वाटर प्रूफिंग • घर और ऑफिस के लिये फर्निचर
Plot number 157 Fortune Building,MP Nagar, Zone 1, Near Havells Gallery, Bhopal

राशिफल

मेष – मन अशान्त रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों के साथ वाद-विवाद से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष – मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि होगी।

मिथुन – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। नौकरी में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क – मन अशान्त रहेगा। मन में निराशा एवं असन्तोष भी हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा, परन्तु कुछ कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह – आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित रहें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है।

कन्या – नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है। आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। सहयोग मिलेगा।

तुला – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु मन अशान्त हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है।

वृश्चिक – मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के क्रोध से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। खर्चों में वृद्धि होगी।

धनु – व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। विदेशी कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

मकर – आत्म संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च बढ़ेंगे।

कुंभ – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेगा। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। पिता का साथ मिल सकता है।

मीन – अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

शब्द पहेली - 6056

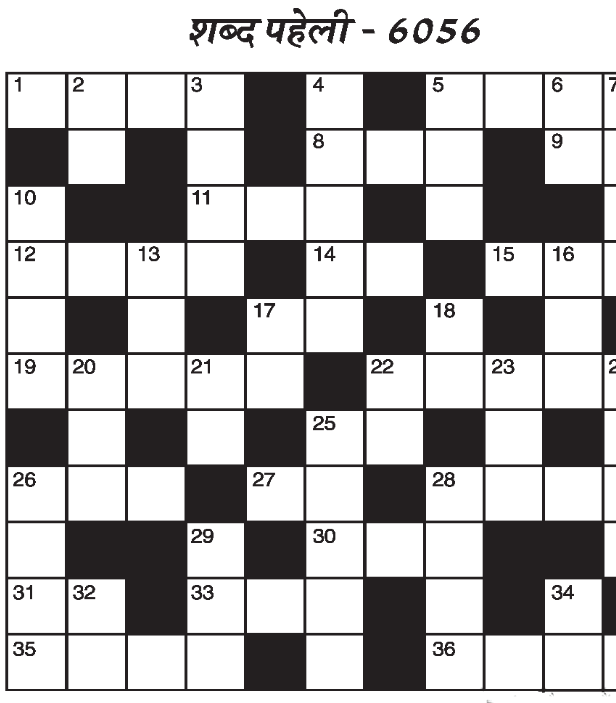

बाएँ से दाएँ
1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे
2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली- 6055 का हल

■	त	था	क	थि	त	■	क	या	म	त
ना	प	■	ह	■	र	का	बी	■	त	र
मु	■	त	वा	य	फ	■	ला	वा	■	खा
ना	पा	क	■	■	दा	नी	■	दा	म	न
सि	■	दी	■	प	र	■	सा	■	हि	■
ब	ह	र	हा	ल	■	नि	रा	ला	प	न
■	र	■	नि	■	आ	शा	■	ज	■	ज
अ	म	र	■	अ	तं	■	■	वा	न	र
मा	■	मा	न	■	क	र	त	ब	■	बं
न	या	■	ज	ल	वा	■	ना	■	क	द
त	क	दी	र	■	द	शा	व	ता	र	■

सूडोकु नवताल - 6066

★★★✰✩ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6065 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

बच्चे के जन्म से शुरू करें निवेश, 18 साल होने पर तैयार होगा 50 लाख का फंड

पढ़ाई से लेकर शादी तक, सबका खर्च बढ़ रहा है खर्च, क्या आप अपने बच्चे के भविष्य निर्माण के लिए तैयार हैं? यह सवाल इसलिए क्योंकि घर में बच्चे सबको प्रिय होते हैं। लेकिन बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए बच्चे का आर्थिक भविष्य संवारने का काम सभी नहीं करते।

आमतौर पर देखा जाता है कि माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई या शादी जैसे लंबे लक्ष्यों के लिए उनके नाम पर ही एक अलग फंड बनाना पसंद करते हैं। यह फंड अक्सर जन्मदिन या खास मौकों पर मिली छोटी-छोटी रकम से शुरू होता है और फिर माता-पिता समय-समय पर इसमें नियमित रूप से पैसा जोड़ते रहते हैं। विशेषज्ञ भी इसे अच्छा तरीका मानते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं म्यूचुअल फंड में चिल्ड्रेन फंड के बारे में।

- **बच्चे की पढ़ाई और शादी की चिंता रहेगी दूर**
- **भविष्य में अच्छे बिजनेस करने के लिए भी मिलेगा पैसा**

निवेश का भरोसेमंद तरीका

चिल्ड्रन म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में उदाहरण के लिए हम आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड को देखते हैं। यह एक ऐसी योजना है जिसका लंबा और भरोसेमंद रिकॉर्ड रहा है। इसने समय के साथ अच्छे रिटर्न दिए हैं। यह एक ओपन-एंडेड निवेश योजना है जो बच्चों के लिए बनाई गई है। इसमें कम से कम पांच साल का लॉक-इन होता है, या फिर जब बच्चा बालिग हो जाए, जैसा भी पहले हो। यह फंड इक्विटी और डेट दोनों प्रकार की संपत्तियों में निवेश करता है और जरूरत पड़ने पर बेंचमार्क से बाहर के विषयों में भी अवसर के अनुसार निवेश करने का फ्रीडम रखता है।

उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता

इस योजना की खासियत इसका बदलते हालात के मुताबिक ढलने वाला निवेश तरीका है। यह किसी एक तय निवेश फॉर्मूले पर अडिग नहीं रहती, बल्कि बाजार की स्थिति के अनुसार कभी बचाव की मुद्रा में तो कभी आक्रामक रुख अपनाती है। इससे फंड मैनेजर को समय-समय पर आर्थिक माहौल के हिसाब से उलट दिशा में भी कदम उठाने का अवसर मिलता है, जिससे पोर्टफोलियो में एक लचीलापन और जीवंतता बनी रहती है।

बाजार के हिसाब से होता है काम

जब बाजार में स्थिरता की जरूरत हो, तो यह फंड अपनी हिस्सेदारी का करीब 35% तक डेट में ले जा सकता है। और जब माहौल अनुकूल हो, तो उसी तेजी से फिर इक्विटी में लौट भी सकता है। इससे एक तरफ बढ़त के अवसरों का लाभ मिलता है और दूसरी तरफ अनिश्चित समय में उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता है। कुल मिलाकर, यह चिल्ड्रन फंड उन अभिभावकों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभरता है जो अपने बच्चों की निवेश योजना में लचीलापन, सक्रिय फैसले और लंबी अवधि की सोच इन तीनों का संतुलित मेल चाहते हैं।

क्या है रिटर्न

अगर कोई व्यक्ति 31 अगस्त 2001 को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड में 10 लाख रुपये निवेश किया होता तो 31 अक्टूबर 2025 तक यह राशि बढ़कर लगभग 3.3 करोड़ रुपये हो जाती। यह 15.58% की उल्लेखनीय वार्षिक कंपाउंडेड वृद्धि है। इसकी तुलना में, बेंचमार्क में ऐसा ही निवेश करीब 2.12 करोड़ का होता। यानी सीएजीआर 13.46 पर्सेंट का रिटर्न मिला है। इस फंड के एसआईपी रिटर्न भी कमाल के रहे हैं। अगर शुरुआत से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की जाती, तो कुल 29 लाख का निवेश 31 अक्तूबर, 2025 तक 2.2 करोड़ रुपये का हो जाता। अगर पिछले 15 साल से निवेश किया जा रहा है तो 18 लाख का योगदान बढ़कर 55.4 लाख रुपये तक पहुंच जाता। इसका मतलब 13.76 फीसदी सीएजीआर की दर से रिटर्न मिला। इसी अवधि में इसके बेंचमार्क का रिटर्न केवल 11.88 फीसदी है। पिछले एक, तीन और पांच साल में भी फंड ने लगातार अपने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है।

जल्दी निवेश करना क्यों है जरूरी

मान लीजिए कि किसी अभिभावक को अपने बच्चे के 18 साल का होने तक 50 लाख रुपये का कोर्पस तैयार करना है। अगर पहले माता-पिता (ए) ने बच्चे के जन्म के समय ही निवेश शुरू किया, तो 18 साल की अवधि में 12% की मान्य वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 6,598 रुपये निवेश करने होंगे। कुल मिलाकर 14.25 लाख रुपये का योगदान करना पड़ेगा। अगर दूसरे माता-पिता (बी) ने बच्चे के छह साल का होने पर निवेश शुरू किया, तो 12 साल की अवधि में उन्हें हर महीने 15671 रुपये लगाने होंगे। कुल योगदान 22.56 लाख रुपये का हो जाएगा। अगर तीसरे माता-पिता (सी) ने निवेश तब शुरू किया जब बच्चा 12 साल का हुआ, तो 12% की वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 47,751 रुपये लगाने होंगे और कुल योगदान 34.38 लाख रुपये तक पहुंच जाएगा। यानी लक्ष्य एक ही हो लेकिन देरी करने वालों को कहीं ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। माता-पिता बी को ए की तुलना में 12.3 लाख और सी को 20.13 लाख रुपये अधिक निवेश करने पड़ेंगे। यही है निवेश में देरी की वास्तविक लागत। अंत में, बात फिर वहीं आती है। निवेश जितना जल्दी शुरू होगा, लंबे समय वाले इक्विटी निवेश की शक्ति उतनी ही प्रभावी होगी। माता-पिता चाहें तो बहुत सधी हुई रफ्तार से बच्चे के सपनों जैसा उज्ज्वल भविष्य गढ़ सकते हैं।

गोल्ड लीजिंग, जिसके जरिए आजकल लोग कर रहे कमाई क्या हैं फायदे और नुकसान

आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं. अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं. साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।

हर व्यक्ति चाहता है, कि उसके पास ज्यादा पैसा हो और उसे पैसों की कभी कमी न हो। इसके लिए लोग कमाई करने के साथ साथ अपने पैसों को निवेश करते हैं। इसके अलावा आजकल लोग अपनी तिजोरी में रखें हुए सोने से भी कमाई कर रहे हैं। जी हां, हम बात कर रहे हैं गोल्ड लीजिंग की। आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं। अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।

गोल्ड लीजिंग क्या होता है ?

गोल्ड लीजिंग को आसान शब्दों में समझें तो गोल्ड लीजिंग में आप अपने सोने को किराए पर देते हैं और कमाई कर लेते हैं। आजकल कई डिजिटल प्लेटफॉर्म लोगों को गोल्ड लीजिंग की सुविधा ऑफर कर रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म के जरिए लोग अपने गोल्ड को किराए पर दे सकते हैं और कमाई कर सकते हैं। गोल्ड लीजिंग में आप एक निश्चित समय के लिए अपने गोल्ड को लीज या किराए पर देते हैं। इसके बदले में आपको 2 से 7 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है। अब खास बात यह है कि गोल्ड लीजिंग में मिलने वाला रिटर्न आपको गोल्ड के रूप में भी मिल सकता है और यह कैश में भी हो सकता है। वहीं अगर सोने का भाव बढ़ता है, तो आपका रिटर्न भी बढ़ता है।

गोल्ड लीजिंग के फायदे-नुकसान

गोल्ड लीजिंग में अगर सोने की कीमतें बढ़ती हैं तो आपको ही फायदा होगा लेकिन सोने की कीमत गिरने पर आपका रिटर्म कम हो सकता है। गोल्ड लीजिंग के जरिए आप अपने तिजोरी में रखे सोने के जरिए काफी अच्छी कमाई कर सकते हैं लेकिन गोल्ड लीजिंग एक नया ट्रेंड है। ऐसे में इसके लिए अभी नियम पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। वहीं कई मामलों में निवेशक के साथ फ्रॉड भी हो सकता है। इसके अलावा अगर आप गोल्ड लीजिंग की अवधि के बीच में अपना सोना वापस चाहते हैं, तो सोना वापस लेना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

व्यक्तिगत वित्तः क्या हमारी योजना सही दिशा में है?

प्रो. कीर्ति सक्सेना

भारत को पारंपररक रूप से बचत करने वाले लोगों का देश माना जाता है। हमारे यहां लोग वर्तमान का आनंद लेने की बजाय भविष्य की अनिश्चितताओं के लिए बचत को प्राथमिकता देते हैं। भारतीय पररवारों की अर्धकांश संपत्ति कम रिटर्न देने वाले साधनों—जैसे बचत खातों, फिक्स्ड डिपॉजिट या सोने में फंसी रहती है। इसका परिणाम यह होता है कि सेवानिवृत्ति या स्वास्थ्य बीमा जैसी आवश्यक जरूरतों के लिए पर्याप्त बचत नहीं हो पाती। हमारे निर्णय कई बार व्यवहारिक पूर्वाग्रहों से प्रभावित होते हैं, जो हमें गलत वित्तीय फैसले लेने के लिए प्रेरित करते हैं। लोग परंपरागत चीजों को प्राथमिकता देते हैं, भले ही वे कम लाभदायक हों। नतीजतन, उनका निवेश स्थिर रहता है और महंगाई के साथ नहीं बढ़ पाता।

हानि से डरः 100 के नुकसान का कष्ट, 100 के लाभ की खुशी से कहीं अधिक गहरा होता है। इस कारण निवेशक शेयर बाजार से बचते हैं या मंदी के समय घबराकर अपने निवेश बेच देते हैं, जिससे वे दीघिकार्लक लाभ के अवसर खो देते हैं। इन पूर्वाग्रहों पर काबू पाने के लिए अपनी प्रवृत्तियों को पहचानें और स्वीकार करें। बचत को स्वचालित करें। एसआईपी या ऑटो-ट्रांसफर सेट करें ताकि वेतन मिलते ही खर्च से पहले निवेश जाए। पेशेवर दृष्टिकोण से वस्तुनिष्ठ निर्णय लेने में मदद मिलती है। हर साल वित्तीय समीक्षा करें। देखें कि आपका पोर्टफोलियो आपके लक्ष्यों के अनुरूप है या नहीं। आज जब यूपीआई भुगतान और निवेश विकल्प पहले से कहीं आसान हो गए हैं, तब आत्म-संयम और आत्म- जागरूकता ही हमारी सबसे मूल्यवान वित्तीय क्षमताएं हैं।

(लेखक भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर में प्राध्यापक हैं)

क्या स्वास्थ्य बीमा में मोतियाबिंद की सर्जरी कवर की जाती है?

भास्कर नेरुरकर

अपनी आंखों की रोशनी की सुरक्षा करना बहुत ज़रूरी है, खासतौर पर बढ़ती आयु, जीवनशैली से जुड़े कारकों या डायबिटीज़ जैसी स्थितियों से, जिनकी वजह से मोतियाबिंद या आंखों के लेंस में धुंधलेपन की समस्या हो सकती है। मोतियाबिंद की सर्जरी में आंखों के धुंधले लेंस को बदलकर कृत्रिम लेंस डाला जाता है। इसमें 40,000 से 1,20,000 तक का खर्च होता है जो कि प्रक्रिया, स्थान और इस्तेमाल किए जाने वाले लेंस पर निर्भर करता है। अधिकांश भारतीय हेल्थ इंश्योरेंस प्लान जैसे इंडिविजुअल, फैमिली, सीनियर सिटीज़न और आरोग्य संजीवनी मोतियाबिंद सर्जरी को कवर करते हैं। इनकी कवरेज में आमतौर पर, ऑपरेशन से पहले किए जाने वाले टेस्ट, सर्जरी, हॉस्पिटल शुल्क और ऑपरेशन के बाद की देखभाल शामिल होते हैं, हालांकि इनके लिए सब-लिमिट और प्रतीक्षा अवधि लागू हो सकती है।

नेटवर्क हॉस्पिटल्स में कैशलेस ट्रीटमेंट

अधिकांश हेल्थ इंश्योरेंस प्रोवाइडर के कई हॉस्पिटल्स के साथ टाई-अप होते हैं। अगर आप नेटवर्क हॉस्पिटल में इलाज कराने का विकल्प चुनते हैं, तो आप कैशलेस ट्रीटमेंट का लाभ उठा सकते हैं। यह अग्रिम भुगतान के लिए फंड जुटाने की आवश्यकता को खत्म करता है और पूरी प्रोसेस को आसान बना देता है।

प्री और पोस्ट-ऑपरेटिव कवरेज

मोतियाबिंद का इलाज केवल सर्जरी तक सीमित नहीं है। इसमें प्री-ऑपरेटिव टेस्ट, ऑप्थेल्मोलॉजिस्ट के साथ परामर्श पोस्ट-ऑपरेटिव दवाएं और फॉलो-अप, जिससे आपको बिना किसी अतिरिक्त खर्च के संपूर्ण देखभाल प्राप्त होती है।

(लेखक हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम, बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के हेड हैं)

ज्वॉइंट फैमिली खत्म, अब बुढ़ापे में कौन देगा सहारा? मिडिल क्लास की सबसे बड़ी टेंशन पर अलर्ट

योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन नहीं हो पाता जमा जिससे भविष्य हो जाता है अनिश्चित

भारत में रिटायरमेंट का संकट गहरा रहा है, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाएं अब पर्याप्त नहीं हैं। बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी के कारण 70% से अधिक वरिष्ठ नागरिक परिवार पर निर्भर हैं। योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन जमा नहीं हो पाता, जिससे भविष्य अनिश्चित हो जाता है।

नई दिल्लीः भारत में रिटायरमेंट का संकट अब आने वाला नहीं है, बल्कि यह पहले से ही मौजूद है। ज्यादातर भारतीय परिवार इसके लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं। वेल्थ एडवाइजर नितिन पुष्करन ने इसे लेकर लिंक्डइन पर एक पोस्ट में चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, बच्चों का सहारा, पेंशन या प्रॉपर्टी जैसी पुरानी व्यवस्थाएं अब रिटायरमेंट को सुरक्षित करने के लिए काफी नहीं हैं। पुष्करन ने लिखा, 'हम संयुक्त परिवार वाली व्यवस्था से निकलकर एकल आय वाली अर्थव्यवस्था में आ गए हैं।' उन्होंने बताया कि बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी ने मिलकर देश में एक बड़ा आर्थिक संकट पैदा कर दिया है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, 60 साल से ज्यादा उम्र के 70% से अधिक भारतीय पूरी तरह से अपने परिवार पर निर्भर हैं। वहीं, 10% से भी कम लोग ईपीएफ, एनपीएस या सुपरएन्युएशन जैसी किसी भी रिटायरमेंट स्कीम में नियमित रूप से पैसा जमा करते हैं।

क्या फेल होती है रिटायरमेंट प्लानिंग?

पुष्करन ने इस बात पर जोर दिया कि रिटायरमेंट में असफलता का कारण आय की कमी नहीं, बल्कि योजना बनाने में देरी है। उन्होंने एक उदाहरण दिया कि अगर कोई 35 साल का व्यक्ति आज से 10,000 रुपये हर महीने एसआईपी में लगाना शुरू करे तो 60 साल की उम्र तक उसके पास 1 करोड़ रुपये से ज्यादा जमा हो जाएंगे।

संकट बढ़ाने वाले कई और कारण

इस संकट को बढ़ाने वाले कुछ और कारण भी हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला खर्च 11-14% तक है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा में से एक है। साथ ही, लोगों की औसत उम्र भी 70 साल से ज्यादा हो गई है। पुष्करन ने यह भी बताया कि नौकरी के बीच में ईपीएफ से पैसे निकालना भी एक बड़ी वजह है, जिससे कई नौकरीपेशा लोगों का रिटायरमेंट के लिए जमा होने वाला एकमात्र जरिया खत्म हो जाता है। भारत लौटने वाले एनआरआई (अनिवासी भारतीय) भी अक्सर रिटायरमेंट के बाद के खर्चों का सही अंदाजा नहीं लगा पाते। उनकी सलाह सीधी और स्पष्ट है, 'रिटायरमेंट के लिए पहली प्राथमिकता से योजना बनाएं, बची हुई रकम से नहीं। आपकी भविष्य की जीवनशैली आपके बच्चों या ईएमआई पर निर्भर नहीं होनी चाहिए।'

अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट

स्मार्ट होता भारत अब यूपीआई से पा रहा क्रेडिट का फायदा, मिल रहे रिवॉर्ड और कैशबैक भी

सोचिए आप दुकान पर जाएं, यूपीआई से पेमेंट करें और आपका न सिर्फ सेकंड्स में पेमेंट पास हो जाए, बल्कि कैशबैक भी मिल जाए। है ना फायदे का सौदा? ये ही फायदा लेकर आया है कीवी एप , जिससे पेमेंट करना आपको फायदा ही फायदा पहुंचाएगा।

योजना

बिजनेस डेस्क

पैसों से जुड़े लेन-देन के तरीकों की भारत में यात्रा काफी लंबी और रोचक रही है। पहले जहां लोग जेब में कैश या चेक लेकर घूमते थे, तो वहीं बाद में इसकी जगह डेबिट/क्रेडिट कार्ड्स ने ले ली। और फिर आया पेमेंट को सुपर ईजी बना देने वाला बदलाव, यानी यूपीआई क्यू कोड, जिसमें व्यक्ति बस एक स्कैन करता है और महज सेकंड्स में ट्रांजेक्शन पूरा हो जाता है। अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट आ चुका है। इसमें लोगों को न सिर्फ यूपीआई पेमेंट की रफ्तार और सहूलियत मिल रही है बल्कि वो क्रेडिट की ताकत का फायदा भी उठा रहे हैं। सोचिए कि आप किसी किराना स्टोर में जाएं, वहां पर अपनी रोजाना की चीजें खरीदें और यूपीआई स्कैन से तुरंत पेमेंट कर दें, लेकिन इसके बावजूद आपके सेविंग अकाउंट से एक भी पैसा न कटे! और तो और आपको क्रेडिट कार्ड कैशबैक, रिवॉर्ड पॉइंट्स व बड़ी खरीदारी के भुगतान को ईएमआई में तब्दील करने का विकल्प भी मिल जाए। है ना ये शॉपिंग एक्सपीरियंस में दमदार ट्विस्ट? इसका श्रेय जाता है कीवी जैसे प्लेटफॉर्म को जिसने यूपीआई पेमेंट्स को एप के जरिए क्रेडिट से जोड़ने का काम किया है। यानी अब आप यूपीआई पेमेंट सीधे क्रेडिट कार्ड से कर सकते हैं।

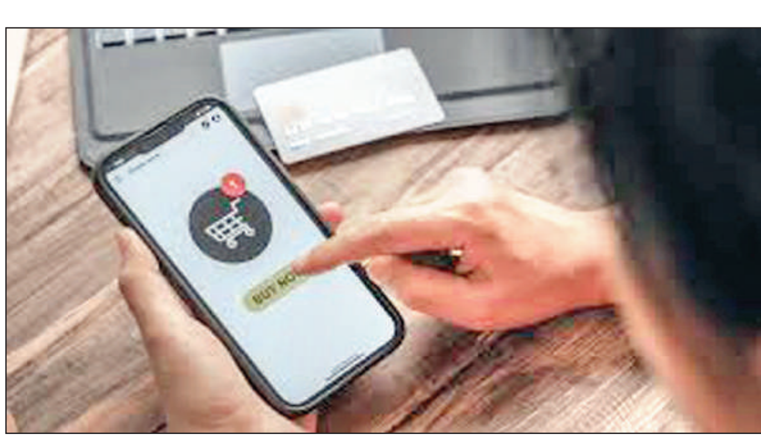

एक स्कैन और बैंक से सीधे कट जाती है राशि

चाहे किताब खरीदनी हो, घर के लिए चावल या फिर वॉशिंग मशीन, सभी तरह की खरीदारी के लिए यूपीआई सबसे आम तरीकों में से एक बन चुका है। एक स्कैन से सारे पेमेंट हो जाते हैं, जिसके लिए बैंक अकाउंट से पैसे कटते हैं। अब इसमें समस्या ये है कि अगर व्यक्ति के खाते में पर्याप्त राशि नहीं हुई, तो पेमेंट अप्रूव नहीं होगा। साथ ही इसमें पूरा भुगतान एकमुश्त ही करना होता है फिर चाहे आप 10 रुपये की चीज खरीद रहे हों या फिर 50,000 रुपये की। इससे जेब पर एकदम से काफी भार भी पड़ता है। लेकिन अगर आपके यूपीआई के साथ क्रेडिट कार्ड की ताकत जुड़ी हो, तो इन चीजों का भार हल्का हो जाता है।

रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई के फायदे

- तुरंत और आसान भुगतानः बस स्कैन करें और यूपीआई से भुगतान करें। यानी आपको पेमेंट के लिए न तो अपने साथ क्रेडिट कार्ड कैरी करने की जरूरत है और ना ही वॉलेट में कैश तलाशने की।
- रिवॉर्ड और कैशबैकः यूपीआई पेमेंट करने पर भी कैशबैक और रिवॉर्ड पॉइंट्स जैसे फायदे मिलते हैं, वो भी बिना किसी उलझन भरी शर्तों या छिपे हुए नियमों के।
- बाद में पेमेंट की सुविधाः बड़े अमाउंट को आप आसानी से ईएमआई में तब्दील कर सकते हैं, जिससे आपकी जेब पर एकदम से बोझ नहीं आता।

यहां क्रेडिट और यूपीआई चलते हैं साथ-

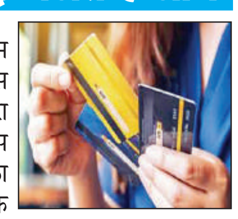

यूपीआई पर क्रेडिट का फायदा पाने के काम को कीवी ने बेहद आसान बना दिया है। बस आपको कीवी एप पर साझेदार बैंकों द्वारा जारी किए गए पर रुपे क्रेडिट कार्ड को ऐप के जरिए यूपीआई से जोड़ना है, जिसका प्रोसेस काफी आसान है। एक बार ये लिंक हो गया, तो यूजर कीवी एप के जरिए ईजी पेमेंट, रिवॉर्ड्स के साथ ही पेमेंट को ईएमआई में बदलने जैसे कई फायदों का लाभ उठा सकेगा। कीवी एप से हुए यूपीआई पेमेंट्स पर कम से कम 1.5% का कैशबैक मिलता है, जो सीधा बैंक में जाता है, जिसे कभी भी निकालकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें न तो कोई छुपी हुई शर्ते हैं और ना ही कोई जटिल कन्वर्जन। और तो और कीवी एप पर उपलब्ध रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई पूरी तरह से लाइफटाइम फ्री भी है। कुल मिलाकर ये आज के डिजिटल इंडिया के लिए ही बना है, जो शॉपिंग के एक्सपीरियंस को ईजी और रिवॉर्ड रिच बना देता है।

क्रेडिट-स्मार्ट और सशक्त होता भारत

जैसे-जैसे ज्यादा लोग यूपीआई के जरिए क्रेडिट का इस्तेमाल करने लगे हैं, वैसे-वैसे भारत में पैसे खर्च करने और संभालने का तरीका धीरे-धीरे बदलता जा रहा है। जो लोग अब तक सिर्फ डेबिट कार्ड या नकद पर निर्भर थे, उनके लिए ये बिना किसी झंझट के क्रेडिट की दुनिया में कदम रखने का आसान रास्ता बन गया है। कीवी जैसे प्लेटफॉर्म की पारदर्शी और आसान सेवाओं से भारत में डिजिटल पेमेंट न सिर्फ तेज हो रहे हैं, बल्कि ये लोगों को अधिक सशक्त और क्रेडिट स्मार्ट भी बना रहे हैं, जो नए भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में सक्षम बनाता है।

कार्यालय कलेक्टर जिला सीहोर (म.प्र.)

क्रमांक /335/वित्त./2025 सीहोर, दिनांक 19/11/2025

// निविदा //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कलेक्टर कार्यालय एवं जिला सीहोर में माननीय मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, व्हीआईपीगण के प्रोटोकॉल एवं तहसील कार्यालय में पदस्थ समस्त तहसीलदरों के लिये अवधि 01-01-2026 से 31-12-2026 हेतु टैक्सी कोटे में परिवहन कार्यालय से पंजीकृत वाहन समय-समय पर आवश्यकतानुसार किराये पर लिये जाने है, इस हेतु विस्तृत निविदा शर्तों के साथ निविदायें पंजीकृत फर्मों/संस्थाओं/व्यक्तियों से निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 11/12/2025 समय 11:00 बजे तक कार्यालय कलेक्टर जिला सीहोर में आनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाएं दो बोली प्रणाली (Two Bid System) के आधार पर खोली जायेंगी। विस्तृत निविदा वेबसाईट Https://mptenders.gov.in एवं sehore.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा क्रय मूल्य 2000/- तथा अमानत राशि 25000/- आनलाईन निविदा दस्तावेज के साथ जमा होगी। उक्त प्राप्त निविदाएं दिनांक 12/12/2025 को समय 12:00 बजे कलेक्टर कार्यालय सीहोर में उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोली जावेगी।

G-21863/25 " स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता " कलेक्टर जिला सीहोर (म.प्र.)

संचालनालय पेंशन, भविष्य निधि एंव बीमा म.प्र. भोपाल

ई-निविदा सूचना

संचालनालय पेंशन, भूविष्य निधि एवं बीमा द्वारा द्वारा संचालनालय/राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रक्रिया सेल के कार्यालयीन उपयोग के लिए स्पिलिट एयर कंडीशनर वॉल माउंट क्रय हेतु GEM Portal के माध्यम से बिड क्र. GEM/2025/B/6894188 दिनांक 14-11-2025 ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की बिड जमा करने की अंतिम तिथि 08-12-2025 दोपहर 15:00 बजे नियत है। निविदा की समस्त जानकारी संचालनालय की वेबसाईट pension.mp.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा में कोई संशोधन व परिवर्तन किया जाता है तो वह उक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है। बिना कोई कारण बताए निविदा को स्वीकृत अथवा निरस्त करने का अधिकार संचालनालय के पास सुरक्षित है।

संयुक्त निदेशक
पेंशन, भविष्य निधि एवं
बीमा मध्यप्रदेश भोपाल

जी - 21822/25 स्वच्छता ही सेवा

देश की राजधानी दिल्ली समेत पूरा एनसीआर एक बार फिर जहरीली हवा की गिरफ्त में है। सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें और राजनेता एक-दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिए तत्पर क्यों नहीं होते? कागज पर भले सरकार ने वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि चीन जो कभी खतरनाक प्रदूषण से जूझ रहा था, एक दशक के अंदर अपनी वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में कामयाब रहा। हम ऐसा क्यों नहीं कर पा रहे। चीन ने इसे राष्ट्रीय आपातकाल मानकर तेज गति से काम किया है। चीन की इस सफलता में निगरानी ने एक बड़ी भूमिका निभाई। देश ने एक व्यापक रियल टाइम वायु निगरानी नेटवर्क बनाया, जो शहर दर शहर और यहां तक कि फैक्ट्री दर फैक्ट्री प्रदूषकों पर नजर रखता था। इससे उन्हें उत्सर्जन कहां से आया, इसका एक सटीक डेटा मिला और उसी के मुताबिक कार्रवाई संभव हुई। हम ऐसा करने में कहां कमजोर पड़ रहे हैं, इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

प्रदूषण पर लगाम की कारगर नीति बने

पर्यावरण

रविशंकर

स्वतंत्र पत्रकार

उत्तर भारत एक बार फिर जहरीली हवा की गिरफ्त में हैं। लोगों के लिए सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। आसमान में मौजूद धुंआ जनस्वास्थ्य संकट बन चुका है। लोग गैस चैंबर में रहने को मजबूर हैं। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक कई इलाकों में 400 के पार पहुंच चुका है,जो गंभीर श्रेणी में आता है। यानी सांस लेना भी खतरे से खाली नहीं। भले इस गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किए गए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। पर्यावरण के लिए काम करने वाली संस्था ग्रीनपीस की एक रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत की राजधानी दिल्ली दुनियाभर में सभी देशों की राजधानी में सबसे ज़्यादा प्रदूषित शहर है।

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार पहुंच चुका है,जो गंभीर श्रेणी में आता है। यानी सांस लेना भी खतरे से खाली नहीं। भले इस गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किए गए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई के बजाय निरंतर प्रयासों की जरूरत है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जैसे उपाय दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं।

स्थायी समाधान क्यों नहीं

सवाल है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें और राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिए तत्पर क्यों नहीं होते? कागज पर भले सरकार ने वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे पता चलता है कि हमारे यहां व्यवस्था प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए कितनी कारगर है। इसी बीच, ध्यान देने वाली बात यह है कि चीन जो कभी खतरनाक प्रदूषण से जूझ रहा था, एक दशक के अंदर अपनी वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में कामयाब रहा। सवाल अहम यह है कि भारत दुनिया के दूसरे देशों से सबक क्यों नहीं ले रहा है। यह ठीक है कि भारत ने प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं लेकिन धीमी गति और जमीनी स्तर पर कमजोर प्रवर्तन की वजह से उनका प्रभाव सीमित ही रहा। वहीं चीन ने प्रदूषण को राष्ट्रीय आपातकाल मानकर तेज गति से काम किया है। चीन की इस सफलता में निगरानी ने एक बड़ी भूमिका निभाई। देश ने एक व्यापक रियल टाइम वायु निगरानी नेटवर्क बनाया, जो शहर दर शहर और यहां तक कि फैक्ट्री दर फैक्ट्री प्रदूषकों पर नजर रखता था। इससे उन्हें उत्सर्जन कहां से आया, इसका एक सटीक डेटा मिला और उसी के मुताबिक कार्रवाई संभव हुई।

चीन ने किया नीति में बदलाव

इसी के साथ चीन ने अपनी परिवहन प्रणाली में भी बदलाव किया। बीजिंग जैसे शहरों में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार किया, चौड़े पैदल यात्री क्षेत्र बनाएं,निजी वाहन पर निर्भरता कम की और साथ ही सार्वजनिक परिवहन में निवेश किया। इसी के साथ प्रदूषणकारी उद्योगों के प्रति भी चीन ने सख्ती दिखाई। चीन ने उद्योगों को स्वच्छ ईंधन और रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ मोड़ कर कोयल पर अपने निर्भरता को भी कम किया। गैस आधारित बॉयलरों ने अनगिनत कोयला इकाइयों की जगह ली,जिस वजह से सल्फर उत्सर्जन में काफी कमी आई। भारत में अभी भी कोयले पर निर्भरता काफी ज्यादा है। साफ है, चीन का मॉडल दिखाता है कि मजबूत प्रवर्तन और एकीकृत सरकारी दृष्टिकोण से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। गौर करने वाली बात ये है कि प्रदूषण से आबादी के लिहाज से सबसे ज्यादा नुकसान भारत को ही होता है,लिहाजा भारत को अपनी जिम्मेदारी बखूबी समझते हुए तत्काल ही कुछ सार्थक और ठोस उपाय करना होंगे। साफ है, आज के समय दुनिया में सबसे ज्यादा बीमारियां पर्यावरण प्रदूषण की वजह से हो रही हैं। मलेरिया, एडस और तपेदिक से हर साल जितने लोग मरते हैं उससे ज्यादा लोग प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से मर जाते हैं।

उदासीन बनी है सरकार

बहरहाल, हर साल सवाल यही उठता है कि वायु प्रदूषण से हर साल होने वाली मौत को रोकने के लिए सरकार की तरफ से क्या कदम उठाए जा रहे हैं? इसके बावजूद लोग अपने त्रासदीपूर्ण भविष्य को लेकर पूरी से तरह से बेखबर हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर हमारी सरकार और समाज कर क्या रहे हैं? वास्तव में वायु प्रदूषण की समस्या इतनी जटिल होती जा रही है कि भविष्य अंधकारमय होता प्रतीत हो रहा है। वस्तुतः आज मनुष्य भोगवादी जीवन शैली का इतना आदि और स्वार्थी हो गया है कि अपने जीवन के मूल आधार समस्त वायु को दूषित कर रहा है, नैतिकता, धर्म, कर्तव्य सब भूल रहा है। बढ़ते वाहनों और कारखानों से निकलते धुएं ने वायु का, वृक्षों की कटाई से जीवनदायिनी गैसों को, मनुष्य द्वारा फैलाई जा रही गंदगी से जल को इस तेजी के साथ प्रदूषित कर रहा है कि दुगनी गति से बीमारियां भी फैल रही हैं। मानवीय सोच और विचारधारा में इतना ज्यादा बदलाव आ गया है कि भविष्य की जैसे मानव को कोई चिंता ही नहीं है। अमानवीय कृत्यों के कारण आज मनुष्य प्रकृति को रिक्त करता चला जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण असंतुलन के चलते भूमंडलीय ताप, अम्लीय वर्षा, बर्फीली चोटियों का पिघलना, सागर के जल-स्तर का बढ़ना, मैदानी नदियों का सूखना, उपजाऊ भूमि का घटना और रेगिस्तानों का बढ़ना आदि विकट परिस्थितियां उत्पन्न होने लगी है। ये सारा किया कराया मनुष्य का है और आज विचलित, चिंतित भी स्वयं मनुष्य ही हो रहा है। लेकिन अफ़सोस की बात है कि हम चेत नहीं हो रहे हैं। साल दर साल बीत जाने के बाद भी भारत में वायु प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है। चाहे केंद्र सरकार हो या फिर राज्य सरकारें, कोई भी प्रदूषण से लड़ने के लिए गंभीर नहीं दिखता। ऐसे में सरकारों के प्रदूषण से लड़ने के लिए दीर्घकालीन नीतियां बनाने की जरूरत है, तो वहीं दूसरी तरफ लोगों को अपने स्तर पर वे सभी जतन करने की जरूरत है जो हवा को जहरीली होने से रोकें।

विदेशों से सीख ले भारत

ये ठीक है कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने कई कदम उठाए थे। फिर भी हम फिसड्डी साबित हुए। ऐसे में भारत की जिम्मेदारी बड़ी और ज्यादा गंभीर चुनौतीपूर्ण हो जाती है क्योंकि हमें विकसित और विकासशील दोनों ही प्रकार के देशों में किए जा रहे उपायों को अपनाना पड़ेगा। दअरसल, वायु प्रदूषण एक ऐसा मुद्दा है जो पूरी दुनिया के लिए चिंता की बात है ओर इसे बिना आपसी सहमति और ईमानदार प्रयास के हल नहीं किया जा सकता है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई के बजाय निरंतर प्रयासों की जरूरत है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना, और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जैसे उपाय दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं। एक व्यवस्थित निगरानी तंत्र से पूरे वर्ष वायु गुणवत्ता का मूल्यांकन करना जरूरी है

माइक्रो प्लास्टिक बिगाड़ रहा दिल्ली की सेहत

प्रदूषण

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

जहरीली हवा ने जहां एक ओर दिल्ली वालों की दिनचर्या बदल दी है, वहीं दूसरी ओर प्रदूषित हवा ने बच्चों, बुजुर्गों समेत महिलाओं के समक्ष अनेक प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं खड़ी कर दी हैं। सच तो यह है कि साल दर साल राजधानी में प्रदूषण से परेशानियां बढ़ती ही जा रही हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि दिल्ली पिछले कई वर्षों से प्रदूषण की मार झेल रही है। गर्भस्थ शिशुओं तक पर प्रदूषण का व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। इस क्रम में यदि हम जन्म पंजीकरण के आंकड़ों पर गौर करें तो पिछले वर्ष जन्म लेने वाले 30.31 प्रतिशत नवजात शिशुओं का वजन दो किलोग्राम तक था। वहीं, वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 31.54 प्रतिशत था। गौरतलब है कि जन्म के समय नवजात का वजन ढाई किलोग्राम से कम हो तो उसे सामान्य से कम माना जाता है। ऐसे में जन्म के समय सामान्य से कम वजन वाले नवजात शिशुओं की संख्या 30-31 प्रतिशत से अधिक है। इतना ही नहीं, एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक में छपी एक खबर के अनुसार चांदनी चौक की हवा में प्लास्टिक के कण भी पाये गये हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जैसा कि दैनिक ने लिखा है-'चेन्नई और मुंबई की तुलना में कोलकाता और दिल्ली की आबोहवा में माइक्रो प्लास्टिक की मौजूदगी कहीं अधिक है। इस वजह से इन दोनों शहरों की हवा में प्लास्टिक के ऐसे सूक्ष्म अंश अधिक हैं, जो सांस के जरिये शरीर में पहुंच सकते हैं। इस तरह के आइएमपी (सांस के साथ शरीर में पहुंचने योग्य माइक्रो प्लास्टिक) का कोलकाता में स्तर 14.23 माइक्रोग्राम घन मीटर और दिल्ली में 14.18 माइक्रोग्राम घन मीटर पाया गया। चेन्नई और मुंबई के वातावरण में इसकी मौजूदगी बहुत कम रही।' बताता चलूं कि खराब कूड़ा प्रबंधन इसके लिए जिम्मेदार है। वास्तव में, सर्दी के मौसम में प्रदूषण बढ़ने के साथ हवा में माइक्रो प्लास्टिक का स्तर भी 14 से 71 प्रतिशत बढ़ जाता है। दरअसल,यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सर्दियों में कूड़े का ठीक से प्रबंधन नहीं हो पाता और लोग सिंथेटिक कपड़े ज्यादा पहनते हैं। ठंड की वजह से हवा नीचे ही अटकी रहती है, जिससे प्रदूषण ऊपर नहीं उठ पाता। इस मौसम में पैकेट वाले खाने और प्लास्टिक वाले सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल भी बढ़ जाता है, जिससे प्लास्टिक कूड़ा ज्यादा बनता है। दिल्ली के चांदनी चौक और सरोजिनी नगर जैसे बाजारों में हवा में माइक्रोप्लास्टिक ज्यादा पाया गया है। बहरहाल, क्या यह चिंताजनक बात नहीं है कि राजधानी में 22 स्थानों पर प्रदूषण का स्तर हाल ही में 400 पार कर गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, 19 नवंबर 2025 को बुधवार के वायु गुणवत्ता सूचकांक में 18 नवंबर 2025 मंगलवार की अपेक्षा लगभग 20 अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। गौरतलब है कि मंगलवार को मानक एक्यूआई 374 दर्ज किया गया, जबकि बुधवार को यह 392 दर्ज किया गया। शाम 7 बजे 22 जगहों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से ऊपर दर्ज किया गया, जो कि गंभीर श्रेणी में आता है। वास्तव में, हवा की गति कम, तापमान में गिरावट और आंशिक रूप से बादल छाए रहने के कारण राजधानी में प्रदूषण के स्तर में लगातार पिछले कुछ दिनों से एक्यूआई 300 से अधिक है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राजधानी में बुधवार की सुबह 8 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 दर्ज किया गया। इसी के साथ दिल्ली में लगातार छठे दिन वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। बहरहाल, दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली और दिल्ली एनसीआर के कई क्षेत्र लगातार शामिल होते रहे हैं। यहाँ सर्दियों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब स्तर तक पहुँच जाती है, क्योंकि वाहन धुआँ, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण धूल और आसपास के राज्यों में पराली जलने का असर मिलकर प्रदूषण बढ़ा देते हैं। ठंडी हवा और कम हवा की रफ्तार प्रदूषित कणों को जमीन के पास रोके रखती है, जिससे पीएम 2.5 और पीएम10 का स्तर तेजी से बढ़ जाता है। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद भी अक्सर 'बहुत खराब' या 'गंभीर' श्रेणी में पहुँच जाते हैं। इस प्रदूषण से साँस और हृदय संबंधी बीमारियाँ बढ़ती हैं और बच्चों-बुजुर्गों पर इसका सबसे ज्यादा असर होता है। लगातार बढ़ते प्रदूषण ने दिल्ली-एनसीआर को वैश्विक स्तर पर अत्यधिक प्रदूषण प्रभावित क्षेत्र बना दिया है। इसी क्रम में हाल ही में शीर्ष अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को नवंबर-दिसंबर में प्रस्तावित खेल स्पर्धाएं स्थगित करने का निर्देश देने पर भी विचार करने को कहा है।

सर्दी के मौसम में प्रदूषण बढ़ने के साथ हवा में माइक्रो प्लास्टिक का स्तर भी 14 से 71 प्रतिशत बढ़ जाता है। दरअसल, यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सर्दियों में कूड़े का ठीक से प्रबंधन नहीं हो पाता

ऐसे तो गल जाएंगे दिल्ली के फेफड़े

महारोग स्मॉग

डॉ. घनश्याम बादल

स्वतंत्र पत्रकार

दिल्ली में क्लाउड सीडिंग के माध्यम से कृत्रिम बारिश का सपना टूट गया है । लगातार तीन दिन तक आकाश में क्लाउड सीडिंग करने के बावजूद एक बूंद भी बारिश नहीं हुई और दिल्ली वासी 400 से ऊपर एक क्यू आई यानी हवा की बहुत ख़राब क्वालिटी के साथ सांस लेने को मजबूर हैं। हालत इतनी ख़राब है कि 100 मीटर दूर की बिल्डिंग दिखाई नहीं दे रही है । दीपावली के बाद अक्सर दिल्ली में स्मॉग की समस्या आती रही है और इसके पीछे जहां दीपावली के पटाखों को जिम्मेदार ठहराया जाता है वहीं हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा पराली जलाए जाने के आरोप लगाकर भी पल्ला झाड़ लिया जाता है जबकि असलियत यह है कि जिस तरह दिल्ली में परिवहन एवं वाहनों की स्थिति है उसके चलते आने वाले वर्षों में पूरे साल ऐसी ही स्थिति रहने वाली है और यदि कारगर उपाय नहीं किए गए तो फिर दिल्ली के फेफड़े खराब होने तय हैं। दिल्ली ही नहीं दूसरे व्यस्त महानगरों में भी भारी स्मॉग और कहर बरपा रही है। हर साल दिसंबर जनवरी के महीने कोहरे व स्मॉग के शिकार होते ही हैं। जितना बड़ा शहर उतना ही ज़्यादा स्मॉग और उससे ज़्यादा उससे उपजा संकट। इन दिनों में स्मॉग के चलते बीमार होने के साथ-साथ सड़क दुघर्टनाओं में भी न जाने कितनी जानें जाती हैं । रोज ही लाखों यात्री समय से अपने गंतव्य पर नहीं पंहुच पाते हैं। देश भर में यातायात प्रभावित होता है। प्रतिदिन कितनी ही ट्रेन व बसें तथा हवाई जहाजों की उड़ानें भी लेट होती हैं या फिर रद्द की जाती हैं। कोहरे के प्रकोप का तोड़ ढूंढ पाने हर प्रयास नाकाम सिद्ध हो रहा है। स्मॉग ज्यादातर औद्योगिक शहरी क्षेत्रों में जल कणों का कार्बन कणों तथा अन्य सूक्ष्म कणों के मिश्रण से अधिक तीव्रता से बनता है और ज्यादा देर तक बना रहता है। इसमें विभिन्न रसायनों के वाष्पकण मिल जाने से इसकी प्रकृति अम्लीय भी हो जाती है जो अधिक हानिकारक है। कुदरत से छेड़छाड़ की प्रवृत्ति सबसे बड़ी वजह है स्मॉग के कहर की। यदि सचमुच ही दिल्ली एवं दूसरे शहरों के लोगों को स्मॉग की मार से बचाना है तो हमें दलीय राजनीति एवं क्षुद्र स्वार्थ सबसे पहले छोड़ने होंगे।

आज यह समय की मांग है कि हमें स्मॉग से पीड़ित शहरों एवं लोगों को राहत दिलाने के लिए उन सब कारणों को दूर करना जिनकी वजह से स्मॉग की समस्या उत्पन्न होती है। कुल मिलाकर यदि स्मॉग का हल नहीं ढूंढ पाए तो फिर यह तो तय है कि दिल्ली के फेफड़े जल्द ही ख़राब हो जाएंगे और दिल्ली ही क्यों हर उस नगर, महानगर की हालत ऐसी ही होना निश्चित है । इसलिए बेहतर हो कि समय रहते यथार्थ परक व्यवहारिक और गहन सोच वाले कदम उठाए जाएं।

कुदरत से छेड़छाड़ की प्रवृत्ति सबसे बड़ी वजह है स्मॉग के कहर की। यदि लोगों को स्मॉग की मार से बचाना है तो हमें दलीय राजनीति सबसे पहले छोड़नी

नकली बादल से हल नहीं होती वायु प्रदूषण की असली समस्या

दो टूक

पंकज चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

जब भीषण चक्रवात मोंथा ने सारे देश को भीगा दिया था और बादल दिल्ली के आसपास ही मंडरा रहे थे, वायु प्रदूषण से हताश दिल्ली महानगर पर नकली बरसात करवाकर हवा साफ करवाने का प्रयास असफल ही रहा। याद करें डेढ़ महीने पहले ही राजस्थान में कभी जयपुर के करीब विशाल झील रही और बीते दो दशक से पूरी तरह सूखी जमवा रामगढ़ की झील को भरने के लिए कृत्रिम बारिश के प्रयोग एक तमाशे से अधिक नहीं रहे। वहां कई बार ड्रोन उड़ाये और चार बार असफल रहने के बाद नाममात्र की बूंदें गिरी जिसने झील के तल को गीला तक नहीं किया। दिल्ली सरकार दीपावली के ठीक अगले दिन कृत्रिम बादल से पानी बरसाने की बात कर रही थी और यह होता तो एसिड रैन या तेजाब की बारिश एक बड़ी संभावना थी। कैसी विडंबना है कि समाज और सरकार दोनों के स्तर पर वायु प्रदूषण कम करने के कोई प्रयास होते नहीं, उलटे जब आतिशबाजी के धुएं से दम घुटने लगा तो तकनीक के बदौलत एक छद्म प्रयास किया जा रहा है। दिवाली के एक हफ्ते बाद भी दिल्ली-समग्र की कोई चार करोड़ जनसंख्या जिस वायु में सांस ले रही हैं, वह न केवल उनकी उम्र घटा रही है, बल्कि विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज में खर्च से जेब में भी छेद कर रही है। सालों से चर्चा होती रही है कि इस शहर को गैस चेम्बर बनाने में सड़कों पर जाम, अनियोजित निर्माण से उड़ती धूल का बड़ा हिस्सा है। निरंकुश आतिशबाजी ने इसमें रासायनिक जहर को और जोड़ दिया और इस तरह से हवा को दूषित करने को काबू करने के कोई निर्णायक उपाय हो नहीं रहे। ऐसे में नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है। जिस कृत्रिम बरसात का झांसा दिया जा रहा है, उसकी तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से

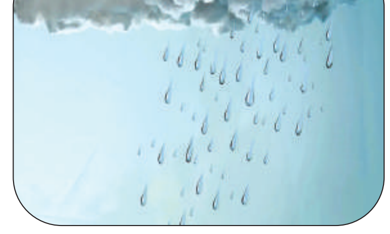

नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है। कृत्रिम बरसात की तकनीक को समझना जरूरी है।

सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ के पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है तो यह सूखी बर्फ के कणों पर चिपक जाते हैं और इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है। एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फ़ीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह ख़तरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जाएं। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाब पर भी रासायनिक ख़तरा संभावित है। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक है, वहां बरसात नए तरीके का संकट ला सकती है। विदित हो सीएनजी दहन से नायट्रोजन ऑक्साइड और नाइट्रोजन की ऑक्सीजन के साथ गैसें जिन्हें 'आक्साईड आफ नाइट्रोजन' का उत्सर्जन होता है। चिंता की बात यह है कि "आक्साईड आफ नाइट्रोजन " गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिलकर तेजाबी बारिश कर सकती है। यह वैश्विक रूप से प्रामाणिक तथ्य है कि नकली तरीके से बरसात करवाना कई बार बहुत भारी पड़ता है, फिर उस दिल्ली एनसीआर में, जहां कुछ मिनट की बरसात से सड़कों पर नदी-नाले भरने से जाम होता है और यही जाम दिल्ली की हवा में सबसे अधिक जहर घोलता है। जाहिर है बरसात से जितना प्रदूषण कम नहीं होगा, उससे अधिक बरसात के कारण वाहनों के ठिठकने से उपजे धुएं से बढ़ेगा ही। कृत्रिम बारिश से होने वाली भारी बारिश से बाढ़ आ सकती है, जिससे जान-माल की हानि हो सकती है। प्रकृति को कोई भी नकली या बाहरी प्रयास बचा नहीं सकता। इसके लिए मानव को ही आत्म नियंत्रण करना होगा ताकि कम से कम हवा दूषित हो। कृत्रिम बरसात करवाना वैसा ही है जैसे नल की टोंटी कर पोंछा लगाने की कवायद ।

विकासशील देशों के लिए संकट बनी प्लास्टिक कचरे की सुनामी

ई-कचरा

प्रमोद भार्गव

स्वतंत्र पत्रकार

पर्यावरण पर वैश्विक निगरानी रखने वाली सिएटल स्थित संस्था 'बासेल एक्शन नेटवर्क' (बीएएन) की ताजा रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि अमेरिका से लाखों टन खराब इलेक्ट्रॉनिक सामग्री कई देशों में ठिकाने लगाने की दृष्टि से भेजी जा रही है। इनमें से अधिकांश दक्षिण पूर्व एशिया के विकासशील देश हैं। इन देशों में इस खतरनाक कचरे का सुरक्षित रूप से नष्ट करने का कोई उपाय नहीं है, इसलिए वे इसे लेने को तैयार नहीं हैं। बावजूद दस अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां प्रयोग की उम्र समाप्त कर चुके इलेक्ट्रॉनिक्स को एशिया और पश्चिमी एशिया के निर्धन देशों में ठिकाने लगा रही हैं। इसे ई-कचरे की छिपी हुई सुनामी माना जा रहा है।

रपट के अनुसार यह ई-कचरे की अदृश्य सुनामी है, क्योंकि ये विकासशील एवं गरीब देश इस कचरे का पुनर्चक्रण करने में समर्थ नहीं है। फिर भी ताकतवर पूंजीपति देश इन देशों को अपने कचरे का ठिकाना बनाने में बेहिचक लगे हुए हैं। अतएव पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा। इसका वहां के लोगों के स्वास्थ पर कितना असर पड़ेगा, यह अंदाजा कोई नहीं लगा पा रहा है। इस कचरे में कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल और अन्य आईटी उपकरण शामिल हैं। इनमें सीसा, कैडमियम और पारा जैसी सामग्रियां हैं, जो मूल्यावन होने के साथ विषाक्त हैं। जैसे-जैसे गैजेट्स नए मॉडल के साथ तेजी से बदले जा रहे हैं, वैसे-वैसे पुनर्चक्रित नहीं किया जाने वाला कचरा पांच गुना बढ़ता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ और अनुसंधान शाखा (यूएनआईटीएआर) के अनुसार एकत्रित आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर 2022 में 6.2 करोड़ मीट्रिक टन ई-कबाड़ उत्पन किया गया। 2030 तक इसके उत्पादन की मात्रा 8.2 करोड़ मीट्रिक टन हो जाने का अनुमान हैं। रपट के अनुसार हर महीने लगभग 2000 कंटेनरों में लगभग 33,000 मीट्रिक टन अमेरिका में इस्तेमाल किया गया। ई-कचरा अमेरिकी बंदरगाहों से बाहर भेजा जाता है। इन कंटेनरों की खेपों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों को ई-कचरा ब्रॉकर कहा जाता है। ये आमतौर पर स्वयं कचरे का पुनर्चक्रण करने की बजाय इसे लाचार गरीब देशों के बंदरगाहों पर उतार देती हैं।

पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा।

यह कचरा लगातार एशियाई देशों में कचरे के बोझ को बढ़ाकर कई तरह के पर्यावरणीय संकट पैदा कर जल-वायु और पृथ्वी को प्रदूषित कर रहा है। इस कचरे से घातक लैंडफिल गैसों का भी उत्सर्जन कुछ सालों के बाद होने लगता है। इनसे उत्पन्न जहरीला रसायन जल और मिट्टी को दूषित करता है। इस कचरे का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए कबाड़खानों में पहुंचा देते हैं। यहां काम करने वाले मजदूर अक्सर बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के उन्हें हाथों से जला एवं पिघला कर अलग कर खोलते हैं। इस प्रक्रिया विषाक्त धुआं निकलता है, जो अत्यंत हानिकारक होता है। बासेल एक्शन नेटवर्क की संधि के मुताबिक इस्तेमाल किए गए ई-कचरे को एक देश से दूसरे देश भेजने की अनुमति केवल ऐसे कचरे को हैं, जिसे पुनर्चक्रित करके पुनः इस्तेमाल किया जा सके और जो पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करने वाला हो। लेकिन ये कंपनियां ऐसी किसी शर्त का पालन नहीं कर रही हैं। यही कारण है कि दुनिया में पुनर्चक्रण की तुलना में ई-कबाड़ में पांच गुना वृद्धि हो रही है। आज ई-कचरा,जिसमें बड़ी मात्रा में प्लास्टिक के उपकरण भी शामिल हैं,नष्ट करना भारत समेत दुनिया के देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। इसे नष्ट करने के जैविक उपाय तलाशे जा रहे हैं। जापान के क्योटो विश्वविद्यालय ने एक ऐसे जीवाणु के अनुसंधान का दावा किया है,जो जैविक रूप से प्लास्टिक नष्ट कर सकता है। हालांकि भारत में यही काम औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी कचरे को नष्ट करने के लिए केंचुओं से कराया जा रहा है। औसतन एक टन ई-कचरे के टुकड़े करके उसे यांत्रिक तरीके से पुनर्चक्रित किया जाए तो लगभग 40 किलो धूल या राख जैसा पदार्थ तैयार होता है। इसमें अनेक कीमती धातुएं समाहित रहती हैं। इन धातुओं के पृथक्करण की प्रक्रिया मानव शरीर और पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली है, इसलिए इस हेतु बायो-हाइड्रो मेटलर्जिकल तकनीक कहीं ज्यादा बेहतर मानी जा रही है। इस तकनीक को अमल लाते वक्त सबसे पहले बैक्टीरियल लीचिंग प्रोसेस ; बायो लीचिंग का प्रयोग करते हैं। इसके लिए ई-कचरे को बारीक पीसकर उसे जीवाणुओं के साथ रखा जाता है। बैक्टीरिया में मौजूद एंजाइम कचरे में उपस्थित धातुओं को ऐसे यौगिकों में बदल देते हैं कि उनमें गतिशीलता पैदा हो जाती है। बायो-लीचिंग की विधि में जीवाणु कुछ विशेष धातुओं को अलग करने में मदद करते हैं। हालांकि कई प्रकार के जीवाणुओं और फफूंद का उपयोग प्रिंटेड सर्किट बोर्ड से सीसा, तांबा और टिन को अलग करने के लिए किया जाता रहा है। इस कचरे को जो कंपनियां जिन देशों में ठिकाने लगा रही हैं, वहां इस कचरे के निस्तारण संबंधी जैविक उपाय स्टार्टअप के रूप में बेरोजगारों को उपलब्ध करा दें तो गरीब देशों के युवाओं को रोजगार तो उपलब्ध होगा ही, दुनिया प्रदूषण मुक्त भी बनी रहेगी।

बंगाल की सत्ताधारी टीएमसी विधायक हुमायूं ने किया यह ऐलान

6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे, भाजपा ने कहा- नामंजूर

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी के विधायक हुमायूं कबीर ने दावा किया है कि 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखी जाएगी, जिसमें करीब दो लाख लोग शामिल होंगे, जिनमें 400 प्रमुख हस्तियां मंच पर उपस्थित रहेंगी। उन्होंने कहा कि इस मस्जिद के निर्माण में 3साल का समय लगेगा। टीएमसी विधायक के इस बयान पर राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। इस बयान पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और इसे टीएमसी की तुष्टिकरण और धर्म की राजनीति करार दिया।

कबीर ने कहा मस्जिद के निर्माण में 3 साल लगेंगे

यह भी बोले- 40 प्रमुख हस्तियां आएंगी

टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर

भाजपा बोली- टीएमसी कर रही तुष्टिकरण और धर्म की राजनीति

6 दिसंबर को विशाल रैली करेगी टीएमसी

टीएमसी बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर 6 दिसंबर को एक विशाल रैली आयोजित करने जा रही है। इसे एकता दिवस नाम दिया गया है। टीएमसी का कहना है कि इस बार पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने इसकी जिम्मेदारी अपने छात्र और युवा विंग को सौंपी है।

बाबर लुटेरा था, कुछ भी अस्वीकार्य: सिंह

भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने कहा कि 'अगर कहीं बाबरी मस्जिद बनती है, तो हम वहां मंदिर बनाएंगे। उन्होंने कहाकि बाबर एक लुटेरा था और उसके नाम पर कुछ भी बनाना अस्वीकार्य है। कबीर के विरोध में बरहामपुर में राम मंदिर बनाने का ऐलान किया है।

टीएमसी धर्म के नाम पर राजनीति कर रही: पॉल

भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि कोई भी मंदिर-मस्जिद का निर्माण करा सकता है, लेकिन टीएमसी धर्म के नाम पर राजनीति कर रही है। सवाल ये है कि टीएमसी ने अब तक अल्पसंख्यकों के लिए क्या किया?

मस्जिद का राजनीतिकरण किया जा रहा: सिन्हा

भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि 'कोई भी मस्जिद बना सकता है, लेकिन इसकी सही जगह होनी चाहिए। कोई अपने धर्म का पालन करता है तो हमें उससे कोई दिक्कत नहीं है। जो मस्जिद का राजनीतिकरण कर रहे हैं, वे मुस्लिम धर्म का अपमान कर रहे हैं।

बाबर के समर्थक सिर्फ बाबरी की बात करेंगे: जिलानी

भाजपा नेता यासर जिलानी ने कहा कि बाबर के चाहने वाले बाबरी की बात करेंगे। उन्हें नहीं पता कि बाबर और बाबरी का इतिहास दोहराया नहीं जा सकता। टीएमसी के अंदर भगदड़ मची हुई है। उन्हें पता है कि इस बार बनर्जी की सरकार गिर रही है।

कांग्रेस संविधान की बात करती है: अजय लल्लू

कांग्रेस नेता अजय कुमार लल्लू ने कहा कि हम पूरी तरह से स्पष्ट हैं। हम रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, महिलाएं, किसानों के साथ समावेशिता और समानता की बात करते हैं। कांग्रेस हमेशा से संविधान की बात करती है और चुनाव भी इन्हीं मुद्दों पर लड़ा जाए।

संत समाज में आक्रोश

तो चली जाएगी ममता बेनर्जी की सरकार

मस्जिद निर्माण पर अयोध्या के कुछ संतों का कहना है कि 'बाबरी' नाम स्वीकार्य नहीं है। यह पुराने विवादों को दोबारा उभारने का प्रयास है। समाज में अनावश्यक तनाव पैदा होगा। ये जांच हो कि समर्थन कौन दे रहा है? विवाद बढ़ा तो ममता सरकार खतरे में पड़ सकती है।

खबर संक्षेप

37 साल के सिंगर हरमन सिद्धू की मौत

मानसा। पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़ी एक दिल दहला देने वाली खबर है। फेमस गायक हरमन सिद्धू का 37 वर्ष की आयु में सड़क हादसे में निधन हो गया। यह भीषण दुर्घटना शुक्रवार देर शाम हुई, जब वे मानसा से पैतृक गांव ख्याला लौट रहे थे। रास्ते में उनकी कार की एक ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई, जिससे मौके पर ही मौत हो गई।

9वीं मंजिल से गिरने से कोटा में छात्र की मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले से एक और इंजीनियरिंग छात्र की मौत की खबर है। जवाहर नगर इलाके में शुक्रवार को हाईराइज़ इमारत से एक 17 वर्षीय छात्र गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि उसने आत्महत्या की है या फिर यह कोई हादसा था। फिलहाल शहर में सनसनी फैल गई है।

तुझे जान से मार दूंगी प्रिंसिपल ने दी धमकी

हापुड़। उत्तर प्रदेश के जनपद हापुड़ से गुरू-शिष्या का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसमें गुरु अपनी शिष्या को धमकी दे रही हैं। इसमें वह कह रही हैं कि मुझसे बदतमीजी की, या मेरा हाथ पकड़ा, तो तुझे अभी यहीं जान से मार दूंगी। इस धमकी के बाद से शिष्या काफी डरी हुई है, जबकि अभिभावक भी इस धमकी से सन्न हैं।

विनय कुमार को बनाया हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष

शिमला। कांग्रेस ने विनय कुमार को हिमाचल प्रदेश में पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। विनय कुमार प्रतिभा सिंह की जगह लेंगे। प्रतिभा सिंह हिमाचल प्रदेश के कई बार मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह की पत्नी और मौजूदा पीडब्ल्यूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह की मां हैं। प्रतिभा सिंह अप्रैल, 2022 से प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष थीं।

मेट्रो रेल परियोजनाओं पर पुनर्विचार करें पीएम

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कोयंबटूर और मदुरै में मेट्रो रेल परियोजनाओं से जुड़े प्रस्तावों को खारिज करने के केंद्र सरकार के फैसले के प्रति अपनी निराशा जताई। स्टालिन ने मोदी से फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह करते हुए कहा कि इसे लेकर जनता में भारी नाराजगी है।

संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार लाएगी 10 नए बिल

परमाणु क्षेत्र में निजी कंपनियों के प्रवेश की राह होगी आसान, उच्च शिक्षा में भी होंगे बदलाव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार कई नए बिल पेश करने वाली है। इसके साथ पिछले सत्र के दो बिल भी इस बार विचार और पारित होने के लिए सूचीबद्ध हैं। वित्त वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी पेश किया जाएगा। शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलने वाला यह सत्र 15 बैठकों का होगा।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है और सरकार इस बार 10 नए विधेयक (बिल) पेश करने की तैयारी में है। इनमें सबसे अहम है 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025', जो देश के नागरिक परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का रास्ता बनाएगा। अब तक यह क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहा है। सरकार का कहना है कि यह नया कानून परमाणु ऊर्जा के उपयोग, नियमन के ढांचे को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा।

इससे देश में ऊर्जा उत्पादन और तकनीकी विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।जिनमें निजी कंपनियों के लिए असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने के प्रावधान वाला एक विधेयक भी शामिल हैं। परमाणु ऊर्जा विधेयक परमाणु ऊर्जा के उपयोग और विनियमन को नियंत्रित करने के उद्देश्य लाया जा रहा है।

सत्र 1 से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलेगा

इस सत्र में 15 बैठकें होने की संभावना

मध्यस्थता कानून में भी संशोधन का प्रस्ताव

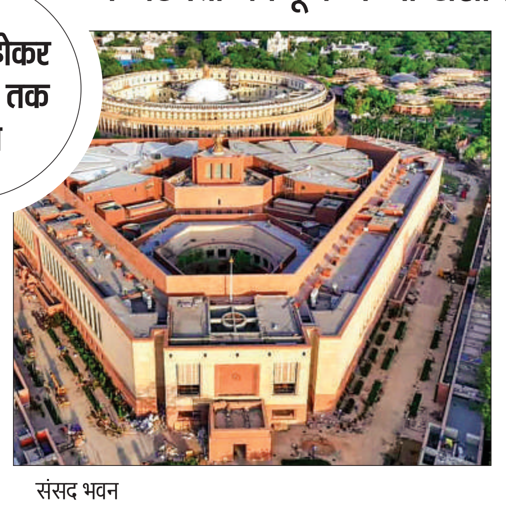
संसद भवन

सरकार मध्यस्थता और सुलह अधिनियम में भी बदलाव लाने पर विचार कर रही है। ज्यादा स्पष्टता के लिए एक समिति को इसकी समीक्षा का काम दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी तथा सेक्शन 34 में संशोधन की आवश्यकता को देखते हुए नया प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

सड़कों, कंपनियों और बाजार से जुड़े अहम संशोधन

सरकार कुछ पुराने कानूनों को भी आसान और आधुनिक बनाने की दिशा में कदम उठाने जा रही है। इसमें कई अहम बिल शामिल हैं।

- नेशनल हाईवेज (संसोधन) बिल- राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए जमीन अधिग्रहण को तेज, पारदर्शी और सरल बनाने का लक्ष्य।
- कॉरपोरेट लॉज (संसोधन) बिल, 2025- कंपनियों अधिनियम 2013 और एलएलपी एक्ट 2008 में बदलाव के जरिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देना।
- सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड बिल, 2025- सेबी अधिनियम, डिपॉजिटरी अधिनियम और प्रतिभूति अनुबंध विनियमन अधिनियम-पुराने कानूनों को एक ही 'सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड' बनाने का प्रस्ताव। इससे बाजार से जुड़े नियम सरल-समान होंगे।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी

परमाणु ऊर्जा विधेयक 2025, शायद सबसे महत्वपूर्ण विधेयक है, जिसका उद्देश्य भारत के बहुत ज्यादा प्रतिबंधित परमाणु ऊर्जा उत्पादन को निजी क्षेत्र के लिए खोलना है। इसके अलावा सरकार कई और विधेयक ला सकती है, जिसमें मार्केट्स कोड बिल काफी महत्वपूर्ण है। इसके जरिए सरकार महत्वहीन हो चुके पुराने कानूनों में बदलाव कर उसे आसान बनाया जाएगा।

विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को ज्यादा स्वायत्तता मिलेगी

सत्र के एजेंडे में हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल भी शामिल है। लोकसभा के बुलेटिन के मुताबिक यह बिल ऐसे आयोग की स्थापना करेगा, जो विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को अधिक स्वायत्तता दे, उन्हें स्वतंत्र और स्व-शासित संस्थान बनने में मदद करे और मान्यता की प्रक्रिया को पारदर्शी और मजबूत बनाए। यह प्रस्ताव काफी समय से सरकार की योजना में रहा है और अब इसे आगे बढ़ाया जा रहा है।

वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी एजेंडे में शामिल

विधि मंत्रालय ने कहा कि कानून की धारा 34 में प्रस्तावित संशोधन और कंपनी निदेशकों पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी के कारण सरकार को इस मुद्दे को एक समिति के पास भेजना पड़ा है। प्रस्तावित संशोधन इसी का परिणाम है। पिछले सत्र के दो विधेयक भी विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध हैं। बुलेटिन के अनुसार, वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी एजेंडे में है।

नड्डा बोले भाजपा ने दिलाया सम्मान

एकता दौड़ को भाजपा अध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडी

कांग्रेस ने सरदार पटेल के योगदान को भुलाया,जान-बूझकर दबाया

'एट द रेट 150 यूनिटी मार्च' शुरू किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यहां भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका को याद करते हुए आरोप लगाया कि स्वतंत्रता के बाद चार दशकों तक कांग्रेस ने पटेल के योगदान को इतिहास में वह स्थान नहीं दिया, जिसके वे वास्तविक हकदार थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही वह नेता हैं जिन्होंने सरदार पटेल को सही सम्मान दिलाया है। कार्यक्रम में नड्डा ने 'एट द रेट 150 यूनिटी मार्च' को हरी झंडी दिखाकर पटेल की जयंती का शुभारंभ भी किया। नड्डा ने कहा कि भारत की आजादी के समय देश 562 रियासतों में बंटा था और ब्रिटिश शासन चाहता था कि भारत कमजोर और विभाजित रहे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर हमला

नड्डा ने आरोप लगाया कि 1950 से 1991 तक कांग्रेस सत्ता में रही, लेकिन किसी प्रधानमंत्री ने पटेल को भारत रत्न देने का निर्णय नहीं लिया। राजनीतिक साजिशें रची गईं ताकि पटेल को इतिहास में वह स्थान न मिले।इस अन्याय को खत्म करने का काम मोदी ने किया है।

मोदी सरकार ने दिया उन्हें उचित सम्मान

नड्डा ने कहा कि मोदी ने पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए केवड़िया में दुनिया की सबसे ऊंची 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण कराया। उन्होंने कहा कि यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का प्रतीक भी है। मोदी ने ही पटेल को सही सम्मान दिया।

पटेल की विरासत पर जोर

नड्डा ने कहा कि पटेल ने विभाजित हिंदुस्तान को एक मजबूत राष्ट्र में बदल दिया। देश को विदेशी मानसिकता और बिखराव से आजाद किया। आज जब देश उनकी जयंती मना रहा है, तब यह याद करना जरूरी है कि उनका योगदान देश की एकता और अखंडता की नींव है।

एकता मार्च का संदेश
नड्डा ने कहा कि ' यूनिटी मार्च' का उद्देश्य युवा पीढ़ी को पटेल के योगदान से अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि देश आज जिन चुनौतियों से गुजर रहा है, उसमें पटेल की सोच और निर्णायक नेतृत्व प्रेरणा का स्रोत है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया अहम फैसला

पीएमएलए के तहत आरोपी न होने के बावजूद ईडी को तलाशी का अधिकार

अपीलेड ट्रिब्यूनल के आदेश के विरुद्ध ईडी की अर्जी पर की सुनवाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में तलाशी लेने के धन शोधन एक्ट (पीएमएलए) के प्रावधानों को स्पष्ट करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम निर्णय पारित किया है। पीएमएलए अपीलेड ट्रिब्यूनल के आदेश के विरुद्ध प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका को स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि अभियोजन शिकायत में नाम न होने पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पीएमएलए के तहत तलाशी हो सकती है। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी व न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने कहा कि तलाशी का प्रावधान उन पर भी लागू होता है, जो संबंधित अपराध या मनी लॉन्ड्रिंग का अपराधी न हों।

कोर्ट ने धारा को परिभाषित किया

दिल्ली हाईकोर्ट

अदालत ने कहा कि धारा-17 यह नहीं कहती कि तलाशी केवल उस व्यक्ति के परिसरों में की जा सकती है, जिसके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई हो या रिपोर्ट संबंधित मजिस्ट्रेट कोर्ट को भेजी गई हो।

पांडेय के मामले में अदालत ने यह कहा
अदालत ने उक्त टिप्पणी दिवंगत अमलेंदु पांडेय के परिसर से जब्त नकदी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को डी-फ्रीज करने के ट्रिब्यूनल के निर्देश के विरुद्ध ईडी की अपील याचिका पर की।

ट्रिब्यूनल के आदेश को रद्द किया

ट्रिब्यूनल के आदेश को रद्द करते हुए पीठ ने कहा कि ईडी ने इस मामले में तलाशी इसलिए ली थी क्योंकि संबंधित अधिकारी को पता था कि मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियां अभी भी चल रही थीं। तलाशी फरवरी 2016 की थी और यह 2011 में पहले से अदालत में भेजी गई शिकायत के परिणामस्वरूप हुई थी। अदालत ने ट्रिब्यूनल को सिरे से विचार करने का निर्देश दिया।

राष्ट्रपति ने सत्य साईं बाबा जन्म शताब्दी समारोह में भाग लिया

लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने को प्रेरित किया, मानव सेवा को ही ईश्वर सेवा बताया

निस्वार्थ सेवा कर निस्वार्थ प्रेम का संदेश दें

एजेंसी ▶▶ पुट्टपर्थी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आंध्र प्रदेश में सत्य साईं बाबा जन्म शताब्दी समारोह में भाग लिया। श्री सत्यसाईं जिले के पुट्टपर्थी में राष्ट्रपति ने कहा कि श्री सत्य साईं बाबा ने इस विश्वास पर जोर दिया कि 'मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है। उन्होंने अध्यात्म को निस्वार्थ सेवा और व्यक्तिगत परिवर्तन से जोड़ा। बाबा ने लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

सत्यसाईं समारोह में राष्ट्रपति

आध्यात्मिकता को जन कल्याण के साथ जोड़ने का आग्रह किया था। इतने सारे देशों में उनके भक्त वंचितों की सेवा कर रहे हैं।

विश्व हमारी पाठशाला है मानवीय मूल्य हमारे पाठ्यक्रम

श्री सत्य साईं बाबा के जीवन और उसके संदेश पर राष्ट्रपति ने कहा कि सत्य साईं बाबा का संदेश, सभी से प्रेम करो, सभी की सेवा करो, सदैव सहायता करो और कभी किसी को कष्ट न पहुंचाओ, शाश्वत और सार्वभौमिक है। सत्य साईं का मानना था कि विश्व ही हमारी पाठशाला है और सत्य, सदाचार, शांति, प्रेम और अहिंसा ये 5 मानवीय मूल्य हमारे पाठ्यक्रम हैं।

2 दिसंबर को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय इसका आयोजन करेगा

'काशी तमिल संगमम' से तमिल भाषा सीखने पर जोर देगी सरकार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय अगले महीने 2 दिसंबर को काशी तमिल संगमम (केटीएस) के चौथे संस्करण का आयोजन करेगा। तमिलनाडु और काशी के बीच मौजूद गहरे सभ्यतागत संबंधों का उत्सव मनाने से जुड़ी ये अनोखी पहल पीएम नरेंद्र मोदी के विजन पर आधारित है। 2025 में इसकी थीम (विषय) 'तमिल सीखें, तमिल करकलम' रखी गई है। जिसका उद्देश्य पूरे देश में तमिल भाषा सीखने को बढ़ावा देना है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को बताया कि केटीएस-4.0 उत्तर और दक्षिण भारत के दोनों क्षेत्रों के बीच सभ्यतागत, सांस्कृतिक, भाषाई और लोगों के बीच संबंधों का सम्मान करता है। जिसमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना साफ तौर पर

झलकती है। कार्यक्रम का आयोजन आईआईटी मद्रास और बीएचयू काशी के समन्वय से किया जाएगा। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार सहित कई अन्य केंद्रीय मंत्रालयों की भी भागीदारी रहेगी। पर्यटन एवं संस्कृति, आईएनबी, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, उद्योग, एमएसएमई जैसे केंद्रीय मंत्रालय मुख्य हैं। ये आयोजन सांस्कृतिक आदान-प्रदान, भाषाई संवर्धन, ज्ञान साझाकरण से राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने की केंद्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

तमिलनाडु से शामिल होंगे 1400 प्रतिनिधि

तमिलनाडु से केटीएस में सात अलग-अलग श्रेणियों (छात्र, शिक्षक, लेखक-मीडिया पेशेवर, कृषि, पेशेवर-कारीगर, महिलाएं, आध्यात्मिक विद्वान और अभ्यासी) में कुल 1400 प्रतिनिधि शामिल होंगे। जो दोनों क्षेत्रों के 8 दिवसीय दौरे पर भी रहेंगे। इनकी वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या की यात्राएं होंगी। इसके अलावा बातचीत, सेमीनार, सांस्कृतिक प्रदर्शन, स्थानीय व्यंजनों, हस्तशिल्प और विरासत में भी शामिल होंगे। ये लोग वाराणसी के महत्वपूर्ण तमिल धरोहर स्थलों जैसे महाकवि सुब्रमण्यम भरतियार का पैतृक निवास, केदार घाट, लघु तमिलनाडु क्षेत्र में स्थित काशी मदम, काशी विश्वनाथ मंदिर और माता अन्नपूर्णा मंदिरों का भ्रमण करेंगे। अकादमिक और साहित्यिक बातचीत के लिए बीएचयू के तमिल विभाग की यात्रा भी की जाएगी।

इन दो पोर्टल से होगा पंजीकरण

अन्य सभी श्रेणियों में पंजीकरण के लिए दो पोर्टल हैं https://kashitamil.iitm.ac.in/ पर पंजीकरण 21 नवंबर रात 8 बजे बंद हो जाएगा, चयन प्रश्नोत्तरी 23 नवंबर को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक होगी। दूसरा https://kashitamil.bhu.in/ खासकर कॉलेज छात्रों के चयन के लिए है। जो दिसंबर के तीसरे सप्ताह में 15 दिनी शैक्षणिक कार्यक्रम के तहत तमिलनाडु की यात्रा करेंगे।

दिल्ली सरकार की एडवाइजरी

बदले गए ग्रैप के नियम, अब लागू हो गया वर्क फ्रॉम होम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली एनसीआर और आसपास के इलाकों के लिए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) में बड़े बदलाव किए हैं। प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को एक स्टेज पहले कर दिया है। जो पाबंदियां पहले सबसे खराब हवा होने पर लगती थीं, अब वे उससे थोड़ी बेहतर हवा होते ही लागू हो जाएंगी। ग्रैप -4के तहत 'गंभीर' एक्यूआई के लिए लागू किए जाने वाले उपाय ग्रैप 3 के तहत लागू किए जाएंगे। ग्रेप-4 के तहत उपाय अब ग्रेप-3 के

दिल्ली में इस तरह फैला प्रदूषण

तहत लागू होंगे। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने निजी कार्यालयों को 50 फीसदी कर्मचारियों के साथ ऑन साइट काम करने की एडवाइजी जारी की है, बाकी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। सरकार का कहना है कि यह कदम सुरक्षात्मक उठाया गया है।

दिल्ली ब्लास्ट में जांच एजेंसियों को मिले चौंकाने वाले सबूत

5 लाख में खरीदी एके-47, डीप फ्रीजर में रखे विस्फोटक

गिरफ्तार आरोपी डॉ. मुजम्मिल ने फरीदाबाद से पकड़े जाने से पहले 2,500 किलो से अधिक अमोनियम नाइट्रेट जुटाया था और इसके साथ ही पांच लाख से ज्यादा में एके-47 राइफल खरीदी थी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में 10 नवंबर को हुए आत्मघाती कार ब्लास्ट की जांच में खुफिया एजेंसियों को कई चौंकाने वाले सबूत मिले हैं। गिरफ्तार आरोपी डॉ. मुजम्मिल ने फरीदाबाद से पकड़े जाने से पहले 2,500 किलो से अधिक अमोनियम नाइट्रेट जुटाया था और इसके साथ ही पांच लाख से ज्यादा में एके-47 राइफल खरीदी थी। यह हथियार बाद में आरोपी डॉ. अदील के लॉकर से बरामद किया गया। यह हथियार खरीद इस मॉड्यूल की तैयारी और फंडिंग के स्तर को दिखाती है। प्रत्येक आरोपी का अलग-अलग हैंडलर से संपर्क था। दो खास हैंडलर, मंसूर और हाशिम के नाम सामने आए हैं, जो एक सीनियर हैंडलर के अंडर काम कर रहे थे।

डॉ. मुजम्मिल

ऑनलाइन सीख रहा था बम बनाना

खुफिया अधिकारियों ने बताया कि डॉ. उमर बम बनाने के वीडियो, मैनुअल और ओपन-सोर्स कंटेंट ऑनलाइन देख रहा था। उसने बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायन नूंह समेत कई जगहों से खरीदे, जबकि इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स के भागीरथ पैलेस और फरीदाबाद के एनआईटी मार्केट से जुटाए। उमर ने विस्फोटक मिश्रण को स्टोर और प्रोसेस करने के लिए एक डीप फ्रीजर खरीदा था।

डॉ. उमर

पाक हैंडलर कर रहे थे कश्मीरी युवाओं का ब्रेनवॉश

जम्मू के मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई कर डॉक्टर बने कश्मीरी युवाओं का ब्रेनवॉश कर सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल खड़ा किया गया। इसकी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने शुरुआत करवाई। फिलहाल ये सभी देश के अलग-अलग शहरों में नौकरी करने लगे और यहां भी लोगों को इस मॉड्यूल से जोड़ने लगे। प्रत्येक एक-दो डॉक्टर पर एक पाकिस्तानी हैंडलर नियुक्त किया गया था। वो लगभग हर दिन अपने संपर्क वाले दोनों डॉक्टरों से वॉयस कॉल व वीडियो कॉल पर बात करता।

पाकिस्तान को जाने वाले फोन कॉल घटे

यूपी के कानपुर में दिल्ली विस्फोट के बाद पाकिस्तान को जाने वाली मोबाइल फोन कॉल घटकर एक चौथाई रह गई है। इस कमी पर जांच एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। विभिन्न टेलीकॉम कंपनियों से जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस, एलआईयू, एनआईए, एटीएस, आइबी समेत अन्य जांच एजेंसियों ने संदिग्धों पर नजर रखनी शुरू कर दी। जांच एजेंसियां देर रात या एक दम तड़के की गईं फोन कॉल पर नजर रखे हुए है। यह कॉल पाकिस्तान के किस हिस्से में की गई हैं इसका डेटा भी तैयार किया जा रहा है।

पाक से भेजे गए हथियारों का जखीरा पकड़ा

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई (आईएसआई) से जुड़े एक बड़े अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अजय, मंदीप, दलविंदर और रोहन के रूप में हुई है। यह गिरोह पाकिस्तान के रास्ते भारत में तुर्की और चीन निर्मित अत्याधुनिक पिस्तौलें सप्लाई करने का रैकेट चला रहा था। हथियार पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से पंजाब में गिराए जाते थे, जिसके बाद उन्हें अलग-अलग जगहों पर पहुंचाया जाता था और फिर दिल्ली व आसपास के राज्यों में सक्रिय अपराधियों और गैंगस्टरों को बेचा जाता था।

बटमालू से एक गिरफ्तार

सूत्रों के अनुसार, दिल्ली ब्लास्ट मामले से जुड़े एक संदिग्ध को राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने श्रीनगर के बटमालू इलाके से गिरफ्तार किया है। बकुछ दिनों से मिले इनपुट के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

खबर संक्षेप

बायजू रवींद्रन को 9 हजार करोड़ चुकाने होंगे

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने बायजू अल्फा और अमेरिका स्थित ऋणदाता जीएलएएस ट्रस्ट कंपनी एलएलसी की याचिका के आधार पर बायजू रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट निर्णय सुनाया है। इस आदेश के तहत रवींद्रन को व्यक्तिगत रूप से एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि (करीब 9 हजार करोड़) चुकानी होगी। यह फैसला 20 नवंबर को आया। सुनवाई के दौरान डेलावेयर दिवाला अदालत ने पाया कि रवींद्रन ने उसके दस्तावेजी जानकारी आदेश का पालन नहीं किया और कई मौकों पर टालमटोल करते रहे।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो गिरफ्तार

ब्राजिलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो (70) को शनिवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब तख्तापलट की कोशिश के लिए उनकी सजा अगले सप्ताह शुरू होने वाली थी। तख्तापलट की कोशिश के आरोप में इस साल सितंबर में बोल्सोनारो को 27 साल और तीन महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। उन्हें पुलिस फोर्स मुख्यालय ले जाया गया। ब्राजील के उच्चतम न्यायालय के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है। बोल्सोनारो 2019 से 2022 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रहे थे।

जोहान्सबर्ग में पीएम मोदी ने की भारतीय मूल के टेक उद्यमियों से मुलाकात

फिनटेक, एग्रीकल्चर, एजुकेशन सहित कई क्षेत्रों में नवाचार और साझेदारी पर दिया जोर

पीएम ने फिनटेक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा उपकरण आदि जैसे क्षेत्रों में अपने द्वारा किए जा रहे कार्यों पर चर्चा की। उनसे भारत के साथ अपने जुड़ाव को और गहरा करने और हमारे लोगों के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया

पीएम को चिन्मय मिशन ने एक कलश सौंपा जिसमें भारत और दक्षिण अफ्रीका से आए श्री अन्न व बाजरा शामिल हैं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी जी-20 लीडर्स समिट में शामिल होने के लिए साउथ अफ्रीका के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। यात्रा के दौरान उन्होंने भारतीय मूल के टेक उद्यमियों से मुलाकात की। इस मुलाकात में नई तकनीक, उभरते क्षेत्रों में सहयोग और भारत व प्रवासी भारतीयों के बीच संबंध मजबूत करने जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई। पीएम ने 'एक्स' पर लिखा कि जोहान्सबर्ग में भारतीय मूल के तकनीकी उद्यमियों के साथ एक उपयोगी बातचीत हुई। उन्होंने फिनटेक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा उपकरण आदि जैसे क्षेत्रों में अपने द्वारा किए जा रहे कार्यों पर चर्चा की। उनसे भारत के साथ अपने जुड़ाव को और गहरा करने और हमारे लोगों के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय द्वारा दिए गए शानदार स्वागत की भी सराहना की। सांस्कृतिक कार्यक्रम 'रिदम्स ऑफ ए यूनाइटेड इंडिया' में भारत के 11 राज्यों के लोकनृत्य प्रस्तुत किए गए, जिसने दक्षिण अफ्रीका में बसे भारतीय समुदाय की सांस्कृतिक विविधता को दिखाया गया। पीएम ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैत्री के ऐतिहासिक बंधनों को पोषित करने में प्रवासी भारतीयों के योगदान की सराहना की। उन्होंने युवाओं को महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला की विरासत से जोड़ने में उनके प्रयासों की भी सराहना की।

खास बातें

- पीएम का भारतीय समुदाय ने किया शानदार स्वागत
- पीएम ने भारत के साथ काम करने का आह्वान किया

पीएम मोदी की भारतीय मूल के टेक उद्यमियों से मुलाकात

योग और आयुर्वेद को दें बढ़ावा

पीएम मोदी ने प्रवासी भारतीयों से साउथ अफ्रीका के लोगों के बीच इंडियन कल्चर की पॉपुलैरिटी बढ़ाने के लिए कहा, जिसमें योग, आयुर्वेद जैसी प्रैक्टिस शामिल हैं और साउथ अफ्रीका से ज्यादा लोगों से भारत को जानो क्विज में हिस्सा लेने के लिए कहा। यह क्विज प्रवासी भारतीयों को भारत के इतिहास, संस्कृति और विरासत से और गहराई से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है।

जी20 समिट के दूसरे सत्र में बोले पीएम प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए मजबूत करना होगा सहयोग

पीएम मोदी शनिवार को जी-20 शिखर सम्मेलन के दूसरे सत्र में कहा कि प्राकृतिक आपदाएं मानवता के लिए बहुत बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। इनसे निपटने के लिए हमें वैश्विक सहयोग को और मजबूत बनाना होगा। आपदाओं को लेकर हमारी सोच प्रतिक्रिया से भी आगे विकास पर केंद्रित होनी चाहिए। जी-20 देश सीडीआरआई के साथ मिलकर वित्त, तकनीक और कौशल विकास को गति प्रदान कर सकते हैं। यह एक लचीले भविष्य की गारंटी बन सकता है। उन्होंने कहा कि स्पेस तकनीक से समूची मानवता को फायदा होना चाहिए। भारत ने इसके लिए जी-20 ओपन सेटेलाइट डेटा भागीदारी का सुझाव रखा है। जिसे हम ग्लोबल साउथ के देशों के लिए अधिक सुलभ व उपयोगी बना सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत के बीच साझेदारी

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी, पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज़ (दाएं)

जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने कई वैश्विक नेताओं के साथ मुलाकात की। पीएम मोदी ने ब्रिटेन के पीएम कीर स्टारमर, रिपब्लिक ऑफ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यांग और यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज़ और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के साथ एक शानदार बैठक हुई। हमें आज ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत प्रौद्योगिकी एवं नवाचार (एसीआईटीआई) साझेदारी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह पहल उभरती प्रौद्योगिकियों में तीन महाद्वीपों और तीन महासागरों के लोकतांत्रिक साझेदारों के बीच सहयोग को गहरा करेगी, आपूर्ति श्रृंखलाओं के विविधीकरण, स्वच्छ ऊर्जा और एआई को व्यापक रूप से अपनाने में सहायता करेगी। हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं!

टाडा कोर्ट में 2 चश्मदीदों ने की शिनाख्त

यासीन मलिक ने ही ली 4 वायुसेना कर्मियों की जान

▶ यासीन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल हुआ

फाइल फोटो: यासिन मलिक

एजेंसी ⏭ श्रीनगर

श्रीनगर में 1990 में भारतीय वायुसेना के कर्मियों पर जानलेवा हमले के मामले में अलगाववादी नेता यासीन मलिक को करारा झटका लगा है। जम्मू की टाडा कोर्ट में दो प्रमुख चश्मदीद गवाहों ने यासीन मलिक और उसके तीन कथित सहयोगियों की मुख्य आरोपी के रूप में स्पष्ट पहचान की है। टाडा कोर्ट में शनिवार को यासीन मलिक, जावेद मीर, नाना जी और शौकत बख्शी की पेशी हुई।

यासीन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल हुआ। इस दौरान जिरह के लिए बुलाए गए दोनों प्रमुख गवाहों ने यासीन मलिक समेत चारों की पहचान मुख्य आरोपी के तौर पर की। गवाहों में भारतीय वायुसेना के एक स्टाफर एक अन्य चश्मदीद शामिल थे। उन्होंने कोर्ट में गवाही देते हुए यासीन मलिक को उस हत्याकांड का मुख्य शूटर बताया।

बयान पर कायम रहे

चश्मदीदों ने दावा किया कि यासीन मलिक ही वह व्यक्ति था जिसने गोली चलाई थी। इस हत्याकांड में वायुसेना के 4 जवानों की मौत हो गई थी और 22 अन्य घायल हो गए थे। मृतकों में वायुसेना के अधिकारी रवि खन्ना भी शामिल थे। जिरह के दौरान चश्मदीद अपने बयान पर मजबूती से कायम रहे।

यह केस 25 जनवरी 1990 को श्रीनगर के बाहरी इलाके रावलपुरा में हुई भीषण गोलीबारी से जुड़ा है। जांचकर्ताओं का कहना है कि इस हमले को यासीन मलिक ने अपने गैंग के साथ मिलकर अंजाम दिया था। इसका मकसद उस वक्त घाटी में आतंक फैलाना था। यासीन मलिक को रूबिया सईद के अपहरण के मुकदमे का भी सामना करना पड़ रहा है। वह फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है।

29 नवंबर को अगली सुनवाई

आरोपियों की शिनाख्त के बाद अब इस मामले में 29 नवंबर को अगली सुनवाई होगी। इससे पहले, वायुसेना के पूर्व कर्मी राजवार उमेश्वर सिंह ने सीबीआई कोर्ट में यासीन मलिक की शिनाख्त की थी और उसे इस गोलीकांड का मुख्य हमलावर बताया था। उमेश्वर सिंह भी उस हमले के शिकार लोगों में शामिल थे, लेकिन बच गए थे।

ट्रंप प्रशासन की योजना पर पुतिन सहमत बोले

रूस नए यूक्रेन शांति प्रस्ताव पर विस्तृत बातचीत के लिए है तैयार

एजेंसी ⏭ मॉस्को

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध पर पूर्ण विराम लगाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने 28 सूत्रीय शांति योजना पेश किया। इसे लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस यूक्रेन पर अमेरिका के प्रस्तावित 28 सूत्रीय शांति योजना के विस्तार पर ठोस चर्चा के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि अमेरिका से मिला नया शांति प्रस्ताव अंतिम समझौते का आधार बन सकता है। मॉस्को शांति वार्ता और समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान के साथ-साथ प्रस्तावित प्लान के सभी डिटेल्स पर एक ठोस चर्चा के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि रूस को अमेरिकी सरकार के साथ कम्युनिकेशन के मौजूदा चैनलों के जरिए यह प्लान मिला है।

नए प्रस्ताव में यूक्रेन पर दबावः जेलेंस्की

पुतिन जेलेंस्की

वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका द्वारा तैयार किए गए नए 28 बिंदु वाली शांति योजना पर सहमत होने के लिए उनके देश पर दबाव यूक्रेन के इतिहास के सबसे मुश्किल पलों में से एक बन रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन साख और एक अहम साझेदार को खोने की मुश्किल स्थिति में है।

शांति योजना में ये प्रस्ताव

योजना के अनुसार कीव पूर्वी यूक्रेन के डनिट्रक इलाके के उन बड़े इलाकों को छोड़ देगा, जिन पर अभी भी उसका कब्जा है। इसके अलावा, वह अपने सैनिकों की संख्या कम करेगा। इसके अलावा, इस प्लान में जो सबसे अहम बात कही गई, वो यह है कि यूक्रेन नाटो में शामिल न होने का वादा करेगा।

हिमाचल प्रदेश में होगा अंतिम संस्कार

दुबई में नम आंखों से साथियों ने दी विंग कमांडर नमांश स्याल को अंतिम विदाई

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

दुबई में अंतरराष्ट्रीय एयरशो के दौरान हुई तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटना में मारे गए भारतीय वायुसेना के पायलट विंग कमांडर नमांश स्याल को शनिवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में यूएई, भारतीय दूतावास और वायुसेना के अधिकारियों, उनके साथी पायलट और दोस्त ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि के साथ अंतिम विदाई दी है।

जिसके बाद तमाम जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जल्द ही (रविवार या सोमवार तक) उनका पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए स्वदेश पहुंचेगा। जहां उनके गृह राज्य हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। वायुसेना ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है। जिसमें दुबई में विंग कमांडर स्याल की पार्थिव देह को राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) में लिपटा हुआ देखा जा सकता है। उन्हें सैन्य सम्मान यानी गार्ड ऑफ ऑर्नर दिया गया।

ईयू के समक्ष गिड़गिड़ाए पाकिस्तान के विदेश मंत्री डार, बोले

पानी सहयोग का माध्यम बने न कि राजनीति का, सिंधु जल संधि का स्थगित होना बड़ा खतरा

एजेंसी ⏭ ब्रसेल्स

पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार ने ईयू इंडो-पैसिफिक मिनिस्टीरियल फोरम राउंडटेबल में भारत सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाया है। उन्होंने ईयू मंच पर जोर देकर कहा कि भारत सिंधु जल संधि स्थगित करना इलाके की स्थिरता के लिए असली खतरा है। उन्होंने कहा कि पानी को सहयोग का स्त्रोत बना रहना चाहिए, न कि राजनीति के लिए हथियार बनाया जाना चाहिए।

इशाक डार

कृषि क्षेत्र संकट में, 30 दिन का ही पानी बचा

सिडनी के नॉन-प्रॉफिट इंस्टिट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की 2025 इकोलॉजिकल थ्रेट रिपोर्ट में पिछले महीने बताया गया है कि पाकिस्तान, जिसकी 80 प्रतिशत खेती सिंधु बेसिन के पानी पर निर्भर है, वो पानी की कमी के गंभीर खतरे का सामना कर रहा है, क्योंकि भारत के पास सिंधु नदी का बहाव बदलने की क्षमता है। इस रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि पाकिस्तान की स्टोरेज कैपेसिटी नदी के बहाव के हिसाब से सिर्फ करीब 30 दिनों तक ही सीमित है।

1960 में हुई थी संधि

1960 के एग्रीमेंट के तहत, भारत ने पश्चिमी नदियों, सिंधु, झेलम और चिनाब का पानी पाकिस्तान के साथ शेयर करने की सहमति दी थी, जबकि ब्यास, रावी और सतलुज समेत पूर्वी नदियों पर उसका कंट्रोल बना रहा। इस संधि के तहत, पानी के बहाव को पूरी तरह से रोक या मोड़ नहीं सकता, डैम के ऑपरेशन में बदलाव भी पाकिस्तानी किसानों पर गंभीर असर डाल सकते हैं।

यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन की अमेरिकी रिपोर्ट में बड़ा दावा

भारत-पाक संघर्ष में चीन ने अपने हथियारों का परीक्षण किया

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

भारत और पाकिस्तान के बीच मई में बढ़े तनाव को चीन ने अपने आधुनिक हथियारों की क्षमता परखने के मौके के तौर पर इस्तेमाल किया। अमेरिकी द्विदलीय आयोग की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि बीजिंग ने चार दिन चले इस संघर्ष को अपने हथियारों के वास्तविक युद्धक परीक्षण और प्रचार के लिए मौक़ापरस्ती के साथ उपयोग किया। रिपोर्ट ने चीन की इस रणनीति को सीमा तनावों और रक्षा उद्योग को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षा से जुड़ा हुआ बताया। यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन की रिपोर्ट के अनुसार, यह पहली बार था जब चीन ने एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम, पीएल-15 एयर-टू-एयर मिसाइल और जे-10 लड़ाकू विमान को सक्रिय युद्ध में इस्तेमाल किया। रिपोर्ट में इसे रियल-वर्ल्ड फील्ड एक्सपेरिमेंट करार दिया गया है। इसके बाद चीन ने पाकिस्तान को 40 जे-35 फिफ्थ जनरेशन लड़ाकू विमान, केजे-500 एयरक्राफ्ट और बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम बेचने की पेशकश भी की।

संघर्ष के बाद हथियारों का प्रचार तेज किया

खास बातें

- चीन ने अपने हथियारों का रियल-वर्ल्ड फील्ड एक्सपेरिमेंट किया
- चीन ने पाकिस्तान को 40 जे-35 फिफ्थ जनरेशन लड़ाकू विमान दिए

चीन का पाक को दिया गया एचक्यू एयर डिफेंस सिस्टम

रिपोर्ट के अनुसार, संघर्ष खत्म होने के बाद चीन के दूतावासों ने अपने हथियारों की सफलता का प्रचार करते हुए कहा कि भारत-पाक संघर्ष में उसके सिस्टम ने बेहतर प्रदर्शन किया। इसे हथियारों की बिक्री बढ़ाने की रणनीति बताया गया।

बीजिंग ने रिपोर्ट को बताया गलत

चीन ने रिपोर्ट को डिसइन्फॉर्मेशन करार देते हुए आरोपों से इनकार किया है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि भारत-पाक संघर्ष को "चीन का प्रॉक्सी युद्ध" कहना अतिशयोक्ति होगी, लेकिन यह साफ है कि बीजिंग ने दोनों देशों के बीच तनाव को अपने हथियारों के वास्तविक उपयोग और वैश्विक मार्केटिंग के लिए बड़े अवसर के रूप में देखा। भारत, पाकिस्तान और चीन के बीच बदलते शक्ति समीकरण इस पूरे घटनाक्रम को और गंभीर बनाते हैं।

एसबीआई की ताजा रिसर्च रिपोर्ट इकोरैप में खुलासा

ट्रंप टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात 2.9% बढ़कर 220 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एसबीआइ की ताजा रिसर्च रिपोर्ट इकोरैप में इस बात का दिलचस्प खुलासा हुआ है। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीने (अप्रैल-सितंबर 2025) में भारत का कुल माल निर्यात 2.9 फीसद बढ़कर 220 अरब डॉलर हो गया। इसका बड़ा कारण यह है कि भारत अब सीधे अमेरिका की बजाए तीसरे देशों, जैसे यूएई, चीन, वियतनाम, जापान, हांगकांग, बांग्लादेश, श्रीलंका और नाइजीरिया को ज्यादा निर्यात कर रहा है और संकेत है कि ये देश भारत से माल लेकर उसे अमेरिका को री-एक्सपोर्ट कर रहे हैं। इसे 'ट्राएंगुलर ट्रेड' या अप्रत्यक्ष निर्यात रणनीति कहा जाता है।

श्रीलंका में बढ़ा कपड़ा निर्यात

दूसरी तरफ भारत से इन देशों को उक्त उत्पादों में निर्यात लगातार बढ़ रहा है। इस तरह से भारत से तैयार कपड़े का निर्यात श्रीलंका (6.1 फीसद की वृद्धि), नाइजीरिया (4.2 फीसद) और बांग्लादेश (8.2 फीसद) को बढ़ा है

चीन को अधिक समुद्री उत्पादों का निर्यात

चीन को समुद्री उत्पादों (झींगा आदि) का निर्यात अगस्त, 2025 के मुकाबले सितंबर, 2025 में 16.3 फीसद से बढ़ कर 20.4 फीसद हो गया है जबकि इस अवधि में अमेरिका को होने वाले निर्यात की रफ्तार 27.4 फीसद वृद्धि से घट कर 21.1 फीसद रह गई है।

मंत्री कृष्णा ने फीता काटकर किया बाबा बर्फानी की झांकी और जादूगर प्रिंस के मैजिक शो का शुभारंभ

प्रदेश का सबसे बड़ा भोजपाल महोत्सव मेला

फीता काटकर शो का शुभारंभ करती मंत्री कृष्णा गौर व उपस्थित वीरानी, यादव व पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भेल दशहरा मैदान पर चल रहे प्रदेश के सबसे बड़े भोजपाल महोत्सव मेले में जादूगर प्रिंस करतब दिखाने को तैयार हैं। शनिवार को पहला शो शुरू हुआ।

मंत्री कृष्णा गौर ने शाम 7 बजे फीता काटकर शो का शुभारंभ किया। इस मौके पर मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास वीरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, विनय सिंह पिंटू भाई, हरीश कुमार राम, महेंद्र नामदेव, अखिलेश नागर, मधु भवनानी सहित जादूगर प्रिंस सहित उनकी पूरी टीम मौजूद रही। इस मौके पर जादूगर प्रिंस ने करतब दिखाए। इसके बाद मंत्री गौर ने बाबा अमरनाथ की झांकी का शुभारंभ किया।

सिंगर प्रकृति और ऋत्विजा ने अपनी आवाज का बिखेरा जादू

सूफी गायक दिलशाद साबरी और इरशाद साबरी बंधु आज देंगे प्रस्तुति

रोजाना सैकड़ों की संख्या में मेला देखने पहुंच रहे लोग

मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि दिव्यांग और बुजुर्गों के लिए व्हील चेयर, शहरवसियों के सेहत का ख्याल रखते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सुरक्षा के लिए पुलिस चौकी, सीसीटीवी कैमरे, सिक्योरिटी गार्ड और वालंटियर लगाए गए हैं। मनोरंजन के लिए रोजाना सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जा रही है। जादूगर प्रिंस, डंकी शो, जलपरी, कश्मीर जैसे आयोजन हो रहे हैं। मेले में 400 दुकानें हैं। मेला देखने सैकड़ों की संख्या लोग पहुंच रहे हैं।

मनोरंजन के साथ लोगों को रोजगार दे रहा मेलाः मंत्री कृष्णा

मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि छोटे स्तर से शुरू हुआ भोजपाल महोत्सव मेला प्रदेश स्तर का सबसे बड़ा मेला महोत्सव बन चुका है। मेलें में मनोरंजन, भक्ति के साथ विविध आयाम देखने को मिलते हैं। यही वजह है कि भोजपाल महोत्सव मेला देखने राजधानी के साथ ही आसपास क्षेत्रों और जिलों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। यह मेला मनोरंजन कराने के साथ ही 12 वर्षों से हजारों लोगों को रोजगार देने का काम कर रहा है।

देशी डुओ बैंड की बॉलीवुड नाइट ने मोहा मन

भोजपाल महोत्सव मेला के सांस्कृतिक मंच पर शनिवार को शाम 7 बजे से प्लेबैक सिंगर देसी डुओ बैंड की बॉलीवुड नाइट में प्रकृति गिरी और ऋत्विजा ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा। यह दोनों कलाकार मुंबई से अपनी प्रस्तुति देने भोपाल पहुंची थीं। दोनों कलाकारों ने कजरारे कजरारे तेरे काले काले नैना से अपने गाने की शुरुआत की। इसके बाद एक से बढ़कर एक बालीवुड गीतों की प्रस्तुति दी। भोजपाल महोत्सव मेला में रविवार को सूफी नाइट की प्रस्तुति दी जाएगी। इसमें देश के प्रसिद्ध सूफी गायक दिलशाद साबरी और इरशाद साबरी बंधु सूफी नाइट में सूफी गीतों और कव्वाली की प्रस्तुति देंगे।

खबर संक्षेप

पीआरएसआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भोपाल दौरे पर

भोपाल। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एसपी सिंह भोपाल प्रवास पर हैं। इस मौके पर शनिवार को न्यू मार्केट स्थित इंडियन काफी हाउस में बैठक आयोजित की गई।

चेक बाउंस के दोषी को एक वर्ष का कारावास

भोपाल। जिला न्यायालय ने 8,00,00 रुपए के 3 चेक बाउंस मामले के आरोपी वीरेन्द्र नारंग आत्मज के एन नारंग निवासी शालीमार एनक्लेव अरेरा कॉलोनी भोपाल को दोषी ठहराते हुए एक वर्ष के सश्रम कारावास और 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से 13,23,332 रुपए की प्रतिकर राशि अदा किए जाने के आदेश पारित किए हैं। यह आदेश न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शिवानी अक्षय तेम्रवाल ने परिवादी विक्रम किशोर शर्मा आत्मज स्व. एसके शर्मा निवासी अरेरा कॉलोनी भोपाल की ओर से अधिवक्ता मो. रियाजउद्दीन के माध्यम से न्यायालय में प्रस्तुत किए परिवाद पत्र की सुनवाई के बाद दिए हैं।

गौहरगंज घटना के विरोध में आज बंद

औबेदुल्लागंज। व्यापार महासंघ के आह्वान पर रविवार को गौहरगंज की घटना को लेकर बंद का आह्वान किया। व्यापार महासंघ ने शनिवार को विक्रम दांडी और नीरज चावला के ऑफिस में बैठक कर घटना की निंदा की। इस अवसर पर अशोक मित्तल अध्यक्ष जगदीश चंदानी, पंकज कोठारी, प्रदीप अरोरा, अशोक जायसवाल, विवेक मित्तल, डब्बू कैलाश नागर, आशीष दीक्षित, रतन मेघानी, रमेश वासवानी, राजू भाई पटेल, सोनू वासवानी, दिनेश सेन, गिरीश चावला, श्याम मालवीय, बल्लू अरोरा, अमित राय, सोनू राय आदि उपस्थित रहे।

तीन माह से परामर्शदात्री समिति की बैठक नहीं

भोपाल। नगर निगम में बीते तीन माह से परामर्शदात्री समिति की बैठक नहीं हुई है। इसके कारण यूनियनें कर्मचारियों के हितों से जुड़े मामलों सहित समयमान वेतनमान, अनुकंपा नियुक्ति जैसे मामले निगम प्रशासन के सामने नहीं उठा पा रही है। बताया जा रहा है कि निगम प्रशासन यह बैठक दिसंबर में करने की योजना बना रहा है। मध्य प्रदेश नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि प्रदेशभर में निगम कर्मचारियों की कई समस्याएं हैं, जिनसे शासन-प्रशासन को अवगत कराना है। भोपाल नगर निगम में अनुकंपा नियुक्ति के ही दो दर्जन से ज्यादा मामले पेंडिंग हैं। इनका निराकरण जल्द होना चाहिए। निगम आयुक्त ने दिसंबर माह में उक्त समिति की बैठक बुलाने की बात कही है।

शुभांक

कल्याणः	9416		
दिनः	279	82	255
रातः	---	--	---
ताराः			
दिनः	567	84	789
रातः	---	--	---

बिल्डर के बेटे से की थी अरेरा हिल्स में मारपीट

शाहपुरा में हंगामा-मारपीट से पहले अरेरा हिल्स में हुआ था पहला विवाद

अरेरा हिल्स पुलिस ने दर्ज की कार चालक और उसके साथियों पर मारपीट की एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित रोहित नगर की पॉश कॉलोनी में शुक्रवार तड़के हुए विवाद की शुरुआत देर रात अरेरा हिल्स से हुई थी। दरअसल, कार टकराने से अरेरा हिल्स में शुरू हुआ विवाद रोहित नगर तक पहुंच गया था।

अरेरा हिल्स पुलिस ने कार सवार तीन युवकों पर मारपीट की शिकायत दर्ज की है। ई-2/109 निवासी रविंद्र नाथ चतुर्वेदी बिल्डर हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उनका 27 साल का बेटा अर्जुन चतुर्वेदी कार से वीर रेस्टोरेंट, एयरपोर्ट रोड गया था। वहां से लौटते समय मंदिर के पास बेटे का कार सवार तीन युवकों से विवाद हो गया। विवाद में तीन युवकों ने उससे मारपीट की। चोट आने के कारण उसे नर्मदा अस्पताल में भर्ती कराया गया। बेटे के दोस्त मानस ने उन्हें मोबाइल पर जानकारी दी और वह अस्पताल पहुंचे थे। अस्पताल पहुंचने पर बेटे से बातचीत की। उसने बताया कि पीतल मंदिर के सामने कार से पहुंचा था, तभी सामने चल रही कार के चालक ने उसकी कार के सामने कार लगाई और तीन युवक उतरे। तीनों ने गालीगलौज करते हुए उससे मारपीट की।

पुलिस ने आठ युवकों को किया गिरफ्तार

फाइल फोटो

विशाखा श्रीवास्तव का कहना है कि विवाद हुआ तो पुलिस को शिकायत करनी चाहिए थे। ऐसे किसी घर इतने सारे लोगों को लेकर पहुंच जाना और बेटे को घर से बाहर निकालने की धमकी देना अनैतिक है। यदि उनका बेटा घर पर होता तो घर पहुंचे युवक उसके साथ बेरहमी से मारपीट करते। युवकों ने बेटे के दोस्त और पति के दोस्त से मारपीट की है। इधर पुलिस का कहना है कि इस मारपीट में आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने एक पक्ष की ओर से शिकायत पर मिलने पर प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फुटेज के आधार पर गिरफ्तारी शुरू

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए घर में पहुंचकर मारपीट करने के मामले सात लोगों की पहचान करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया है, जबकि शिखर श्रीवास्तव को भी शनिवार शाम गिरफ्तार कर लिया था।

दोस्त पहुंचे रोहित नगर तो हो गया विवाद

अरेरा हिल्स में शुरू हुए इस विवाद की जानकारी अर्जुन के दोस्तों को लगी तो वह रोहित नगर शाहपुरा पहुंचे थे। अर्जुन के दोस्त विशाखा श्रीवास्तव के रोहित नगर स्थित उनके निवास पर पहुंचे व बातचीत की।

कुछ युवक नशे में थे

विशाखा श्रीवास्तव ने बताया कि तीन-चार कार से आए युवकों में कुछ युवक नशे में थे। उन्होंने कार के नंबर के आधार पर उनके घर का एड्रेस निकाला और सुबह साढ़े चार पांच बजे हंगामा किया। उन्होंने बेटे को घर से बाहर निकालने की बात कही। नशे में हंगामा करने के कारण उन्होंने अप्रिय घटना से बचने के लिए दरवाजा नहीं खोला। घर पर वह और उनकी बेटी थी।

प्रधान आरक्षक ने शोरूम के कर्मचारी के साथ की मारपीट

बाग सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित चेतक शोरूम में स्कूटर का लीवर चेंज कराने पहुंचे बैरागढ़ थाने के हेंड कांस्टेबल राम अवतार धाकड़ ने 265 रुपए के लिए शोरूम के कर्मचारी सचिन कुशवाह के साथ मारपीट करते हुए मालिक से झूमाझटकी कर दी। घटना का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है। दरअसल, वीडियो में हेड कांस्टेबल ने जीरो डेप इंश्योरेंस होने की बात कही और स्कूटर का लीवर चेंज करने का कहा। हेड कांस्टेबल का कहना था कि जीरो डेप इंश्योरेंस में किस बात का पैसा लग रहा है। शोरूम के मालिक ने कहा कि आप क्लेम कर दीजिए आपको पंद्रह दिन में लीवर बदलकर दे देंगे। इस पर हेड कांस्टेबल का कहना था कि छोटे से लीवर को बदलने में पंद्रह दिन लगेंगे। इस पर मालिक ने कहा कि बिना क्लेम किए 265 रुपए में नया लीवर डालकर दे देंगे। इस बात को लेकर हेड कांस्टेबल भड़क गए और सचिन से मारपीट कर दी।

एआई का इस्तेमाल कर 25 लाख के मोबाइल और लैपटॉप चुराए

भोपाल। इंदौर में स्टूडेंट्स हॉस्टलों से लगातार मोबाइल और लैपटॉप चोरी की शिकायतें मिलने के बाद पुलिस ने गिरोह का पदार्फाश किया है। आरोपी गूगल मैप से हॉस्टलों की लोकेशन और एंट्री-एग्जिट पॉइंट की जानकारी जुटाते थे। तीनों आरोपी रोजाना महू से इंदौर आते, हॉस्टलों में चोरी करते और वापस महू लौट जाते थे। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 25 लाख रुपए के मोबाइल, लैपटॉप और टैबलेट बरामद किए हैं। डीसीपी आनंद कलादगी ने बताया कि शुक्रवार रात चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्ति पकड़ा गया, जिसने बताया कि वह इंदौर के हॉस्टलों में चोरी करता है। संदिग्ध की निशानदेही पर पुलिस ने उसके दो साथियों को भी महू के अंबेडकर नगर से गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपी मुथीयानथन पिता गोपाल, निवासी नरियामपट्टू, मगेन्द्र पिता वेंकटरमन और दीपक पिता बिसकर्मा दोनों निवासी पेरियापल्लम, तमिलनाडु के रहने वाले हैं। सभी एक सप्ताह से किराए के मकान में छिपकर रह रहे थे।

बाइक सवार दो दोस्त भी गंभीर घायल

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित लालकोठी विदिशा रोड पर गौर शादी हाल के सामने शुक्रवार रात पीछे से आ रहे तेज रफ्तार आयशर ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। घटना के समय बाइक पर तीन युवक थे। टक्कर लगते ही वह बाइक सहित सड़क पर गिर गए। आयशर ट्रक का पहिया एक युवक के सिर से गुजरने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो साथियों को गंभीर चोट है। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर भाग निकला। पुलिस नंबर के आधार पर ट्रक की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार मूलतः गांव बारला, जिला रायसेन निवासी अमन लोधी पिता खनाराम लोधी (26) किसानी के अलावा ठेकेदारी का काम करता था। करीब तीन साल पहले अमन लोधी की शादी हुई थी। उनकी डेढ़ साल की बेटी है।

रायसेन से काम के लिए भोपाल आए थे

शुक्रवार सुबह अमन गांव के दो दोस्तों पवन व चन्द्रशेखर के साथ काम से भोपाल आया था। रात करीब 8 बजे तीनों दोस्त बाइक से गांव लौट रहे थे। इस बीच गौर शादी हाल के सामने पीछे से आ रहे तेज रफ्तार आयशर ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों दोस्त बाइक समेत नीचे गिर गए। आयशर वाहन अमन को कुचलता हुआ निकल गया, जबकि पवन व चन्द्रशेखर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने अमन लोधी के चचेरे भाई अमित लोधी (22) निवासी ग्राम रासलाखेड़ी थाना छोला मंदिर की शिकायत पर अज्ञात आरोपी चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

रूप नगर अशोका गार्डन की घटना, हमले को रोकने पर हाथ हुआ घायल

सुलभ कॉम्प्लेक्स के बाहर बैठे युवक पर चाकू से हमला

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित रूप नगर झुग्गी इलाके में सुलभ कॉम्प्लेक्स के बाहर मामूली बात पर कहासुनी हो गई। कहासुनी इस कदर बढ़ी कि एक युवक ने दूसरे युवक पर चाकू से हमला कर दिया। गले पर चाकू से किया गया हमला युवक ने हाथ से रोक लिया और उसकी हथेली कट गई। वह अस्पताल पहुंचा और वहां से इलाज कराने के बाद पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गैर हरादतन हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आरोपी युवक पर पूर्व में मारपीट का प्रकरण दर्ज है। पुलिस के अनुसार जुबेर खान (30) रूप नगर झुग्गी, अशोका गार्डन में रहता है और प्राइवेट काम करता है। इसी इलाके में शाहरुख खान रहता है। जुबेर और शाहरुख में पुराना कोई विवाद नहीं है। जुबेर का कहना है कि काम नहीं होने के कारण वह सुलभ कॉम्प्लेक्स के सामने रूप नगर में बैठा हुआ था। इसी बीच वहां शाहरुख पहुंचा और फालतू की बात करने लगा। जुबेर ने उसे कहा कि उसका दिमाग ठीक नहीं है, यहां से चले जा। इसी बात पर जुबेर और शाहरुख के बीच कहासुनी हो गई।

दहशत फैलाने की कोशिश नाकाम

तोड़फोड़ करने वाले आरोपियों का पुलिस ने निकाला जुलूस

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडीदीप

गणेश चौक क्षेत्र में शुक्रवार शाम को दहशत फैलाने और वाहनों पर पत्थरबाजी करने वाले आरोपियों को मंडीदीप पुलिस ने शनिवार को उसी इलाके में हाथ बांधकर जुलूस निकालकर सबक सिखाया।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब 5 बजे सौरभ, विकास और उनके चार-पांच साथी गणेश चौक पहुंचे। वहां उन्होंने राहगीरों और दुकानदारों से अभद्रता की, गाली-गलौज की और जब लोगों ने विरोध किया तो आरोपियों ने पत्थरबाजी दी। इस दौरान कई वाहनों के शीशे टूट गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्ती जारी रहेगी

मोनू चौकसे की शिकायत पर मंडीदीप पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। शनिवार सुबह पुलिस ने मुख्य आरोपी सौरभ, विकास सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्त में लेकर गणेश चौक क्षेत्र में ही जुलूस निकाला। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है। टीआई मंडीदीप रंजीत सराठे ने बताया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्ती बरती जा रही है। ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

शराब के नशे में रिश्तेदारों ने युवक को बेरहमी से पीटा, बेइज्जती की

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडीदीप

धान बेचने मंडीदीप आए एक किसान के साथ उसके ही दो रिश्तेदारों ने शराब के नशे में अमानवीय व्यवहार किया। न केवल लात-घूंसे और मुक्कों से पीटा, बल्कि अपमानित करने के लिए एक आरोपी ने फरियादी पर लघुशंका कर दी। पूरी घटना आस-पास के लोगों ने देखी और बीच-बचाव कर पीड़ित को बचाया।

पीड़ित वीरसिंह (35 वर्ष), निवासी ग्राम सलकनी, थाना औबेदुल्लागंज ने थाने में दी लिखित शिकायत में बताया कि वह 21 नवंबर को चचेरे भाई राजकुमार उर्फ राजू और गोविंद उर्फ पप्पू के साथ गल्ला मंडी मंडीदीप धान बेचने आया था। धान बेचकर तीनों ने कलारी से शराब खरीदी और पहले साथ में पी। इसके बाद शाम करीब 4:30 बजे फायर ब्रिगेड के पास वाले पेट्रोल पंप के पीछे फिर शराब पीने लगे। इसके बाद आरोपी नशे में धूत हो गए।

पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

नशे में धुत राजकुमार उर्फ राजू और गोविंद उर्फ पप्पू अचानक वीरसिंह को गालियां देने लगे। मना करने पर दोनों ने मिलकर उसे लात-घूसों से पीटना शुरू कर दिया और जमीन पर गिरा दिया। तभी राजकुमार ने वीरसिंह के ऊपर लघुशंका कर दी। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर भादंवि की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और दोनों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का दावा है कि जल्द आरोपियों को पकड़ लेंगे।

सांची विविः इंडियन सोसाइटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज का रजत जयंती सम्मेलन आज से

भोपाल। राजधानी से सटे सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में रविवार से तीन दिवसीय इंडियन सोसाइटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज का रजत जयंती सम्मेलन शुरू हो रहा है। सम्मेलन में वियतनाम, म्यांमार और श्रीलंका के अलावा देश-विदेश के 150 से अधिक प्रतिष्ठित बौद्ध विद्वान पहुंचे हैं, जो बौद्ध दर्शन, संस्कृति और इतिहास पर विचार साझा करेंगे। इंडियन सोसाइटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज की स्थापना 2000 में बौद्ध धर्म-दर्शन-संस्कृति और पुरातत्व से जुड़े उदीयमान विद्वानों को एक संयुक्त मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। जिसका लक्ष्य था कि विभिन्न विधाओं में काम करने वाले विद्वान मिलें, साथ बैठें, अपने शोध को साझा करें और एक-दूसरे से सीखें। सम्मेलन के दौरान उद्घाटन व समापन सत्र के अतिरिक्त चार समानांतर सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इनमें बौद्ध दर्शन, इतिहास, साहित्य, और समकालीन बौद्ध विमर्श पर शोध प्रस्तुत किए जाएंगे। बौद्ध विरासत कला एवं पुरातात्विक समृद्ध मप्र में शोध कार्य की संभावनाएं हैं।

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया

भाई की हत्या करने की धमकी देकर नाबालिग से दुष्कर्म

आरोपी युवक ने नाबालिग के वीडियो बना लिए थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शाहपुरा पुलिस ने 19 साल की कॉलेज छात्रा की शिकायत पर कजिन के खिलाफ दुष्कर्म, दैहिक शोषण व ब्लैकमेल करने की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ने शाहपुरा की एक होटल में साल 2022 में पीड़िता से पहली बार दुष्कर्म किया। उस समय उसकी उम्र 17 साल थी। पीड़िता के भाई को जान से मारने की धमकी देकर आरोपी उसे होटल ले गया था। वहां उसने नाबालिग के अश्लील वीडियो बना लिए और फिर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा।

जनवरी 2022 में नाबालिग से दरिंदगी

पुलिस के अनुसार 19 साल की युवती कॉलेज में द्वितीय वर्ष की छात्रा है। जनवरी 2022 में छोटे भाई को मौत के घाट उतारने की धमकी देकर आरोपी उसे शाहपुरा की एक होटल में ले गया और जबरन संबंध बनाए। उसी दौरान आरोपी ने पीड़िता के अश्लील

वीडियो भी बना लिए और उसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा।

शादी करने का झांसा दिया

आरोपी ने साल 2022 से अब तक कई बार वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता से दुष्कर्म किया। इस बीच उसने शादी करने का झांसा भी दिया। हालांकि बाद में वह वादे से साफ मुकर गया। आरोपी से परेशान होकर दो दिन पहले पीड़िता शाहपुरा थाने पहुंची और प्रकरण दर्ज करा दिया।

सितंबर में भगाकर ले गया थाः पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक सितंबर 2025 में पीड़िता को अपने साथ भगाकर ले गया था। सीहोर इलाके में बंधक बनाकर आरोपी ने कई बार पीड़िता से संबंध बनाए। उसने शादी करने का प्रलोभन दिया था। सीहोर से लौटने के बाद उसने शादी करने से मना कर दिया। इसके बाद परेशान करने लगा।

सांसद खेल महोत्सव में रस्साकसी प्रतियोगिता में महिलाओं, विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

सांसद खेल महोत्सव में शनिवार को वीर सावरकर कॉलेज में खेल का शुभारंभ अध्यक्ष नपा एवं नमिता बागिश अग्रवाल उपाध्यक्ष नगर परिषद औबेदुल्लागंज ने किया।

खेल के आरंभ में पूर्व महामंत्री, विधायक प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष भूपेन्द्र नागर, पार्षद समीक्षा विक्रम यादव, भारती नरेश सेठी, प्रीति अनूप सिंह चौधरी सुनील सेरिया, सुजीत यादव, शंकर लाल, सरोज रामेश्वर नागर, राधा राजेंद्र साहू, सना आमीर ममनून, हेमलता मनोज चौरसिया, दीपेश परमार, वागीश अग्रवाल, मनोज चौरसिया, आरती यादव, पूजा लोधी, उमाशंकर गौर, नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। आयोजन में रस्सा कस्सी प्रतियोगिता हुई, जिसमें छात्राओं ने अध्यक्ष, नपा उपाध्यक्ष एवं पार्षदों की टीम को हरा दिया। इस अवसर पर भोजपुर नारी शक्ति की अध्यक्ष आरती यादव की सहयोगी महिलाओं ने खेल आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों को नकद प्रोत्साहन राशि व प्रशंसा प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद मुख्य नगर पालिका अधिकारी किरण राहंगडाले, मुकेश जैन, महेश मीणा, प्रमोद, सन्नी अग्रवाल, मोती परमार नपा स्टाफ उपस्थित रहा।

आरती यादव व भूपेंद्र नागर महिलाओं को प्रमाण-पत्र देते हुए।

गौहर महल में लगे पॉटर्स मार्केट में अपने पॉट्स प्रदर्शित करती बिहू आनंद।

8 साल की थी, तब पहली बार पॉटर्स मार्केट देखा, इतनी प्रभावित हुई कि 12वीं के बाद प्रोफेशन के रूप में चुन लिया सिरेमिक आर्ट

गौहर महल में जारी पॉटर्स मार्केट में शामिल हुईं सबसे कम उम्र की बिहू आनंद ने कहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल पॉटर्स मार्केट में शामिल होने आईं भोपाल शहर की सबसे कम उम्र की बिहू आनंद ने कहा कि जब मैं 8 साल की थी तब अपने माता-पिता के साथ पॉटर्स मार्केट घूमने आया करती थी और उस वक्त मैं इस कला से इतनी प्रभावित हुई कि मैंने डिसीजन लिया कि मुझे एक सेरेमिक आर्टिस्ट ही बनना है और जिसे करने के लिए मैं 12वीं के बाद ग्रेजुएशन नहीं किया, बल्कि एक सिरेमिक आर्टिस्ट के रुप में अपने काम को आगे बढ़ाया और आज करीब पांच सालों से मैं एक प्रोफेशनल सिरेमिक आर्टिस्ट के रुप में काम कर रही हूं, यह कहना है पॉटर्स मार्केट में शामिल हुईं सबसे कम उम्र की बिहू आनंद का।

भोपाल की बिहू ने करीब 50 पॉटर्स को इस एग्जीबिशन में प्रदर्शित किया है। मिट्टी, कला और कल्पना के उत्सव पॉटर्स मार्केट में सिर्फ बिहू ही नहीं बल्कि देश विदेश के करीब 45 पॉटर्स ने अपने हाथों से बनी पॉटरी को एग्जीबिट किया है और सभी के बने आर्ट वर्कके साथ उनकी कहानी भी जुदा है। गौहर महल में जारी इस मार्केट में आर्टिजन ने करीब 1300 डिग्री ताप पर पॉटस को बनाया है।

पॉटरी मार्केट में विभिन्न प्रतिमाएं लोगों को आकर्षित कर रही हैं।

लाइट के साथ कलर्स और परछाइयां अलग ही जादू गढ़ती हैं

कोलकाता से आईं फाल्गुनी भट्ट का कलेक्शन रंगों, परछाइयों और क्रेयीन्स से भरा है। फाल्गुनी कहती हैं मैं अक्सर लेयरिंग में काम करना पसंद करती हूं। डिजाइन तो हो, मगर उसके लेयर हों तो लाइट के साथ कलर्स और परछाइयां अलग ही जादू गढ़ती हैं। बच्चे जब क्रेयॉन्स से कुछ बनाते हैं, तो वे पेंटिंग्स कितनी सुंदर और मासूम लगती हैं। बस, उसी फीलिंग को कैप्चर करने के लिए मैंने भी सिरेमिक क्रॉन्स का इस्तेमाल ग्लेजिंग के बाद किया।

1300 डिग्री से अधिक तापमान पर 4-5 दिन में तैयार होते हैं पॉट्स

पॉटर्स मार्केट में राखी काने ने अपनी दो विशिष्ट सीरीज को दर्शाया है। पहली जापानी ऐनागामा तकनीक से तैयार किए गए पॉट्स हैं, जिन्हें 4-5 दिन तक 1300 डिग्री से अधिक तापमान पर पकाया जाता है। इस प्रक्रिया में ऑक्साइड्स पिघलकर बहने लगते हैं और ग्लेज फ्लो, टियर ड्रॉप्स, राख की परतें व सीपियों जैसे प्राकृतिक टेक्सचर उभर आते हैं, जो कलेक्शन को खास बनाते हैं। दूसरा अनूठे पॉट्स का कलेक्शन। पिलर्स की प्रेरणा उन्हें मध्य प्रदेश के जनजातीय संग्रहालय से मिली, जहां उन्होंने देखा कि अनजातीय समुदाय के देवता एक नक्काशीदार पिलर के रूप में पहचाने जाते हैं। इसी विचार से उन्होंने अपने प्रकृति के देवता गढ़े।

पॉटर्स मार्केट में अलग-अलग प्रतिमाएं आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

11वें रंग त्रिवेणी नाट्य उत्सव में प्रस्तुतियों ने बांधा समां

'रंग संगीत' में मंगलकारी पंचरत्न गणपति स्तोत्रम के साथ भोलाराम की कहानी कहता नाटक 'विदूषक'

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रंग श्री लिटिल बैले में जारी 11 वां रंग त्रिवेणी नाट्य उत्सव में शनिवार की शाम नाटक 'विदूषक' का मंचन किया गया। नाटक में लेखन वी. वा. शिरवाडकर, निर्देशन विशाल आचार्य का रहा, प्रस्तुति सघन सोसायटी फॉर कल्चरल एवं वेलफेयर द्वारा की गई। नाटक से पहले पूर्व रंग में 'रंग संगीत' के अंतर्गत श्री पंचरत्न गणपति स्तोत्रम भगवान गणेश को समर्पित एक अत्यंत मंगलकारी और लोकप्रिय स्तोत्र की प्रस्तुति दी गई। आदि शंकराचार्य द्वारा रचित इस स्त्रोत का पाठ बुद्धि, ज्ञान, सफलता और विघ्नों से मुक्ति प्रदान करने के लिए किया जाता है। इसके बाद नाट्य प्रस्तुति खास रही जिसमें दर्शाया कि स्वयं को समाज में स्थापित करने की अति महत्वकांक्षा और उसके लिए किए गए कठिनतम संघर्षो के पश्चात प्राप्त सफलता और कमाई हुई दौलत शौहरत ने उद्योगपति राज बहादुर को एक संवेदनहीन कठोर व्यक्ति बना दिया है।

रंग श्री लिटिल बैले में पूर्व रंग में रंग संगीत के अंतर्गत मंगलकारी स्त्रोत की प्रस्तुति देते कलाकार।

कथासार

नाटक में दर्शाया कि राज बहादुर इतना कठोर बना कि आज वह एकदम अकेला है और सिर्फ शराब से उसकी दोस्ती है, जिसके प्रमाद में वह अपने बीते हुए दिनों, साथियों और अपने अंदर दबी हुयी इंसानियत को ढूंढने की कोशिश करता है। इसी क्रम में उसके जीवन में एक बियर बार में काम करने वाला वेटर भोलाराम का आगमन होता है। भोलाराम... खुद की तकलीफों और दुःखों को अपने अंदर छिपाए हुए एक ऐसा निश्छल, मस्त मौला और फक्कड़ मिजाज इंसान है जो परोपकार, सदाचार और निस्वार्थ भाव से जीता है और हमेशा सबको खुश रखने, हंसाने में विश्वास रखता है, बिलकुल विदूषक की तरह। भोलाराम सदैव सबकी मदद के लिए तत्पर रहता है। राजबहादुर की कंपनी में काम करने वाले मृतक मजदूर की बेटी अंजलि नायक की पीड़ा और कष्टों से आहत भोलाराम उसकी मदद करने का प्रयास करता है। दूसरी और राजबहादुर की जड़ हो चुकी संवेदना से टकराहट और कुंठाओं और व्यसन की चुनौतियां और उससे जुड़े घटनाक्रम क्या परिणती लेते हैं? इसी की एक सहज हास्य से बुनी बानगी के रुप में दर्शकों के सामने इस नाटक को प्रदर्शित किया।

नाटक के दौरान मंच पर अभिनय करते कलाकार।

मुख्य अतिथि मंत्री इंदर सिंह का परमार का स्वागत करते कॉलेज के पदाधिकारी।

मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

श्री साईं ग्रामोत्थान समिति, मानसरोवर समूह के मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर, श्री साईं इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक रिसर्च एंड मेडिसिन और विश्व आयुर्वेद परिषद् द्वारा फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यशाला का आयोजन किया गया। मानसरोवर मेडिकल कॉलेज हिनोतिया आलम प्रांगण में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में देश भर से आए करीब 300 प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मप्र के आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि 2047 तक भारत को विश्व गुरु बनाने में आयुर्वेद का योगदान सबसे महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की कैबिनेट में आने वाले समय में प्रदेश में विश्व स्तरीय आयुर्वेद महाविद्यालय खोले जाने का निर्णय लिया गया है और इसके लिए चिकित्सकों और प्राध्यापक के पद सृजन भी होंगे।

इसी क्रम में विश्व आयुर्वेद परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ महेश कुमार व्यास ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि सही चिकित्सा तभी संभव है जब चिकित्सकों और प्राध्यापकों को सही निर्देशन मिले। प्रमुख वक्ता डॉ. किरण टवलारे ने योग्यता उत्कृष्टता के लिए मुख्य मानचित्रण प्रस्तुत किया।

मध्यप्रदेश लेखक संघ की प्रादेशिक बाल साहित्य पद्य-गद्य गोष्ठी आज

भोपाल। मध्यप्रदेश लेखक संघ द्वारा प्रादेशिक बाल साहित्य पद्य-गद्य गोष्ठी का आयोजन आज अपराह्न 2 बजे से दुष्यन्त कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय में महेश सक्सेना, संस्थापक, बाल साहित्य शोध केंद्र के मुख्य आतिथ्य, मालती बसंत, वरिष्ठ बाल साहित्यकार के सारस्वत आतिथ्य, डॉ रामवल्लभ आचार्य, संरक्षक मध्यप्रदेश लेखक संघ के विशिष्ट आतिथ्य एवं राजेंद्र गट्टानी, अध्यक्ष मध्यप्रदेश लेखक संघ की अध्यक्षता में आयोजित है। गोष्ठी में प्रदेश के चर्चित बाल साहित्यकार राजेंद्र श्रीवास्तव, विदिशा, मनोज जैन मधुर, भोपाल, निरंजन स्वरूप गुप्ता, खरगोन, सुनीता यादव, भोपाल सहित बड़ी संख्या में सुधिजन उपस्थित होंगे।

आईपीएस स्कूल में 'क्यूट बेबी शो 2025' का आयोजन

2 से 6 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों ने रचनात्मक थीम में भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में शनिवार की शाम 'क्यूट बेबी शो 2025' के द्वारा बच्चों के लिए अनूठी और रोमांचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें नन्हे मुन्ने बच्चों की प्रतिभा, मासूमियत और आत्मविश्वास को एक सुंदर मंच प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के लिए विभिन्न आकर्षक श्रेणियां एवं गतिविधियां रखी गई, जिनके माध्यम से उनकी स्वाभाविक अभिव्यक्ति और व्यक्तित्व को निखारने का अवसर मिला। कार्यकम में 2 से 6 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों ने विविध और रचनात्मक थीम में भाग लिया। साथ ही प्रतियोगिताओं को चार अलग-अलग श्रेणियों में प्रदर्शित किया गया। रैंप वॉक थीम, माता/पिता और बच्चे की फैशनेबल जोड़ी, हेल्दी फूड या जंक फूड वॉक, विश्व के सर्वेत्कृष्ट राजनेता (पॉलिटिकल लीडर्स), स्वदेशी उत्पादों पर विज्ञापन (एड. मैड) वॉक।

आईपीएस स्कूल में कार्यक्रम में इन छोटे-छोटे बच्चों ने हिस्सा लेकर सबको आश्चर्य से भर दिया।

विश्वरंग टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव का सातवां संस्करण 27 से

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा परिकल्पित विश्वरंग टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव का 7वां संस्करण 27 से 30 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है। प्रेस वार्ता 25 नवंबर को दोपहर 12 बजे कोर्टयार्ड बाय मैरियट में होगी। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, निदेशक विश्वरंग वरिष्ठ साहित्य संस्कृतिकर्मी संतोष चौबे, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विवि के चांसलर और विश्वरंग सह निदेशक डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, प्रो. चांसलर और विश्वरंग की सह निदेशक डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के निदेशक डॉ. जवाहर कर्नावट, टैगोर विश्वकला केंद्र के निदेशक विनय उपाध्याय एवं संस्कृति विभाग से प्रतिनिधि संबोधित करेंगे।

नार्मदीय भवन में दो दिनी दयालबाग उत्पादन प्रदर्शनी का शुभारंभ

भोपाल। दो दिवसीय दयालबाग उत्पादन प्रदर्शनी का शुभारंभ शनिवार को नार्मदीय भवन में किया गया, मुख्य अतिथि ओ. पी. रावत से वा नि वृ त्त आईएएस इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में के रूप में बसंत कुर्रे, आईएएस, अपर सचिव, श्रम विभाग, उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ। इसमें हैंडलूम के कपड़े, शर्टिंग, चादरें व बैड कवर विभिन्न प्रकार की साड़ियां एक्जीबिट की गईं।

- हैंडलूम के कपड़े, चादरें और साड़ियां हुईं एक्जीबिट

समन्वय भवन में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए युवती।

मेपेक्स-2025 में भोजताल नर्मदा पर आधारित विशेष आवरण का विमोचन

राजधानी की पहचान भोजताल और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर नर्मदा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

14वीं राज्य स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी 'मेपेक्स 2025' के दूसरे दिन समन्वय भवन में बच्चों के लिए आयोजित फिलाटेली कार्यशाला, क्विज़ और सांस्कृतिक कार्यक्रम खूब सराहे गए। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, अभिभावकों और संग्रहकर्ताओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जहां डाक टिकटों की रंग-बिरंगी दुनिया आकर्षित कर रही है, वहीं संस्कृति की अनूठी झलक भी देखने को मिल रही है। बच्चों द्वारा प्रस्तुत भरतनाट्यम, कथक एवं अन्य नृत्य, स्कूलों के छात्र-छात्राओं की विज़िट, बच्चों की क्विज़ व पज़ल प्रतियोगिताएं कार्यशाला को और भी रोचक एवं ज्ञानवर्धक बना रही हैं।

शिव पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति।

राजधानी की पहचान भोजताल और प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर नर्मदा नदी पर आधारित दो विशेष आवरणों का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि विनीत माथुर, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल ने बताया कि फिलाटेली केवल संग्रह नहीं, बल्कि संस्कृति और इतिहास से जुड़ने का माध्यम है। वही दूसरे सत्र में नर्मदा नदी पर विशेष आवरण के साथ उन्होंने 'मां रेवा' को मध्यभारत की जीवनरेखा बताया, जो तीन राज्यों को जल व विद्युत की आपूर्ति करती है। उन्होंने बच्चों से फिलाटेली क्लबों से जुड़कर ज्ञान बढ़ाने की अपील की।

मध्यप्रदेश को बनाएं वैज्ञानिक अनुसंधान का हबः मंत्री सारंग

राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शनिवार खेल युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश के केन्द्र में है यहां की सारी परिस्थितियां विज्ञान अनुसंधान के अनुकूल है। इस लिए केन्द्र सरकार मध्यप्रदेश को विज्ञान अनुसंधान हब के रूप में विकसित कर सकता है। यहां देश के अन्य राज्यों में हो रहे वैज्ञानिक अनुसंधानों से बेहतर समन्वय किया जा सकता है। उन्होंने प्रदेश में बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के आयोजन को महत्वपूर्ण क्षण बताया।

भोपाल में 59वीं बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के समापन समारोह को संबोधित किया। बाल विज्ञान प्रदर्शनी में 23 राज्यों 7 केन्द्र शासित प्रदेशों और 7 अन्य राष्ट्रीय संस्थानों के 800 से अधिक बाल वैज्ञानिक और शिक्षकों ने संयुक्त रूप से 240 साइंस मॉडल प्रदर्शित किये। इस मौके पर महापौर भोपाल नगर निगम मालती राय भी मौजूद थी। बाल वैज्ञानिकों में भारत की उज्ज्वल तस्वीर मंत्री सारंग ने कहा कि बाल वैज्ञानिकों ने साइंस पर केनद्रित नवाचार करते हुए मॉडल प्रदर्शित किये हैं। इससे हमें भारत के भविष्य की उज्ज्वल तस्वीर दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि बाल वैज्ञानिकों को सतत प्रोत्साहन दिया जाये तो इनमें से किसी को भी नोबल पुरस्कार मिल सकता है। सचिव संजय कुमार ने अंग्रेजी को एक विषय के रूप में पढ़ने और अधिक से अधिक भाषाओं के सीखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश में जो बच्चा पहली कक्षा में आता है वह कम से कम 12वीं कक्षा तक अनिवार्य रूप से पढ़ाई करे। केन्द्रीय सचिव संजय कुमार ने बच्चों को स्कूल में आनंद पूर्ण माहौल में शिक्षा दिये जाने की भी बात कही। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली दिनेश प्रसाद सकलानी, निदेशक राष्ट्रीय नवप्रर्वतन प्रतिष्ठान गांधी नगर गुजरात डॉ. अरविंद सी. रानाडे, एनसीईआरटी प्रो. सुनीता फरक्या ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में सचिव स्कूल शिक्षा संजय गोयल, संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के समापन समारोह में मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय एवं अधिकारी।

बाल वैज्ञानिकों को सम्मानित करते अतिथि।

बदल रहा मौसम का मिजाज
बढ़ती गर्मी-घटती सर्दी

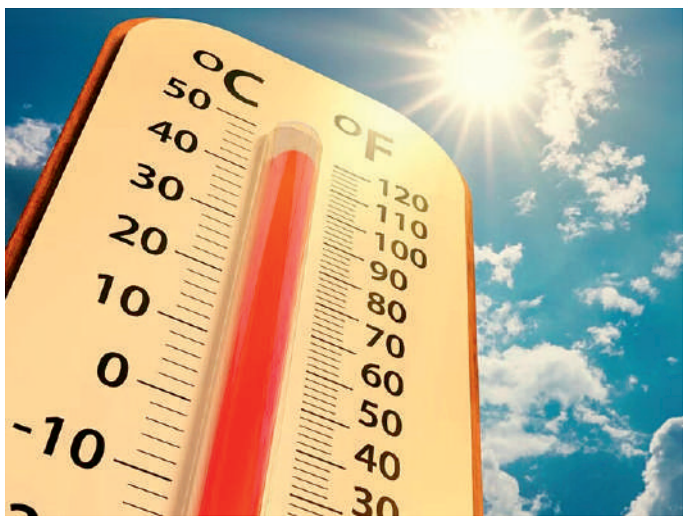

हालांकि इस वर्ष आने वाले दिनों के लिए कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना बताई जा रही है। लेकिन जिस तरह से मौसम का मिजाज वैश्विक स्तर पर बदल रहा है, उससे आगामी वर्षों में सर्दी की अवधि और उसकी तीव्रता घटती जाएगी। इसके उलट वर्ष कम होगी और गर्मी की तपिश बढ़ती जाएगी। इसके कई दुष्प्रभाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में प्रभावी नीति बनाने के साथ सामूहिक प्रयास भी करने होंगे।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

सर्दी धीरे-धीरे बढ़ रही है। मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार आने वाले दिनों में उत्तरी भारत में प्रबल शीत लहर की आशंका है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस साल जबरदस्त ठंड पड़ेगी। वजह होगी पर्याप्त वर्षा और अलनीनो प्रभाव। मगर क्या इस दौरान हम कड़कड़ाती सर्दियों वाले दिनों के लंबे दौर भी देखेंगे? यह भी आशंका है कि ठेठ ठिठुरन वाले दिन कुछ कम ही रहेंगे। सर्द रातों और ठंडी हवाओं का कम होना, केवल मौसम का प्रश्न नहीं बल्कि जीवन के संतुलन से भी जुड़ा है। यदि सरकारों ने वैज्ञानिक नीतियों को जनजीवन से जोड़ने की गति नहीं बढ़ाई और आम लोगों ने जरूरी सहभागिता नहीं की तो आने वाले वर्ष 2100 तक भारतीय उपमहाद्वीप का मौसम ऐसा होगा, जहां 'गर्मी ही सामान्य' और 'सर्दी एक दुर्लभ अनुभव' रह जाएगी।

आने वाले वर्षों में घटेगी सर्दी

संयुक्त राष्ट्र संघ एन्वॉयर्नमेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट की रिपोर्ट बताती है कि 1980 से 2020 के बीच यानी चालीस सालों में बेहद ठंडी रातों और अत्यंत सर्द दिनों की संख्या में चार गुना की कमी आई है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते जमीनी सतह का तापमान बढ़ने से बाकी दिनों में भी ठंड सामान्य ही रह रही है। ऐसे में घने कोहरे वाले दिन भी साल दर साल घट रहे हैं। यदि मौजूदा रुझान जारी रहा तो साल 2050 तक भारत में भीषण सर्दी वाले दिनों में 60 से 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आने और गर्मी वाले दिनों में तीन गुना बढ़ोत्तरी की आशंका है।

ठंड की अवधि होती जाएगी कम

नेचर पत्रिका के अध्ययन के अनुसार 2080 से 2100 के बीच गर्म दिनों और रातों की घटनाएं सात गुना तक बढ़ेंगी। इस कारण 'कड़ाके की ठंड के दिन' लगभग विलुप्त हो सकते हैं। फिलहाल यह तय है कि अब सर्दियां 'पिछली शताब्दियों जैसी लंबी और स्थायी' नहीं होंगी। ठंड की अवधि कुछ कम और तीव्रता अस्थाई रहेगी। अल्पकालिक मौसमी उतार-चढ़ाव बने रहने के साथ सर्दी में भी कभी-कभी बारिश, गर्मी और पश्चिमी विक्षोभ के जैसे मौसम के अतिरेकी तेवर देखने को मिलेंगे। पांच-सात दशकों के बाद सर्दी का लगभग लोप हो जाना भविष्य के लिए कितना विनाशकारी होगा, इसका अंदाजा भी भयावह है।

बदल रहा है मौसम का चक्र

इस बात के संकेत अब स्पष्ट होने लगे हैं कि हिमालय से लेकर दक्षिण तक मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है। भारत 'गर्मी प्रधान देश' बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में कई जगहों पर बीते एक-दो दशकों के बीच तापमान में सामान्यतः तीन डिग्री तक की बढ़त देखी गई है। कमोबेश यही हाल हिमाचल और कश्मीर का भी है। वैज्ञानिकों के अनुसार भारत में न्यूनतम तापमान प्रति दशक औसतन 0.2 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ता जा रहा है। इसका मतलब है कि ठंडी हवाएं चलने की अवधि सिमटती जा रही है, जबकि गर्म रातें अब लंबी चलती हैं। इसका नतीजा यह है कि मिट्टी में नमी दिन-प्रतिदिन घट रही है। पेड़ कटने से हवा की नमी भी कम हो रही है। उधर जलस्रोत सूख रहे हैं, तो नदियों और पहाड़ी जलस्रोतों का पुनर्भरण कम हो रहा है और इसके चलते वर्षा चक्र अस्थिर हो गया है।

फसलों पर दिख रहा असर

हिमालयी और पर्वतीय राज्यों में इसका असर अब साफ दिख रहा है। सेब, केसर और बागवानी की अन्य फसलें जो ठंडी रात-दिन के अंतर पर निर्भर हैं, उनका उत्पादन गिरने लगा है। सेब के फूल बिन मौसम खिल जा रहे हैं, तो उनके पकने और रसीले होने के लिए जो कड़क सर्दी चाहिए, वह उनको लगातार कुछ दिनों तक नहीं मिल रही, सो गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ रहा है। किसान अब कम ऊंचाई पर 'ऊष्णकटिबंधीय फसलें', बाजरा और मक्का उगाने को मजबूर हैं, जिससे पहाड़ी कृषि की पारंपरिक पहचान मिटती जा रही है। फूलों और औषधीय पौधों की जैवविविधता भी खतरे में है, उनकी रासायनिक गुणवत्ता, औषधीय प्रभावशीलता भी कम हो रही है, क्योंकि तापमान बढ़ने से परागण और फूलने का समय असंतुलित हो गया है, उनके रासायनिक संघटक बदल जा रहे हैं।

स्वास्थ्य-पर्यावरण पर पड़ेगा असर

पर्यावरणविद और मौसम विज्ञानी दोनों इस बात पर सहमत हैं कि बदलते मौसम की वजह से नमी विहीन सूखी गर्म हवाओं की अवधि 2050 तक दोगुनी हो सकती है। यह बदलाव खेती किसानी से लेकर जीवन के लिए आवश्यक जैविक सूक्ष्मजीवों के पनपने में असंतुलन तो पैदा करेगा ही, साथ ही कीट-रोगों के फैलाव जैसी समस्याएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 2030 तक भारत में गर्मी से उपजी बीमारियों से मरने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ सकती है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां नए क्षेत्रों में भी पैर पसारेंगी। विशेष रूप से वृद्धजन, बच्चे और मजदूरी करने वाले सबसे अधिक जोखिम में हैं। जाहिर है इस प्रक्रिया से जनधन दोनों को बहुत नुकसान होगा। जंगलों में आग को भी इससे हवा मिलेगी। इस तरह सर्द रातों का घट जाना सिर्फ मौसम परिवर्तन नहीं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन के अस्थिर होने का संकेत है।

होगा भारी आर्थिक नुकसान

भीषण सर्दी वाले दिनों के दौर कम होने से पैदा जलवायु असंतुलन का सीधा नुकसान अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तंत्र पर पड़ेगा। बताते हैं, वैश्विक तापमान में चार डिग्री सेल्सियस का इजाफा, अर्थव्यवस्था को 40 फीसदी कमजोर कर देगा। अनुमान है कि जलवायु आपदाओं के कारण देश को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 फीसदी तक घट सकता है। अगर दुनिया वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखने में सफल भी हो जाती है, तो इसकी वजह से प्रति व्यक्ति औसत जीडीपी में 16 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

बढ़ेंगी प्राकृतिक आपदाएं

घटती सर्दी, बढ़ती गर्मी के कारण श्रम उत्पादकता में कमी, जीडीपी को कम करेगी। फ्लैश फ्लड, बादल फटने एवं बाढ़ तथा भू-स्खलन की घटनाओं की संख्या और भयावहता दोनों बढ़ेंगी तो अवसंरचना को नुकसान होगा। इसका परोक्ष प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। *

बनना होगा एन्वॉयर्नमेंटल कॉन्शस

एन्वॉयर्नमेंटल मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्टों ने भारत की जलवायु को लेकर जो गंभीर चेतावनी दी है, उसके प्रति सरकार और जनमानस में कितनी चिंता है, इसके प्रति उनका सरोकार कैसा है यह तो निकट भविष्य में पता चलेगा। लेकिन अब समय आ गया है कि सरकारों को इसके लिए बहुस्तरीय तैयारी करनी होगी। शहरों में 'ग्रीन बेल्ट' और कूलिंग-कॉरिडोर नीति को अनिवार्यतः लागू करना होगा। पर्वतीय राज्यों में जलवायु अनुकूल कृषि, जल संरक्षण, ग्लेशियर तथा निगरानी प्रणालियां बढ़ानी होंगी। शहरी इलाकों में हरित आवरण, वर्षा जल संचयन और ऊर्जा दक्ष भवनों को बढ़ावा देना होगा। जलवायु परिवर्तनों को सह सकने वाली फसलों के अनुसंधान को बढ़ावा मिलना चाहिए। जंगलों की कटाई पर रोक लगे। पर्यावरणीय चेतना को प्राथमिकता दिए बिना इस आसन्न संकट से बचाव कठिन है।

हम जैसा भोजन करते हैं, उससे हमारे स्वास्थ्य पर ही नहीं पर्यावरण पर भी असर होता है। कई स्टडीज में साबित हुआ है कि प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट, हमारी हेल्थ और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। इस बारे में जानिए।

प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट
स्वस्थ जीवन-सुरक्षित पर्यावरण

जीवनशैली
मोनिका सिन्हा

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में जहां जंक फूड, नॉनवेज फूड्स और अत्यधिक प्रिजर्व्ड फूड्स हमारी थाली का हिस्सा बन चुकी हैं, वहीं वैज्ञानिक शोध बार-बार यह सिद्ध कर रहे हैं कि प्लांट आधारित भोजन यानी पौधों से उत्पन्न होने वाली डाइट, हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम भी काफी हद तक कम करता है।

स्टडीज में हुआ खुलासा: जुलाई 2024 में वी. वियालोन और उनके सह-लेखकों द्वारा प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में यह बताया गया कि जिन लोगों की जीवनशैली में धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन, असंतुलित खान-पान और अनियमित नींद जैसी आदतें शामिल नहीं थीं, उनमें टाइप 2 डायबिटीज, कैंसर और हृदय संबंधी रोगों का खतरा बहुत कम पाया गया। यह अध्ययन 'स्वस्थ जीवनशैली सूचकांक' पर आधारित था और इसका उद्देश्य यह समझना था कि व्यक्ति की आदतें उसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव डालती हैं।

कई बीमारियों से बचाए: प्लांट बेस्ड डाइट के फायदों को जानने की दिशा में किए गए डॉ. डी सुब्रमणियन के एक रिसर्च पेपर में यह बताया गया कि पौधों पर आधारित आहार लेने वाले लोगों में कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है। इस अध्ययन में डेनमार्क, दक्षिण कोरिया, स्पेन और ब्रिटेन सहित कई देशों के लगभग चार लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों और मेवों पर आधारित भोजन लेते हैं, उनमें 'मल्टीमॉर्बिडिटी' अर्थात एक साथ दो या अधिक दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा, काफी घट जाता है। शोध में यह भी पाया गया कि प्लांट आधारित आहार इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है, जिससे शरीर में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित रहता है और मेटाबॉलिक बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है।

कई पोषक तत्वों से होता है भरपूर: पौधों पर आधारित आहार उच्च फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है और कोशिकाओं को क्षति से बचाता है। अध्ययन से यह भी सिद्ध हुआ कि जो लोग नियमित रूप से फल, सब्जियां और अनाज का सेवन करते हैं, उनमें बीपी, कोलेस्ट्रॉल, स्ट्रोक, हृदयाघात और टाइप 2 डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है।

होता है ईकोफ्रेंडली: प्लांट आधारित भोजन का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है। मीट, मछली और अंडे जैसे पशु आधारित भोजन की तुलना में पौधों पर आधारित भोजन से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत कम होता है। इसका सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संतुलन से है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टि से मेडिटेरेनियन आहार को दुनिया के कई देशों में स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, परंतु उसमें मछली और चिकन का उपयोग होता है। इसके विपरीत वीगन आहार में किसी भी पशु उत्पाद यहां तक कि दूध का भी उपयोग नहीं किया जाता। इस दृष्टि से प्लांट आधारित या वीगन आहार स्वास्थ्य के साथ-साथ नैतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अधिक उपयुक्त माना जाता है।

करना चाहिए प्रोत्साहित: अगर हम भारत की बात करें तो यहां लगभग 35 प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। वे अनाज, दालें, फल और सब्जियों को अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करते हैं। इनमें से कुछ लोग दूध और दुग्ध उत्पाद भी लेते हैं, जबकि लगभग 10 प्रतिशत लोग पूरी तरह वीगन डाइट लेते हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि भारत की शहरी आबादी का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह से पीड़ित है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्री डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अस्वस्थ खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। अब समय आ गया है कि हमारे नीति निर्माता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और आम नागरिक प्लांट आधारित आहार के महत्व को समझें। विद्यालयों, कार्यस्थलों और अस्पतालों में प्लांट आधारित भोजन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लोगों को यह बताया जाना आवश्यक है कि मांस और तले हुए भोजन की जगह ताजे फल, सब्जिया, दालें और साबुत अनाज को अपनी थाली में शामिल करना फायदेमंद है। वर्तमान समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में प्लांट आधारित भोजन केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आवश्यकता है। यह न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नैतिक जीवनशैली की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। अब समय है कि हम अपने भोजन के प्रति सचेत हों। प्लांट आधारित भोजन को अपनाकर हम न केवल अपना स्वास्थ्य सुधार सकते हैं, बल्कि धरती को भी अधिक सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। *

नवगीत
डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बेवा जैसी रातें

दिन पाए हैं ऊसर जैसा
बेवा जैसी रातें
काट रहे हैं हर लम्हे को
बेमन से अकुलाते।

जहर उगलते रहे हमेशा
समझे जिनको चंदन
व्यर्थ गई पूजा-उपासना
व्यर्थ गया हर वंदन
सारा जीवन होम कर दिया
फिर भी नहीं अघाते।

रोज हवाएं लाया करतीं
हैं खबरें भड़कीली
छाया है आतंक दिलों में
सबके पास है तीली
ताने मारा करती हैं अब
ऋतुएं आते-जाते।

मुंह में राम बगल में छुरी
लेकर सब चलते हैं
मान चुके हैं जिनको अपना
उनको भी खलते हैं
पीछे लोग किया करते हैं
किसिम-किसिम की बातें।

लघुकथाएं

कंपोस्ट

समाज सेवा के क्षेत्र में बृजेश जी के योगदान से प्रभावित वह उनसे मिलने उनके घर पहुंचा। लेकिन वहां पहुंचकर उसे बृजेश जी के व्यवहार और जीवनशैली में अलग ही रंग नजर आया।

दो सौ पांच .. दो सौ छह.. और यह दो सौ सात पता तो यही है, लेकिन यह मकान तो नहीं लग रहा।' मकान खोजते हुए मैं सोच रहा था। तभी नेमप्लेट पर नजर पड़ी- ब्रजेश आहूजा 'हम्म यही है।'

दरअसल, आठ-नौ वर्ष बाद मैं इस इलाके में आया था। इस बीच ये साधारण-सा घर न केवल सिंड्रेला की तरह कीमती लिबास पहन चुका था, बल्कि साथ वाले दो सौ आठ नंबर को डकार कर खासा मुटिया भी गया था। मकान की चार दीवारी के अंदर से झांकते अशोक के छोटे-छोटे पेड़ मानो, मुझे पहचानने की कोशिश कर रहे थे।

'जब मैं पिछली बार आया था तब तुम नहीं थे।' मैंने भी जतला दिया और घर के दरवाजे पर लगी घंटी बजा दी। ब्रजेश जी वर्षों से समाज-सेवा के लिए समर्पित हैं। गरीबों, बेसहारों और वंचितों के लिए तीन तो एनजीओ चलाते हैं, और इनके अतिरिक्त भी कई संस्थाओं के परामर्श-मंडल में शामिल हैं। आए दिन इस पुण्य कर्म हेतु पुरुस्कृत और सम्मानित भी होते रहते हैं। आज भी मैं अपनी संस्था द्वारा दिए जा रहे सम्मान का निमंत्रण लेकर ही उनके घर पर आया था।

गेट खुलने में ज्यादा देर नहीं लगी। खोलने वाला अशोक के पेड़ों से पुराना था, सो उसने आदर से अंदर आने के लिए कहा। अंदर घुसते ही मकान के वैभव से थोड़ी चमत्कृत-सी आंखें इधर-उधर टोहने लगीं तो बृजेश जी अपने बगीचे के एक कोने में खड़े नजर आए। शाम के छह बज रहे थे। एयर कंडीशनर की ठंडी हवा खाने के अरमान को जब्त करते हुए मैंने बृजेश जी का अभिवादन किया और अपने चेहरे पर उभर आया पसीना पोंछते हुए यह बोल ही दिया, 'बृजेश जी! इतनी गर्मी में घर से बाहर यहां?'

'अरे! आओ-आओ मित्र! हम तो सेवक ठहरे। हमारे लिए क्या गर्मी वर्मी, वैसे कंपोस्ट बना रहे हैं। सरकार तो अब जागी है, हम तो कब से पर्यावरण के लिए प्रयासरत हैं।' उन्होंने सगर्व कहते हुए अपने सामने खोदे गए लगभग तीन फीट गहरे और ढाई फीट चौड़े एक गड्ढे की ओर संकेत किया। तभी घर के अंदर से उनका बावर्ची एक थाली में सब्जियों और फलों के ढेर सारे छिलके लाया और उस गड्ढे में डाल कर चला गया। तब तक माली बगीची से बटोरी सूखी पत्तियां ले आया था। उसने वो पत्तियां उस गड्ढे में डालीं और फिर बृजेश जी के इशारे पर उस पर मिट्टी की एक मोटी परत लगा दी।

'ये जैविक कचरा भी न, बड़े काम का होता है। ये जो लहलहाती बगिया देख रहे हो न, ये इसी से बनी कंपोस्ट का कमाल हैं।' बृजेश जी मुझे बताने लगे। तभी, उनके सेकरेट्री ने एनजीओ के किसी विदेशी दानकर्ता के कॉल पर होने की सूचना देते हुए फोन उनके हाथों में पकड़ा दिया। वो फोन पर बात करते हुए 'हे..हे..' करते हंस रहे थे और मेरी नजर बगिया से हटकर अब उनकी आलीशान कोठी पर टिक गई थी। *

- शोभना श्याम

सच्चाई

एआई इमेज

देखो नीलिमा, मुझे गांव जाना ही पड़ेगा। पिताजी इस दुनिया में नहीं रहे। उनके अंतिम संस्कार में तो नहीं जा पाया था लेकिन अब तेरहवीं में तो कम से कम जाना ही पड़ेगा। अरे भई, दुनिया को दिखाने के लिए जाना ही पड़ेगा। वरना लोग मुझे क्या कहेंगे? तुम बेबी के बर्थ-डे पार्टी को अच्छी तरह अरेंज कर लेना।'

तभी आठ वर्षीया बेबी वहां दौड़ती हुई आई और पापा से लिपटते हुए बोली, 'पापा आप कहां जा रहे हैं, मेरी बर्थ-डे पार्टी में आप नहीं रहेंगे क्या?'

यह सुनकर नीलिमा ने क्रोध भरे स्वर में कहा, 'तुम्हारे पापा अपने पिताजी की मरनी में जा रहे हैं। इन्हें तो हमारी कोई फिक्र ही नहीं है। अरे ऐसे व्यक्ति के मरने-जीने से हमें कोई मतलब नहीं रखना चाहिए। तुम्हारे पिताजी ने अपनी पूरी जमीन-जायदाद तुम्हारे छोटे भाई के नाम कर दी। तुम्हें क्या मिला? फिर भी तुम पिता की तेरहवीं में जाने के लिए परेशान हुए जा रहे हो।' अपने दादाजी के लिए मम्मी के मुंह से कटु वचन सुनकर बेबी को अच्छा नहीं लगा। वह रोते हुए अपनी मम्मी से बोली, 'दादाजी कितने अच्छे थे। एक बार यहां आए थे तो मुझे और चीकू भैया को कितना प्यार करते थे। हमें अच्छी-अच्छी कहानियां सुनाया करते थे। मैं भी पापा के साथ गांव जाऊंगी।'

नीलिमा ने गुस्से में कहा, 'बेबी तुम कहीं नहीं जाओगी। तुम्हारा बर्थ-डे है न। गांव में तुम्हारे पापा, चाचा सब देख लेंगे।'

'मम्मी, आप इसलिए नाराज हो न दादाजी से कि उन्होंने पापा को जमीन नहीं दिया। चाचू को सब दे दिया। पर दादाजी क्या करते। आप लोग तो दादाजी को यहां बुलाते भी नहीं थे, न ही गांव उनसे मिलने जाते थे। चाचू तो दादाजी को हॉस्पिटल ले जाते थे, उनकी अच्छी तरह देखभाल करते थे।'

कुछ ठहरकर बेबी ने बड़ी मासूमियत से पूछा, 'मम्मी, क्या पापा के मरने पर चीकू भैया भी नहीं आएंगे।' यह सुनकर बेबी के मम्मी-पापा अवाक रह गए। *

-डॉ. शैल चंद्रा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रकृति से आबद्ध काव्याभिव्यक्तियां

वर्तमान हिंदी काव्य परिदृश्य में ज्ञानेंद्रपति, वरिष्ठतम पीढ़ी के प्रतिष्ठित कवियों में शामिल हैं। वह जीवन-संवेदना की जिस भावभूमि पर उतरकर कविता रचते हैं, उनकी अभिव्यक्ति दार्शनिक आख्यान बन जाती है। इस बात को प्रमाणित करती हैं, हाल में छप कर आए उनके नवीनतम कविता संग्रह 'प्रकृति और कृति' की कविताएं। यहां उनकी कविताओं में प्रकृति के तमाम घटक सहजता से आवाजाही करते हैं और हमें कुदरत को देखने का सर्वथा नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। *'तुम चले गए/और तुम्हारे साथ मेरे जीवन का संगीत चला गया।'* (एक चिड़े के लिए अशोक गीत) और *'निफूले जीवन में भी/किसी फूल की सुगंध उठकर/नथुनों तक आती है/कभी कभी'* (चुपचाप) जैसी पंक्तियां इस बात का सघनता से अहसास कराती हैं कि प्रकृति से दूर होकर हमारा जीवन, निरंतर जीवंतता खोता जा रहा है। कितने मनोहारी और आनंदमयी अनुभूतियों से हम वंचित होते जा रहे हैं। कुछ कविताओं में वे बिल्कुल अलग तेवर में अपनी बात को पूरी सशक्तता से हमारे सामने रखते हैं। *'किताबें मनुष्यता की रीढ़ की उदग्र हड्डी बन चुकी हैं/ कोई भी अमानुषिक ताकत जिसे क्षत-विक्षत कर ले/क्षैतिज नहीं कर सकती।'* (मनुष्यता की रीढ़) *

पुस्तकः प्रकृति और कृति (कविता संग्रह), **रचनाकारः** ज्ञानेंद्रपति, **मूल्यः** 350 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

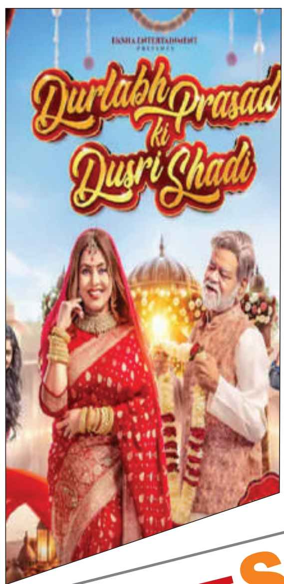

संजय और महिमा की फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' 19 को होगी रिलीज...

मुंबई। अभिनेता संजय मिश्रा और महिमा चौधरी आगामी रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' से खूब चर्चा बटोर रहे हैं। फिल्म का पोस्टर पहले जारी हो गया था। अब निर्माताओं ने नया पोस्ट जारी करते हुए फिल्म की रिलीज तारीख बताई है। फिल्म के निर्देशन की कमान सिद्धांत राज ने संभाली है। एकांश बच्चन और हर्ष बच्चन निर्माता हैं। 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' के पोस्टर ने लोगों को उत्साहित कर दिया है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का मोशन पोस्टर जारी किया गया है, जिसमें महिमा दुल्हन के अवतार में हैं। वहीं संजय वरमाला लिए उनकी ओर देखते नजर आ रहे हैं। 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' अगले महीने 19 दिसंबर को सिनेमाघरों में रुख करने के लिए तैयार है।

लाइफ Style

दीपिका
बनी थीं पहली ग्लोबल एंबेसेड

एजेंसी ▶▶| मुंबई

दीपिका पादुकोण सच में एक ग्लोबल आइकन हैं। जिस तरह वो भारतीय सिनेमा को इतनी शान और आत्मविश्वास के साथ दुनियाभर में लेकर गई हैं, वो कमाल है। उनकी अपनी अलग स्टाइल, जबरदस्त परफ़ॉर्मेंस और उनकी नैचुरल करिश्मा ने उन्हें दुनिया भर में पसंद किया जाने वाला चेहरा बना दिया है।

फिल्मों से लेकर बिज़नेस तक, मेट गाला से लेकर फीफा वर्ल्ड कप तक, और यहां तक कि ऑस्कर तक दीपिका लगातार दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन करती रही हैं। एक ऐसी एक्ट्रेस के तौर पर, जिसने कई और लोगों को दुनिया भर में चमकने का रास्ता दिखाया, दीपिका ने अपने सफर में बहुत लंबा रास्ता तय किया है। आज वह गर्व के साथ 'ग्लोबल इंडियन' कहलाती हैं और इसे वह अपनी नहीं बल्कि हम सबकी जीत मानती हैं। दीपिका, जो एक तरह से शुरुआत करने वाली रहीं, उन्होंने दुनिया भर के बड़े-बड़े लग्ज़री ब्रांड्स में भारत की बढ़ती पहचान को आगे बढ़ाने में बहुत अहम भूमिका निभाई है। वह पहली भारतीय थीं जिन्हें दुनिया के मशहूर और महंगे फैशन ब्रांड्स लुई वुइटन और कार्टियर ने अपना चेहरा बनाया। इसी से उन्होंने भारत की बढ़ती पहचान के लिए रास्ता तैयार किया और आने वाले सालों में बाकी भारतीय सितारों के लिए भी ये दरवाज़ा खोल दिया, ताकि वे भी इस नई लहर का हिस्सा बन सकें। एक इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि "एक एक्टर और बिज़नेसवुमन के तौर पर आपने सच में भारत को दुनिया के बड़े मंच तक पहुँचाया है।

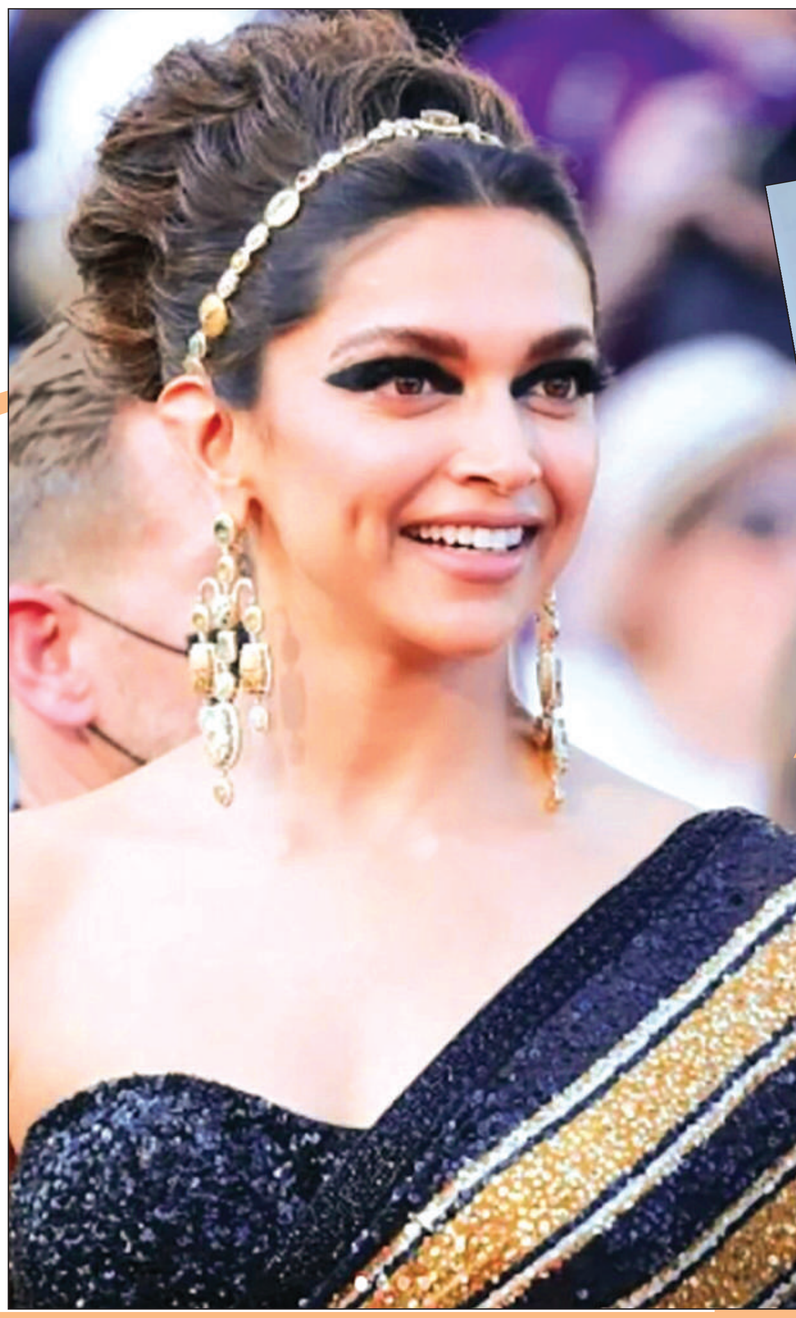

हॉलीवुड मसाला

मिस यूनिवर्स के खिताब से चूकीं मनिका

लॉस एंजिल्स। थाईलैंड में मिस यूनिवर्स 2025 का आयोजन हुआ। इसमें मैक्सिको की मॉडल फातिमा बॉश ने जीत दर्ज की। पेजेंट में दुनियाभर की सुंदरियों के साथ भारत की मनिका विश्वकर्मा ने भी हिस्सा लिया। उनका ताल्लुक राजस्थान से है। इस बार मिस यूनिवर्स की प्रतियोगिता में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। वह पेजेंट के टॉप 12 पार्टिसिपेंट्स में जगह नहीं बना सकीं। मनिका विश्वकर्मा की मिस यूनिवर्स के लिए दावेदारी काफी मजबूत मानी जा रही थी। उन्होंने पेजेंट में टॉप 30 में जगह बना ली थी। हालांकि टॉप 12 में वह जगह नहीं बना सकीं।

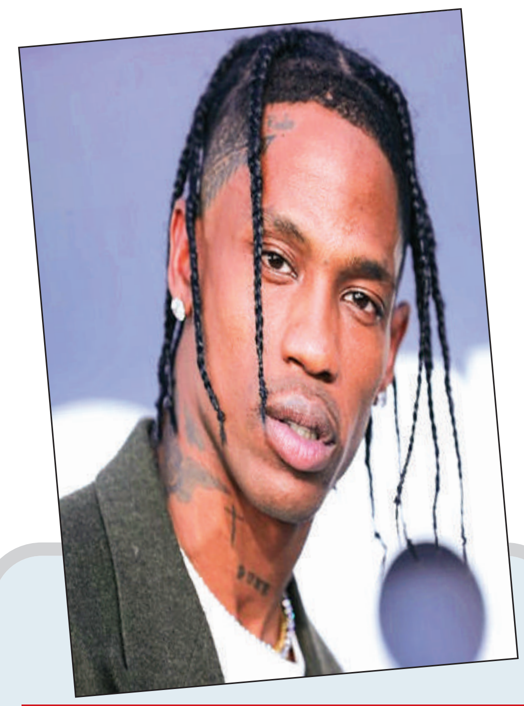

रैपर ट्रैविस स्कॉट के साथ जमकर झूमे फैंस...

मुंबई। अपनी धुन पर पूरी दुनिया को झूमने पर मजबूर करने वाले मशहूर रैपर ट्रैविस स्कॉट इन दिनों भारत में हैं। दिल्ली में उनके कार्यक्रम को अच्छा रिस्पॉन्स मिला। इसके बाद मुंबई में उनका कॉन्सर्ट हुआ। इस कॉन्सर्ट में बड़ी संख्या में उनके फैंस पहुंचे और उनके साथ झूमते-गाते नजर आए। इस कॉन्सर्ट के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि ट्रैविस स्कॉट गाना गा रहे हैं साथ में डांस कर रहे हैं। उन्होंने वेस्टर्न आउटफिट पहना है और चश्मा लगाया है। रैपर के साथ उनके फैंस भी झूम रहे हैं। ट्रैविस स्कॉट के कॉन्सर्ट से एक दूसरा वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें कुछ कर्मचारी फैंस पर मशीन से पानी छिड़क रहे हैं। दावा है कि ज्यादा लोगों के जमा हो जाने से वातावरण का तापमान गर्म हो गया।

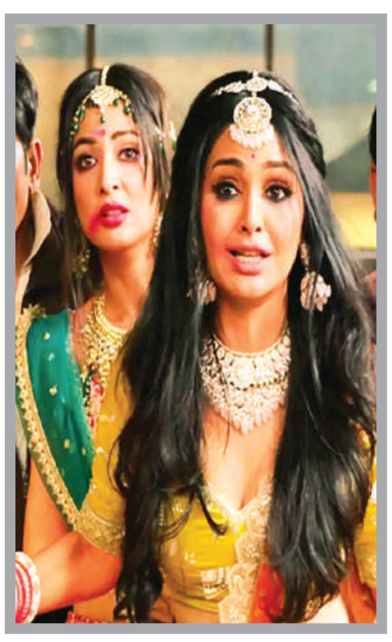

'भाभीजी घर पर हैं' करेगी धमाका

मुंबई। टीवी का चर्चित कॉमेडी शो 'भाभीजी घर पर हैं' अब बड़े पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार है। अभिनेता आसिफ शेख, शुभांगी अत्रे और रोहिताश गौड़ अभिनीत यह शो करीब एक दशक से लोगों का मनोरंजन करता आ रहा है। काफी समय पहले ऐलान किया गया था कि निर्माता इस शो पर फिल्म बना रहे हैं, जिसे जानने के बाद लोग उतावले थे। आखिरकार 'भाबीजी घर पर हैं-फन ऑन दा रन' की रिलीज तारीख का ऐलान हो गया है। निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक और पोस्टर जारी करते हुए लिखा, 'भाभीजी जो अब तक घर पर थीं, अब बड़े पर्दे पर आएंगी।' पोस्टर में शुभांगी (अंगूरी भाभी) विदिशा शर्मा (अनीता भाभी) और को दुल्हन की पोशाक में हैं। एक अन्य पोस्टर में दोनों के अलावा आसिफ और रोहिताश भी अस्त-व्यस्त हालात में दिख रहे हैं।

अनीत संग ऐसा-वैसा कुछ भी नहीं...

मुंबई। सैयारा' फिल्म से रातों-रात चर्चा में आए अभिनेता अहान पांडे इंटरनेट के सबसे चर्चित सेलिब्रिटी बन चुके हैं। काम से ज्यादा उनकी निजी जिंदगी लोगों का ध्यान खींचती रहती है। ददरअसल, सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि अभिनेता अपनी सह-अभिनेत्री अनीत पड्डा को डेट कर रहे हैं। इस बीच, फिल्म निर्माता करण जौहर की प्रतिक्रिया ने अहान और अनीत के रिश्ते की अफवाह को फिर से हवा दे दी। अब 'सैयारा' अभिनेता ने खुद ही सच बता दिया है। अहान ने हालिया इंटरव्यू में, 'सैयारा' अभिनेत्री संग उन्हें जोड़ने वाली अफवाहों को खारिज किया है। एक बातचीत में उन्होंने अनीत को सिर्फ अच्छा दोस्त बताया है। अभिनेता ने कहा, अनीत मेरी सबसे अच्छी दोस्त है। पूरा इंटरनेट यही सोच रहा है कि हम साथ हैं, लेकिन हम साथ नहीं हैं।

टीवी मसाला

'बिग बॉस 19' के घर में आते ही तान्या के भाई ने किए खुलासे...

मुंबई। 'बिग बॉस 19' के फैमिली वीक में इस बार घर का माहौल तब और दिलचस्प हो गया जब तान्या मित्तल के भाई अमृतेश मित्तल शो में पहुंचे। जैसे ही वो घर में दाखिल हुए, तान्या भावुक हो गईं और उन्हें देखकर पहले पैर छुए फिर गले लगाया। लेकिन असली कहानी तब शुरू हुई जब एक-एक कर घरवाले उनके सामने तान्या द्वारा शो के दौरान किए गए दावों को लेकर सवाल लेकर पहुंचने लगे। मेकर्स ने प्रोमो में दिखाया कि कैसे तान्या के भाई हर सवाल का जवाब शांत तरीके से दे रहे हैं और बहन के बचाव में साफ-साफ अपना पक्ष रखते दिख रहे हैं। शो के मेकर्स द्वारा अब तक कई प्रोमोज साझा किए गए हैं, जिनमें तान्या के भाई एक-एक सारे मुद्दों पर सफाई देते हुए नजर आ रहे हैं।

किचन में लिफ्ट वाला दावा : 'बिग बॉस' के लाइव से वायरल हुए वीडियो में प्रणित किचन में लिफ्ट के दावे पर तान्या के भाई से सवाल पूछते हैं। इस पर तान्या के भाई कहते हैं कि हमारे ग्वालियर में ऊंची ऊंची बिल्डिंग्स नहीं हैं। ऐसे में बुजुर्गों के लिए घर में लिफ्ट बहुत आम तौर पर घरों में लगवाई जाती है। हमारे सारे रिश्तेदारों के घरों में ही ऐसा किया जाता है। इस दौरान साथ बैठीं तान्या भी यही बात दोहराते हुए नजर आती हैं।

फैक्टरीज के सवाल का दिया जवाब : इसके बाद बातचीत फैक्ट्री वाले बयान पर पहुंची, जिसे लेकर भी घर में कई दिनों से सवाल उठते रहे थे। इस पर तान्या के भाई ने सरल शब्दों में समझाया कि उनके पिता का बिजनेस क्या है और कैसे लोग बिना पूरी जानकारी के बातें बना लेते हैं। उन्होंने बताया कि परिवार का कामकाज पूरी तरह पारदर्शी है और तान्या ने जो कुछ बताया, वह किसी भ्रम या दिखावे के लिए नहीं था, बल्कि उनके वास्तविक अनुभवों पर आधारित था।

रुबीना के पति अभिनव के साथ हुआ धोखा

नई दिल्ली। टीवी की चर्चित जोड़ी रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला हाल ही में टीवी शो 'पति पत्नी और पंगा' के विजेता बने थे। दोनों की जीत का जश्न अभी थमा नहीं था कि अभिनेता ने चौंकाने वाली खबर सुना दी है। अभिनव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी करते हुए बताया कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। इस वीडियो के माध्यम से वह अपने प्रशंसकों को जागरुक करने की कोशिश भी करते दिखे। अभिनव ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए बताया कि उन्होंने लोन के लिए अप्लाई किया था। बाद में पता चला कि उनके पैन कार्ड से धोखाधड़ी के जरिए 5-6 लोगों ने कई लोन ले रखे हैं। उन्होंने आगे बताया कि वह वीडियो इसलिए जारी कर रहे हैं, ताकि किसी और के साथ ऐसा न हो सके।

फरहान की पिछली 5 फिल्मों का बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट कार्ड, 2 हुईं बुरी तरह फ्लॉप

मुंबई। अभिनेता और निर्माता फरहान अख्तर इन दिनों अपनी नई फिल्म '120 बहादुर' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और फरहान जोर-शोर से इसका प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। समीक्षकों से फिल्म को सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिल रही है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि फरहान की पिछली 5 फिल्मों का बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड कैसा रहा?

'द स्काई इज पिंक' : फरहान को आखिरी बार सिनेमाघरों में फिल्म 'द स्काई इज पिंक' में देखा गया था, जो साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म में वो प्रियंका चोपड़ा के साथ इश्क लड़ाते नजर आए थे। इस फिल्म को टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में खूब तारीफ मिली थी।समीक्षकों से भी इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, लेकिन 24 करोड़ रुपये के बजट में बनी ये फिल्म भारत में बस 20 करोड़ रुपये कमा पाई थी। 'स्काई इज पिंक' नेटफ्लिक्स पर मौजूद है।

'लखनऊ सेंट्रल' : साल 2017 में फरहान 'लखनऊ सेंट्रल' लेकर आए थे। फिल्म की कहानी उत्तर प्रदेश के छोटे से शहर मुरादाबाद में रहने वाले किशन मोहन गिरहोत्रा (फरहान) के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म को दर्शकों ने साफ नकार दिया था, वहीं समीक्षकों से भी इसे हरी झंडी नहीं मिली। 30 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म को 11 करोड़ कमाने में भी पसीने छूट गए थे। बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी ये फिल्म जियो हॉटस्टार पर मौजूद है।

'रॉक ऑन 2': साल 2016 में रिलीज हुई फरहान की 'रॉक ऑन 2' को काफी उम्मीदों के साथ बनाया गया था, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना जादू नहीं चला पाई। नोटबंदी के समय रिलीज होने की वजह से दर्शक सिनेमाघरों तक नहीं पहुंच पाए और फिल्म की कमाई बुरी तरह प्रभावित हुई। इसके अलावा कहानी और गाने भी 'रॉक ऑन' का मुकाबला न कर पाए। 40 करोड़ रुपये की लागत में बनी ये फिल्म बस 10 करोड़ रुपये जुटा पाई थी।

'वजीर' और 'दिल धड़कने दो': अमिताभ बच्चन के साथ आई फरहान की 'वजीर' ने 35 करोड़ की लागत में 41 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन औसत रहा। ये फिलम अमेजन प्राइम वीडियो और सोनी लिव पर है। उधर 'दिल धड़कने दो' में फरहान ने एक्टिंग भी की। वो फिल्म के डायलॉग राइटर और निर्माता भी थे। रणवीर सिंह भी इसमें अहम भूमिका में थे।

'सूर्या 47': पुलिसवाले बनकर 8 साल बाद पर्दे पर लौटेंगे सूर्या, एक्शन से भरपूर होगी फिल्म

मुंबई। दक्षिण सिनेमा के सुपरस्टार सूर्या पुलिसवाले बनकर फिर पर्दे पर धमाल मचाएंगे। उनकी नई फिल्म 'सूर्या 47' से जुड़ी जानकारी लोगों को उत्साहित करने आ गई है। फिल्म के निर्देशन की कमान जीतू माधवन संभाल रहे हैं। दोनों साथ मिलकर एक्शन, कॉप फिल्म बनाने की तैयारी में हैं, जिसकी शूटिंग दिसंबर, 2025 में शुरू हो सकती है। पुलिस अधिकारी के किरदार में सूर्या को 'सिंघम 3' में देखा गया था। यह फिल्म 8 साल पहले 2017 में रिलीज हुई थी।

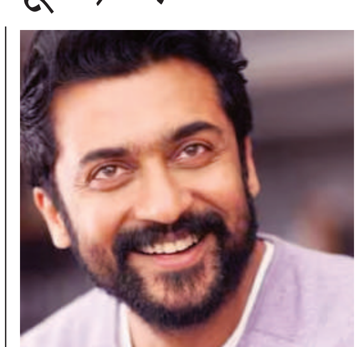

'सूर्या 47' में ये अभिनेत्री आ सकती है नजर

रिपोर्ट के मुताबिक, अस्थायी नाम वाली 'सूर्या 47' में मुख्य अभिनेत्री के रूप में नाजरिया नाजिम फहाद नजर आ सकती हैं। उन्हें सोनी लिव की हालिया वेब सीरीज 'द मद्रास मिस्ट्री' में देखा गया है। पहले चर्चा थी कि सूर्या और नाजरिया फिल्म 'पुरानानूरु' में काम करेंगे, लेकिन अब यह परियोजना रद्द हो गई है। सूर्या के काम की बात करें, तो अभिनेता को आखिरी बार फिल्म 'रेट्रो' में देखा गया था। यह फिल्म मई, 2025 में रिलीज हुई थी।

केरल में फिल्मांकन शुरू होने की संभावना

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सूर्या 47' की शूटिंग 8 दिसंबर, 2025 से शुरू हो सकती है। टीम द्वारा अन्य जगहों पर जाने से पहले, फिल्मांकन केरल में शुरू होने की संभावना है। हालांकि ये अपडेट अटकलें हैं, क्योंकि निर्माताओं की तरफ से आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। यह बात अलग है, कि अगर अफवाहें सच हुईं तो सूर्या और जीतू की जोड़ी दोबारा साथ करेगी। इससे पहले दोनों फिल्म 'सोरारई पोटरु स्टार' और 'आवेशम' में काम कर चुके हैं।

शॉर्टलिस्ट होने वाली फिल्मों की घोषणा 16 दिसंबर को होगी

ऑस्कर 2026 में बड़ा बदलाव, मिलेगा ये खास पुरस्कार; कौन होगा जीत का हकदार?

लॉस एंजिल्स। फिल्मी दुनिया के सबसे बड़े पुरस्कार समारोह ऑस्कर का इंतजार दुनियाभर के सिनेप्रेमियों को है। ऑस्कर 2026 से जुड़ीं आए दिन रोचक जानकारियां सामने आ रही हैं और अब इस पर ऐसा धमाकेदार अपडेट आया है, जिससे इस प्रतिष्ठित समारोह का इंतजार कर रहे प्रशंसक और बेसब्र हो जाएंगे। दरअसल, ऑस्कर 2026 अपने इतिहास में एक बड़ा बदलाव लेकर आ रहा है। 20 साल से अधिक समय के बाद पहली बार अकादमी अवॉर्ड्स में एक नई श्रेणी जोड़ी गई है।

कास्टिंग करने वालों को भी मिलेगा पुरस्कार

20 साल से ज्यादा समय के बाद ऑस्कर में एक नई श्रेणी जोड़ी गई है। इस नई श्रेणी का पुरस्कार कास्टिंग के लिए होगा। कास्टिंग अवॉर्ड का मतलब है कि उस फिल्म के लिए सबसे अच्छे अभिनेताओं और कलाकारों को चुनने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। ये पुरस्कार उन लोगों की मेहनत को पहचानता है, जो फिल्म के लिए सही कलाकारों का चुनाव करते हैं। इस श्रेणी के आने के बाद अब ऑस्कर में कुल 24 पुरस्कार होंगे।

कास्टिंग निर्देशक चुनेंगे ऑस्कर की टॉप 10 फिल्में

फिल्मों के लिए सही कलाकार चुनने वाले कास्टिंग निर्देशक ही तय करेंगे कि कौन-सी फिल्में इस पुरस्कार के लिए आगे बढ़ेंगी। ये लोग सबसे पहले 10 फिल्मों को शॉर्टलिस्ट करेंगे, बिल्कुल वैसे ही जैसे गाने, डॉक्यूमेंट्री, साउंड, विजुअल इफेक्ट्स, मेकअप, हेयर स्टाइलिंग और शॉर्ट फिल्म्स जैसी कुछ और श्रेणियों के पुरस्कारों के लिए किया जाता रहा है। शॉर्टलिस्ट होने वाली फिल्मों की घोषणा 16 दिसंबर को होगी और फिर 22 जनवरी को नामांकन पाने वाली फिल्मों के नाम सामने आएंगे।

ऑस्कर 2026 भारत में कब और कहां देख सकेंगे?

ऑस्कर 2026 का मजा दोगुना करेंगे मशहूर कॉमेडियन कॉनन ओ'ब्रायन, जो खुद भी इस समारोह की मेजबानी करने की पुष्टि कर चुके हैं। ऑस्कर का आयोजन सोमवार, 16 मार्च 2026 को होगा। भारत में इस समारोह को सुबह 4:30 बजे से 7:30 बजे तक लाइव देखा जा सकेगा। इसके अलावा भारत की तरफ से करण जौहर की फिल्म 'होमबाउंड' को सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के लिए आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया है।

साल 2001 के बाद से अब जुड़ी ऑस्कर में एक नई श्रेणी

अकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर एंड साइंसेज ने साल 2001 के बाद से अब तक कोई नई श्रेणी नहीं जोड़ी थी। 2001 में आखिरी बार बेस्ट एनिमेटेड फीचर फिल्म नाम से नई श्रेणी बनाई गई थी। अब इतने सालों बाद पहली बार कोई नई श्रेणी कास्टिंग अवॉर्ड जुड़ी है। इससे न केवल कास्टिंग निर्देशकों की मेहनत को मान्यता मिलेगी, बल्कि यह दर्शाता है कि ऑस्कर समय के साथ बदल रहा है और इंडस्ट्री के हर पहलू को सम्मान दे रहा है।

एशेज : हेड की सुनामी में उड़े अंग्रेज, पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 8 विकेट से रौंदा

एजेंसी ▶▶| पर्थ

ट्रेविस हेड (123) ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों पर दबदबा बनाते हुए शतक जड़ा, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने तीन दिन रहते एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में 8 विकेट से जीत दर्ज की। हेड ने इंग्लैंड की 'बैजबॉल' की रणनीति पर पलटवार करते हुए 69 गेंद में शतक जड़ दिया, जिससे यह एशेज क्रिकेट के शानदार सैकड़ों में शामिल हो गया। उस्मान ख्वाजा के चोटिल होने के कारण हेड को पारी का आगाज करने के लिए उतारा गया और उन्होंने मैदान में हर तरफ बाउंड्री लगाईं। जीत के लिए 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हेड ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 83 गेंद में 16 चौके और चार छक्के की मदद से 123 रन बनाए।

■ ट्रेविस ने 83 गेंद में 16 चौके और 4 छक्के की मदद से बनाए 123 रन

हेड टीम को जल्दी से जीत तक पहुंचाने की कोशिश में आउट हुए जब स्कोर दो विकेट पर 192 रन था और टीम को जीत के लिए महज 13 रन की दरकार थी। मार्नस लाबुशेन ने छक्का जड़कर स्कोर बराबर किया और जब टीम दो विकेट पर 205 रन पर पहुंची तो वह 51 रन बनाकर नाबाद रहे।

दो दिन में खत्म हुआ टेस्ट, गिरे 30 विकेट

पर्थ में दो दिन में पांच सत्र में तीन पारियों में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा, जिसमें 113 ओवर में 468 रन पर 30 विकेट गिरे। इसमें पहले दिन 19 विकेट और दूसरे दिन चाय काल से पहले 11 विकेट गिरे। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह घरेलू एशेज टेस्ट में अजेय लय 16 मैच तक बढ़ा दी, उसने 2010-11 में सीरीज गंवाने के बाद से 14 जीत और दो ड्रॉ खेले हैं। इंग्लैंड ने पहले चार सत्र में दबदबा बनाया लेकिन दूसरे दिन लंच के बाद बल्लेबाजी क्रम के लड़खड़ाने बाद नियंत्रण गंवा दिया। कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी की और टीम पहली पारी में 172 रन पर ढेर हो गई। इसमें ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 58 रन देकर सात विकेट झटके। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में महज 132 रन पर सिमट गई, जिसमें उसके लिए सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर 26 रन का था, जो विकेटकीपर एलेक्स कैरी का रहा। स्टोक्स ने पांच विकेट झटके।

मिचेल स्टार्क रहे प्लेयर ऑफ द मैच

इंग्लैंड ने दूसरी पारी में दूसरा विकेट पर 65 रन पर गंवाया लेकिन इसके बाद तीन खिलाड़ी एक भी रन बनाए बिना 76 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। इससे टीम दूसरी पारी में 164 रन पर सिमट गई। इस तरह ऑस्ट्रेलिया के पास 205 रन के लक्ष्य का पीछा करने के लिए तीन दिन और एक सत्र था। और हेड ने एक सत्र में ही टीम को आसान जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे जिन्होंने मैच में कुल 10 विकेट झटके। पांच टेस्ट मैच की एशेज सीरीज का दूसरा टेस्ट ब्रिसबेन के गाबा में 4 दिसंबर से खेला जाएगा।

खबर संक्षेप

वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष बने गोलोवकिन

वाशिंगटन। पूर्व विश्व चैंपियन गेनाडी गोलोवकिन विश्व मुक्केबाजी की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। कजाकिस्तान के रहने वाले गोलोवकिन को वर्ल्ड बॉक्सिंग के अध्यक्ष पद के लिए यूनान के हरिलाओस मारिओलिस के खिलाफ चुनाव लड़ने की उम्मीद थी, लेकिन संगठन ने कहा कि जांच प्रक्रिया के बाद वह एकमात्र योग्य उम्मीदवार पाए गए हैं। गोलोवकिन ने कहा, 'मुझे सूचित किया गया है कि अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल एकमात्र अन्य उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'मैं वर्ल्ड बॉक्सिंग के स्वतंत्र जांच पैनल के काम की सराहना करना चाहूंगा, जिसने यह सुनिश्चित करने में मदद की कि सभी चुनाव ओलंपिक खेल में प्रशासन के उच्चतम मानकों के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हों।' कजाकिस्तान के पूर्व मिडिलवेट चैंपियन गोलोवकिन को अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था।

यह ट्रैक हमारे ढांचे को अधिक रास आएगा : डोइशे

गुवाहाटी। भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे ने कहा कि बरसापारा स्टेडियम की पिच भारतीय टीम को अधिक रास आयेगी लेकिन कहा कि टेस्ट मैच का नतीजा टीम के प्रदर्शन पर निर्भर करता है, पिच पर नहीं। दक्षिण अफ्रीका के लिए दूसरे टेस्ट के पहले दिन रन बनाना मुश्किल हो रहा था। उसके शीर्षक्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरूआत को भुना नहीं सके। टेन डोइशे ने कहा,' मेरा निजी मानना है कि विकेट यह तय नहीं कर सकता कि कौन जीतेगा। अगर हम कोलकाता में अच्छा खेलते तो उस पिच पर टेस्ट जीत जाते।' उन्होंने कहा,'आपको हालिया नतीजों पर नजर डालनी होगी। इस तरह के विकेट हमे अधिक रास आते हैं।'

फिडे ने दी 'ड्रेस संहिता' में ढील

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने अगले महीने दोहा में होने वाली विश्व रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप के लिए आराम को तरजीह देने वाली ड्रेस संहिता की घोषणा की है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 'क्लासिक नॉन-डिस्ट्रेस्ड जींस' पहनने की अनुमति होगी। एक साल पहले इसी टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन के जींस पहनने से 'जींसगेट' विवाद खड़ा हो गया था। विश्व शतरंज संचालन संस्था के अपडेट हुए नियमों के अनुसार 25 से 30 दिसंबर तक दोहा में होने वाली प्रतियोगिता के लिए पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए गहरे रंग के 'बिजनेस-कैजुअल ट्राउजर' पहनने की अनुमति होगी।

गुवाहाटी टेस्ट पहला दिन : अफ्रीकी टीम बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम

कुलदीप का जादू, दक्षिण अफ्रीका के 6 विकेट धड़ाम, भारत की दमदार वापसी

कुलदीप ने झटके 48 रन देकर 3 विकेट

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए और भारत ने कुलदीप यादव की अगुवाई में आखिरी सत्र में 3 विकेट लेकर दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शनिवार को अच्छी वापसी की। भारत ने पहले दो सत्र में एक-एक विकेट लिया लेकिन तीसरे सत्र में वापसी करके उसने पहले दिन दोनों टीम का पलड़ा बराबरी पर रखा। खराब रोशनी के कारण जब 81.5 ओवर में दिन का खेल समाप्त किया गया तब दक्षिण अफ्रीका ने 6 विकेट पर 247 रन बनाए थे। पिच से अभी बहुत अधिक टर्न नहीं मिल रहा है लेकिन भारत ने दिन में जो छह विकेट हासिल किए उनमें से चार विकेट स्पिनर ने लिए।

दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज तीन गेंद के अंदर आउट

भारत की तरफ से बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप ने 48 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के दोनों सलामी बल्लेबाजों को तीन गेंद के अंदर पवेलियन की राह दिखा दी थी। बुमराह ने सुबह के सत्र के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर एडेन मारक्रम (38) को बोल्ड किया। कुलदीप ने दूसरे सत्र के शुरू में ही दूसरे सलामी बल्लेबाज रियान रेकेलटन (35) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका के खेमे में खलबली मचा दी थी। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी करके अपने कप्तान के पहले बल्लेबाजी करने के फैसले को सही साबित किया था। तेम्बा बावुमा (41) और ट्रिस्टन स्टब्स (49) भी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की।

गुवाहाटी में टूटा 148 साल पुराना रिवाज

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में गुवाहाटी के मैदान पर एक नया इतिहास बना। दरअसल, क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारुप के 148 साल के इतिहास में पहली बार एक नियमित टेस्ट मैच में लंच से पहले चाय का ब्रेक लिया गया। डे-नाइट टेस्ट में चाय डिनर से पहले ली जाती है, लेकिन अपना पहला टेस्ट आयोजित कर रहे गुवाहाटी ने एक नया उदाहरण पेश किया और लंच से पहले टी ब्रेक लिया। यह असामान्य निर्णय भारत के उत्तर-पूर्वी हिस्से में जल्दी सूर्योदय और सूर्यास्त होने के कारण लिया गया। नतीजतन, टेस्ट मैच का पहला सत्र सुबह 9 बजे से 11 बजे तक खेला गया, जिसके बाद 11 बजे से 11:20 बजे तक चाय का ब्रेक रखा गया।

जडेजा ने 6 साल में 79 बार फेंकी नो बॉल

भारतीय टीम के लिए ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की नो बॉल सिरदर्द बन गया है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में उनकी एक गेंद नो बॉल रही। यह साल 2025 में अभी तक की उनकी 14वीं नो बॉल है। साथ ही पिछले छह साल में 79वीं बार वे ओवरस्टेप (क्रीज से बाहर पैर) कर चुके हैं। पिछले कुछ सालों में रवींद्र जडेजा की लगातार इस तरह की गेंदें देखने को मिली है। एक स्पिनर से उम्मीद की जाती है कि वह कोई एक्स्ट्रा न दे। लेकिन जडेजा इस कमी पर काम नहीं कर पा रहे हैं।

क्रिकेट

न्यूजीलैंड ने दर्ज की हैट्रिक जीत वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| हैमिंटन

तीसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को चार विकेट से हरा दिया। मैट हेनरी ने 4 विकेट लिए और मार्क चैपमैन ने 64 रनों की शानदार पारी खेली। इसी के साथ ने तीन मैचों की वनडे सीरीज पर 3-0 से कब्जा कर लिया।

हैमिल्टन में वेस्टइंडीज की टीम एक बार फिर शुरू में ही लड़खड़ा गई और महज 161 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड ने यह लक्ष्य आसानी से 30.2 ओवर में ही 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। शुरुआत में न्यूजीलैंड के भी तीन विकेट जल्दी गिर गए थे और स्कोर 32 पर 3 हो गया था, लेकिन चैपमैन ने संभलकर खेला। माइकल ब्रेसवेल ने नाबाद 40 रन बनाए और दोनों ने मिलकर टीम को जीत तक पहुंचा दिया। इस सीरीज़ का यह सबसे एकतरफा मैच रहा। इससे पहले टी-20 सीरीज में भी न्यूजीलैंड ने 3-1 से जीत हासिल की थी। अब दोनों टीमों के बीच तीन टेस्ट मैच होने हैं, पहला मैच 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होगा।

विंडीज की बैटिंग फ्लॉप

वेस्ट इंडीज ने टॉस जीता था, लेकिन उनके बल्लेबाज फिर से नहीं टिक पाए। पूरी सीरीज में टीम की यही समस्या रही। कप्तान शे होप ने दूसरे मैच में शतक लगाया था, लेकिन इस मैच में सिर्फ 16 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने कहा, "हम बल्ले से बिल्कुल नहीं चल पा रहे। हालात को समझने और उस हिसाब से खेलने में हम पीछे रह गए। सिर्फ 36.2 ओवर तक बल्लेबाजी करना बिल्कुल स्वीकार नहीं है. हम रन बनाने की स्पीड ही नहीं बना पाए।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

ठाकुर करेंगे मुंबई की कप्तानी, टीम में सूर्यकुमार, सरफराज और दुबे भी

■ ट्रॉफी का एलीट डिवीजन 26 नवंबर से 18 दिसंबर तक

एजेंसी ▶▶| मुंबई

शार्दुल ठाकुर सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी करेंगे, जिसकी 17 सदस्यीय टीम में भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव, सरफराज खान और शिवम दुबे भी शामिल हैं। मुंबई इस प्रतियोगिता की गत विजेता है। उसने पिछले वर्ष श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में यह खिताब जीता था, जो वर्तमान टीम का हिस्सा नहीं हैं। टीम में अजिंक्य रहाणे भी शामिल हैं। टीम में विकेटकीपर के रूप में अंगकृष रघुवंशी और हार्दिक तमोर शामिल हैं। तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे और तनुश कोटियन भी टीम में हैं। इस सत्र में रणजी ट्रॉफी के पहले चरण में अब तक पांच मैचों में तीन शतक और एक अर्धशतक की मदद से 530 रन बनाने वाले सिद्धेश लाड को भी टीम में शामिल किया गया है। सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी का एलीट डिवीजन 26 नवंबर से 18 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता का पहला दौर लखनऊ, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता में खेला जाएगा, जबकि नॉकआउट दौर इंदौर में होगा। मुंबई की टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में 26 नवंबर को लखनऊ में रेलवे के खिलाफ खेलेगी।

दिल्ली की कप्तानी करेंगे राणा

नई दिल्ली। नीतीश राणा को 26 नवंबर से शुरू होने वाली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए दिल्ली की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। राणा का उत्तर प्रदेश से आने के बाद मौजूदा घरेलू सत्र में दिल्ली के लिए यह पहला टूर्नामेंट होगा। उन्हें दिल्ली की रणजी ट्रॉफी टीम में जगह नहीं मिली है। आयुष बडोनी और यश ढुल दोनों की अगुआई वाली दिल्ली की टीम अब तक रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी है। एलीट ग्रुप डी में दिल्ली पांच मैच में आठ अंक के साथ छठे स्थान पर है।

बंगाल के लिए खेलेंगे शमी और आकाश दीप

कोलकाता। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए बंगाल की टीम में शामिल किया गया है। अभिमन्यु ईश्वरन की कप्तानी वाली टीम में शमी के साथ तेज गेंदबाज आकाश दीप को भी जगह दी गई है। शमी को आस्ट्रेलिया के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम में जगह नहीं मिली। यह तेज गेंदबाज हालांकि वापसी को बेताब है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के दौरान कहा था,'मैं फिट रहकर भारतीय टीम में चयन के लिए उपलब्ध रहना चाहता हूं।

संधू का शानदार प्रदर्शन, राइफल थ्री पोजीशन में जीता गोल्ड

नई दिल्ली। भारत की माहित संधू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टोकियो में चल रहे बधिर ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता, जो उनका चौथा पदक है। माहित ने 45 शॉट के बाद कुल 456.0 अंक हासिल कर बधिर ओलंपिक खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की डैन जियोंग ने 453.5 अंक के साथ रजत और हंगरी की मीरा जुज़ाना बियातोव्स्की ने 438.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालीफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

कोबोली ने नाटकीय सेमीफाइनल में बर्ग्स को हराया, डेविस कप फाइनल में इटली

एजेंसी ▶▶| बोलोग्ना

फ्लेवियो कोबोली ने नाटकीय सेमीफाइनल में सात मैच प्वाइंट बचाने के बाद बेल्जियम के जिजोउ बर्ग्स को 6-3, 6-7 (5), 7-6 (15) से हराकर दो बार के गत चैंपियन इटली को डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा दिया। कोबोली ने खुद छह मैच प्वाइंट गंवाए लेकिन आखिर में इटली को जीत दिलाने में सफल रहे। उन्होंने शर्ट उतारकर अपने साथियों के साथ जश्न मनाया और फिर बर्ग्स को सांत्वना देने गए, जो कुर्सी पर बैठकर आंसू बहा रहे थे।

डेविस कप के इतिहास में 17-15 का अंतिम सेट टाईब्रेक छठा सबसे लंबा था। कोबोली ने कहा, 'हमने अपने देश के लिए, इस जीत के लिए संघर्ष किया, लेकिन आखिरकार मेरा सपना साकार हुआ। मैं अपनी पूरी टीम और अपने परिवार के लिए खेला। यह मेरे जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक है।' कोबोली की जीत से युगल मुकाबला खेलने की जरुरत नहीं पड़ी क्योंकि उन्होंने इटली को 2-0 की अजेय बढ़त दिला दी। इससे पहले माटेओ बेरेटिनी ने राफेल कोलिग्नन को 6-3, 6-4 से हराकर इटली को शुरुआती बढ़त दिलाई थी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन का फाइनल मुकाबला आज

सेन ने चीनी ताइपे के खिलाड़ी को दी मात, फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| सिडनी

भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने चीनी ताइपे के विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरने के लिए जबरदस्त मानसिक दृढ़ता दिखाई और 86 मिनट तक चले सेमीफाइनल में दूसरे वरीय खिलाड़ी को 17-21, 24-22, 21-16 से हराया। वर्तमान सत्र में अभी तक कोई भी खिताब नहीं जीत पाने वाले 24 वर्षीय सेन का फाइनल में मुकाबला जापान के युशी तनाका या चीनी ताइपे के पांचवें वरीय लिन चुन-यी से होगा। फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

दोनों खिलाड़ियों ने 44 शॉट की खेली रैली

लक्ष्य शुरुआत में थोड़े ढीले दिखे, जबकि चेन अपने शॉट चयन में कहीं ज़्यादा सटीक थे। इससे ताइवान के खिलाड़ी ने पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 की बढ़त हासिल कर ली, जो कुछ देर बाद 14-7 हो गई। लक्ष्य ने इसके बाद वापसी की। इन दोनों खिलाड़ियों ने 19-15 के स्कोर पर 44 शॉट की रैली खेली, जिसमें चेन ने जीत हासिल करके पांच गेम प्वाइंट हासिल किए। लक्ष्य ने दो गेम प्वाइंट बचाए, लेकिन फिर एक शॉट नेट में डालकर पहला गेम गंवा दिया।

लक्ष्य ने तीसरे गेम में बनाई 6-1 की बढ़त

लक्ष्य ने तीसरे और निर्णायक गेम में 6-1 की बढ़त बना ली। चेन ने जिस तरह का खेल पहले गेम में दिखाया था उसको वह बरकरार नहीं रख पाए। लक्ष्य ने इसका पूरा फायदा उठाकर इंटरवल तक 11-6 बढ़त हासिल कर ली। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। ताइवान के खिलाड़ी ने चार मैच प्वाइंट बचाए लेकिन वह लक्ष्य को फाइनल में जगह बनाने से नहीं रोक पाए।

दूसरे गेम का मुकाबला रहा कड़ा

दूसरे गेम के शुरू में दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी लेकिन चेन के सटीक हमले फिर से कारगर साबित हुए और उन्होंने 7-4 की बढ़त बना ली। लेकिन लक्ष्य ने शानदार वापसी की और इंटरवल तक 11-9 की बढ़त बना ली। लक्ष्य का स्मैश बाहर चला गया, जिससे चेन ने वापसी करते हुए स्कोर 12-12 कर दिया। इसके बाद एक समय स्कोर 17-17 बराबरी पर था लेकिन चेन ने लक्ष्य के नेट पर शॉट मारने पर बढ़त बना ली। ताइवान के खिलाड़ी ने इसके बाद तीन मैच प्वाइंट हासिल किए लेकिन लक्ष्य ने उनका अच्छी तरह से बचाव किया और फिर दूसरा गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया।

सीनियर नेशनल फेंसिंग में एमपी की चार बेटियों ने चमक बिखेरी

पदकों के साथ प्रज्ञा, खुशी, पूजा और ओशिनी।

▶ दिल्ली में 15-19 नवंबर तक मुकाबले; विमेन्स एपी में प्रज्ञा, खुशी, पूजा और ओशिनी को ब्रॉन्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नई दिल्ली में 15 से 19 नवंबर तक हुई सीनियर नेशनल फेंसिंग चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश की महिला खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए चार कांस्य पदक जीते। विमेन्स एपी कैटेगरी में प्रज्ञा, खुशी, पूजा और ओशिनी ने पदक हासिल कर राज्य का नाम रोशन किया। मध्यप्रदेश फेंसिंग एकेडमी में तैयार हुईं ये खिलाड़ी पूरे टूर्नामेंट में लगातार आक्रामक खेल दिखाती रहीं। क्वार्टर फाइनल राउंड में कड़े मुकाबले के बाद सभी चारों ने पदक सुनिश्चित किए।

पूरे मुकाबलों में एमपी फेंसर्स ने दिखाया आक्रामक खेल

खिलाड़ियों ने शुरुआती नॉकआउट राउंड से ही आक्रामक रणनीति अपनाई। कई मैचों में उन्होंने बढ़त बनाकर विपक्षियों को लगातार दबाव में रखा। कोचिंग सेंटरों में हुए तकनीकी प्रशिक्षण का असर उनके खेल में साफ नजर आया।

'बेटियों ने भरोसा जीता'

मध्यप्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर खुशी जताई। विभाग ने कहा, "राज्य की खिलाड़ी निरंतर बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। फेंसिंग में यह उपलब्धि बताती है कि मध्यप्रदेश प्रशिक्षण और टैलेंट डेवलपमेंट में सही दिशा में काम कर रहा है।" विभाग ने खिलाड़ियों, कोचिंग टीम और सपोर्ट स्टाफ को बधाई दी।

बीएमसी कमिश्नर एकादश, डॉ. रज़ा एकादश की टीमें जीतीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

स्वर्गीय ठाकुर हुकुम सिंह स्मृति अखिल भारतीय ग्रीन पैराडाइस कप क्रिकेट प्रतियोगिता में शनिवार को दो मैच खेले गए जिसमें पहला मैच में बीएमसी कमिश्नर एकादश विरुद्ध इनकम टैक्स एकादश के बीच खेला गया। जिसमें बीएमसी कमिश्नर एकादश ने 187/7 रन बनाए। अजय सिंह ने नाबाद 48 ,विजय परोचे ने 37 और बिट्टू चौहान ने 32 रन बनाए। इंकमटैक्स की ओर से प्रशांत और हेमंत ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में इनकम टैक्स की टीम ने भी 171/8 रन ही बना सकी और मैच को 16 रनों से हार गई। सौरभ चौरे ने 61, प्रशांत ने 40 और मयंक ने नाबाद 33 रन बनाए, बीएमसी कमिश्नर एकादश की ओर से करण और अजय ने क्रमशः2-2 विकेट लिए। मैच में शानदार दोहरे प्रदर्शन के लिए अजय सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

पहले मैच में मैन ऑफ द मैच चुने गए अजय सिंह

मैन ऑफ द मैच को पुरस्कृत करते अतिथि।

दोहरे प्रदर्शन के लिए रिज़वान बने मैन ऑफ द मैच

आज का दूसरा मुकाबला सुपर हिटर्स विरुद्ध डॉ. रज़ा एकादश के बीच खेला गया, जिसमें डॉ रज़ा एकादश ने 157/9 रन बनाए। इनमें रिजवान ने 39, औसाफ ने 36 रन बनाए। सुपर हिटर्स के राज सोनकर ने 3, मोहित और यतीश ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में सुपर हिटर्स की टीम 143/10 रन ही बना पाई। इसके वैभव कुमार ने 38, सौरभ यादव और अभिषेक ने 24-24 रन बनाए। डॉ रज़ा की ओर से रिज़वान ने 3, जबकि अनस और अलीज़र ने 2-2 विकेट लिए ।

रिज़वान को दोहरे प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार सीनियर डीएसटी रेल्वे दिनेश कुमार कलमे,भोपाल संभाग क्रिकेट संघ के सह सचिव मुज़ीबउद्दीन और अंतर्राष्ट्रीय कमेंट्रेटर मोहम्मद शाहिद ख़ान ने प्रदान किया ।

सारंग लीग बीडीसीए अंडर 13 क्रिकेट टूर्नामेंट

यंगस्टर क्रिकेट अकादमी और अकीरा की जीत

मैन ऑफ द मैच को पुरस्कृत करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गौतम नगर मैदान में चल रही सारंग लीग बीडीसीए अंडर 13 क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को दो मैच खेले गए। जिसमें पहला मैच यंगस्टर क्रिकेट अकादमी और रायसेन के बीच खेला गया, जिसमें रायसेन की टीम मात्र 52 रनों पर ऑल आउट हो गई। जवाबमें यंगस्टर ने यह लक्ष्य 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया, जिसमें उत्कर्ष ने 33 रन बनाए। विनीत और इब्राहिम ने 1-1 विकेट लिया और यंगस्टर बी चैंप स्पोर्ट्स अकादमी ने यह मैच 8 विकेट से जीत लिया। आयात खान को मैन ऑफ द मैच चुना गया। आज का दूसरा मैच अकीरा क्रिकेट अकादमी और सिली प्वाइंट क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया, जिसमें अकीरा ने 427 रन बना दिए। इनमें समर्थ ने 184 और उत्सव ने 125 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिली प्वाइंट क्रिकेट अकादमी 36 रनों पर ही ढेर हो गई, जिसमें समर्थ ने 5 और उत्सव ने 3 विकेट लिए। समर्थ को शानदार ऑल राउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

राधारमण, आरजीपीवी नोडल क्रिकेट टूर्नामेंट

राधारमण कॉलेज और ओरिएंटल कॉलेज ने दर्ज की दमदार जीत

राधारमण कॉलेज की टीम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राधारमण समूह के खेल मैदान पर शनिवार को राधारमण आरजीपीवी नोडल क्रिकेट टूर्नामेंट 2025-26 (सुपर नॉकआउट) के मुकाबलों ने रोमांच का नया स्तर छू लिया। दिन के पहले मैच में राधारमण कॉलेज ने मित्तल कॉलेज को 82 रनों से मात दी, जबकि दूसरे मुकाबले में ओरिएंटल ने सिस्टेक-जी को 54 रनों से पराजित करते हुए अपनी जीत सुनिश्चित की।

मुकाबलों से पूर्व डॉ. अजय कुमार सिंह (डायरेक्टर, आरआईटीएस) और एस. बी. खरे (डीन एडमिनिस्ट्रेशन, आरजीआई) ने खिलाड़ियों से परिचय लेकर उनका उत्साहवर्धन किया।

पहले मुकाबले में राधारमण कॉलेज ने तय 20 ओवर में 149/6 का स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से नियाज़ अंसारी ने शानदार 54, शमशाद और राज सिंह ने 21–21 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मित्तल कॉलेज की टीम 11.4 ओवर में 67 रन पर ही सिमट गई। राधारमण की ओर से कप्तान विवेक ने 4 ओवर में 14 रन देकर 5 विकेट चटकाए उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। उनके अलावा अरमान और भूमिक प्रजापति ने 2–2 विकेट लेकर जीत को और भी निर्णायक बना दिया।

ओरिएंटल कॉलेज ने 54 रन से जीता मुकाबला

दूसरे मुकाबले में ओरिएंटल कॉलेज और सिस्टेक-जी आमने-सामने थे। टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण चुनने वाली सिस्टेक-जी के विरुद्ध ओरिएंटल कॉलेज ने 15 ओवर में 123/7 का स्कोर खड़ा किया। टीम के मनन शर्मा ने 34 रन, अंश पुरोहित ने 25 और प्रियांशु आचार्य ने 18 रन जोड़े। जवाब में सिस्टेक-जी की टीम 14.2 ओवर में 69 रन पर ही ऑलआउट हो गई। गेंदबाजी में गौतम ने 3 ओवर में 19 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि श्रेयांश मिश्रा ने 3, और हिमांशु मिश्रा व संकल्प शिव ने 2–2 विकेट लेकर विपक्षी टीम को बड़ा झटका दिया। ओरिएंटल कॉलेज ने यह मुकाबला 54 रनों से जीत लिया।

21वीं राष्ट्रीय मास्टर्स तैराकी प्रतियोगिता

हैदराबाद में मप्र ने जीते 8 गोल्ड समेत 26 पदक

पदक के साथ मप्र की टीम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय तैराकी महासंघ के तत्वाधान में तेलंगाना राज्य तैराकी संघ द्वारा हैदराबाद में 21 नवंबर से 23 नवंबर तक आयोजित इक्कीसवीं राष्ट्रीय मास्टर्स तैराकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन तक मध्यप्रदेश ने कुल 26 पदक अपने नाम किए। इनमें 8 स्वर्ण, 11 रजत और 7 कांस्य पदक शामिल हैं। मध्यप्रदेश के विक्रम बाथम, शुभम उपाध्याय, कृष्णचन्द्र रायकवार ने 2-2 स्वर्ण, दीक्षा कुशवाह 1 स्वर्ण, 2 रजत, कमलजीत कौर 1 स्वर्ण, 1 रजत, बबीता चोरे और जगदीश दिखित प्रत्येक 2-2 रजत, निहारिका शर्मा, रचना खरे, संजय बाथम, गौरव सिंह प्रत्येक 1-1 रजत , शुभ्रा गोयल, सुभाष गुप्ता 2-2 कांस्य और सुनील पारिख ने 1 कांस्य प्राप्त किया। इसके अलावा पुरुषों की रिले टीम जिसमें रामकुमार खिलरानी, विक्रम बाथम, कृष्णचन्द्र रायकवार और सुनील पारिख शामिल थे, ने 4 50 मीटर मेडले रिले और महिला टीम ने भी कांस्य पदक प्राप्त किया।

इंटर स्कूल एथलेटिक प्रतियोगिता में जीते कई पदक

आर्मी पब्लिक स्कूल अंडर 14 बॉयज और गर्ल्स बने ओवरऑल चैंपियन

ट्रॉफी के साथ विजेता टीम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सागर पब्लिक स्कूल रातीबड़ में आयोजित इंटर स्कूल एथलेटिक प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल भोपाल के खिलाड़ियों ने अंडर 14 बालिका वर्ग में एवं अंडर 14 बालक वर्ग में दोनों केटेगरी में शानदार प्रदर्शन करते हुए बालक एवं बालिका वर्ग की ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। गर्ल्स कैटेगरी में टोटल 6 इवेंट में आर्मी पब्लिक स्कूल भोपाल के एथलीट ने जिसमें अग्रिम ने 600 मीटर एवं 400 मीटर रेस गोल्ड मेडल जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर आर्मी पब्लिक स्कूल की प्राचार्य प्रियंका त्रिवेदी एवं उपप्राचार्य शिल्पी अग्निहोत्री मैडम ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। कोच विवेक गौर एवं धर्मेश मिश्रा ने बताया कि बालिका वर्ग में 44 अंक लेकर प्रथम स्थान एवं बालक वर्ग में 41 अंक लेकर ओवरऑल चैंपियनशिप पर अपना कब्जा जमाया।

इनका रहा ऐसा प्रदर्शन

अपने ऑफिशियल्स के साथ विजेता।

कनक साहू ने लॉन्ग जंप में गोल्ड मेडल एवं शॉट पुट में सिल्वर मेडल जीता। वंशिका ने 100मीटर रेस में ब्राउंस जीता। 4 गुणा 100 मी रिले रेस में सोनम प्रीत कौर, अग्रिम ,वंशिका, कनक साहू एवं काव्य ने भी गोल्ड मेडल जीता। बालक वर्ग 400 मीटर रेस में प्रीतम कुमार ने गोल्ड मेडल तथा 100 मीटर रेस में सिल्वर मेडल जीता। लॉन्ग जंप में प्रियांशु कुमार ने गोल्ड मेडल। शोएब ने शॉट पुट में गोल्ड मेडल जीता। 4 गुणा 100 मी रिले रेस में अमन कुमार, प्रीतम कुमार, प्रियांश, यने प्रजापति एवं आदित्य सिंह ने गोल्ड मेडल जीता।

सुनो शहर सरकार

माननीयों के बंगले पर ड्यूटी, कैसे लगाएं हाजिरी

नगर निगम में इन दिनों फेस अटेंडेंस सिस्टम से हाजिरी लग रही है। जब से यह सिस्टम लागू हुआ है रोजाना एक हजार से पंद्रह सौ कर्मचारी गैर-हाजिर ही रह रहे हैं। निगम प्रशासन इसे लेकर खुद परेशान है। मामला चर्चाओं में है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारी गए कहां? जबकि निगम के कर्मचारी माननीयों के बंगलों पर भी सेवाएं दे रहे हैं। अब उनके सामने समस्या यह है कि वे अपने कार्य स्थल के 50 मीटर के दायरे में पहुंचकर अपनी हाजिरी लगाने पहुंचे कैसे। बहरहाल, यह तो पता करना निगम प्रशासन का काम है, लेकिन कर्मचारी नेताओं और खुद निगम के कर्मचारियों में इस बात की चर्चा इन दिनों खूब चल रही है कि साहबों के बंगलों पर भी निगम के कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं।

कार्यपालन यंत्री को लगी फटकार की चर्चा

बीते दिनों टीएल की बैठक में एक कार्यपालन यंत्री को निगम आयुक्त द्वारा लगाई गई फटकार का मामला इन दिनों सुर्खियों में है। मामला कलियासोत डेम पर कुछ सिविल कामों में देरी और टेंडर में खामी को लेकर होना बताया जा रहा है। जैसे ही यह खबर निगम के अन्य विभागों के इंजीनियरों को पता चली तो वे अलर्ट हो गए और इसकी जानकारी एक-दूसरे तक पहुंचाने में भी जुट गए। दरअसल, इसके पीछे भय यह था कि कहीं अगला नंबर उनका न लग जाए। सिविल, जलकार्य, सीवेज प्रकोष्ठ, उद्यानिकी और झील संरक्षण प्रकोष्ठ के इंजीनियर अपने-अपने क्षेत्र में विकास कार्यों की स्थिति और टेंडर प्रक्रिया से संबंधित जानकारी एकत्र करने में जुट गए। अब देखना यह है कि अगली बैठक में क्या होता है।

अपनी कुर्सी बचाने में जुटे जेडओ

नगर निगम ने हाल ही में सहायक राजस्व अधिकारियों को वार्ड प्रभारी का जिम्मा सौंपा है। इसे देखकर लग रहा है कि अब अगला नंबर जेडओ के बदलाव का होगा। दरअसल, राजधानी के कई जोन में ऐसे जेडओ भी जमे हैं जो उक्त पद के योग्य नहीं हैं और सियासी पकड़ के चलते पद पर काबिज हैं। अब ऐसे जेडओ पर गाज गिरना तय माना जा रहा है। इसे देखते हुए वे अपने-अपने नेता और अधिकारियों के बंगलों पर चक्कर लगाते भी देखे जा रहे हैं ताकि उनकी कुर्सी बची रहे। बहरहाल निर्णय तो निगम प्रशासन को करना है, लेकिन इस बात की चर्चा खूब है कि अब देखो कौन अपनी सियासी पकड़ के चलते जेडओ बना रहता है और कौन किस विभाग में भेजा जाता है।

-एमएम सिद्दीकी

आरजीपीवीः सांस्कृतिक महोत्सव प्रवाह में दिखाई प्रतिभा, मिला सम्मान

विवि में नृत्य प्रस्तुत करते छात्र9 छात्राएं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव प्रवाह 2.0- 2025 आयोजन के अंतिम दिन शनिवार को विद्यार्थियों ने कलात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग लिया। यूआईटी- आरजीपीवी के निदेशक प्रो. सुधीर सिंह भदौरिया, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी प्रो. रवींद्र पटेल तथा प्रो. रवींद्र रंदा सहित यूआईटी-आरजीपीवी के प्राध्यापक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेताओं को सम्मानित किया। इस दौरान सफल प्रतिभागियों में प्रमुख रूप से फैशन शो में प्रियांशु सोनी प्रथम, बिंदेश्वरी तुमा द्वितीय और करण डिंगलानी तृतीय स्थान पर रहे। सिंगिंग प्रतियोगिता में जयदीप अंकौले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चिन्मय दुबे द्वितीय और वत्सल पटेल तृतीय स्थान पर रहे। डांसिंग प्रतियोगिता में हॉरर टाइटन्स टीम प्रथम, आईटी आटिज़्स्ट टीम द्वितीय और डेटा डायनामाइट्स टीम तृतीय स्थान पर रही।

रील्स में अभि भालवी प्रथम

रील्स प्रतियोगिता में अभि भालवी ने प्रथम, ओम झा और वरुण विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा राहुल अहिरवार तृतीय स्थान पर रहे। ट्रेजर हंट में पराग, अश्विन सात्विक, देव और श्रृष्टि विजेता रहे, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचाा।

कॉरपोरेट सफलता के लिए पेशेवर छवि निर्माण पर एमसीयू में कार्यक्रम

व्यक्ति की प्रोफेशनल इमेज का निर्माण पहले ही 7 सेकंड में हो जाता हैः मनीषा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय द्वारा शनिवार को कॉरपोरेट सफलता के लिए पेशेवर व्यक्तित्व का निर्माण विषय पर एक विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया गया। इसकी मुख्य वक्ता पुरस्कार विजेता कॉरपोरेट ट्रेनर एवं मोटिवेशनल स्पीकर मनीषा आनंद रहीं, जिन्होंने छात्रों को कॉरपोरेट जीवन में प्रभावी छवि निर्माण के महत्वपूर्ण आयामों से अवगत कराया।

शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. अविनाश बाजपेई द्वारा आनंद के औपचारिक स्वागत के साथ हुई। मनीषा आनंद ने विद्यार्थियों को बताया कि किसी भी व्यक्ति की प्रोफेशनल इमेज का निर्माण बातचीत के पहले ही सात सेकंड में हो जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संचार का मात्र 7 प्रतिशत हिस्सा शब्दों पर आधारित होता है, जबकि 93 प्रतिशत प्रभाव नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन- जैसे कि बॉडी लैंग्वेज, चेहरे के भाव, नेत्र संपर्क और टोन से उत्पन्न होता है। उन्होंने समझाया कि कॉरपोरेट माहौल में शरीर की मुद्रा, आत्मविश्वास पूर्ण दृष्टि, सौम्य मुस्कान और ऊर्जा-युक्त उपस्थिति व्यक्ति को विशिष्ट पहचान दिलाती है। अंत में छात्रों ने संचार कौशल, इंटरव्यू व्यवहार और व्यक्तिगत ब्रांडिंग से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका आनंद ने व्यावहारिक उत्तरों के साथ समाधान किया।

विशेषज्ञ सत्र के बाद फोटो सेशन करते छात्र।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930